www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 12 जुलाई , 2024 | वर्ष-17 | अंक -97 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

पिछड़े वर्ग से होने के चलते मुझे बनाया जा रहा... 02

■ सौरभ भारद्वाज ने बैराज नंबर 12 का...
■ बवाना में मुनक नहर का बांध टूटा...

03 ■ हिजबुल्लाह ने इजरायली ठिकानों को बनाया निशाना
■ इराक ने की कुर्दिस्तान में तुर्की की सैन्य घुसपैठ...

07 बाढ़ कार्यों में लापरवाही पर 5 एडीएम और 5 आपदा... 09

केंद्र सरकार के खिलाफ फिर मोर्चा खोलेंगे किसान

एमएसपी समेत कई मुद्दों पर हल्ला बोल करेगा संयुक्त किसान मोर्चा

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक बार फिर विभिन्न मांगो को लेकर आंदोलन शुरू करने का एलान किया है। किसान संगठन ने कहा है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी और ऋण माफी सहित अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन फिर से शुरू किया जाएगा। साथ ही संगठन ने कहा है कि इन मांगो को रखते हुए प्रधानमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा।

केंद्र ने किसानों के साथ हुए समझौतों को लागू नहीं किया

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने अपनी आम सभा की बैठक के एक दिन बाद यह घोषणा की। संगठन ने कहा, 'आम सभा ने 9 दिसंबर, 2021 के समझौते को लागू करने की मांग को लेकर आंदोलन फिर से शुरू करने का फैसला किया है, जो केंद्र सरकार ने एसकेएम के साथ किया है और जिस पर भारत सरकार के कृषि विभाग के सचिव ने हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही किसानों की

■ **लंबित मांगों पर फिर से आंदोलन शुरू करने की घोषणा**
■ **प्रधानमंत्री मोदी और नेता विपक्ष से मिलकर ज्ञापन सौंपेगा**

आजीविका प्रभावित करने वाली अन्य प्रमुख मांगें रखी जाएंगी।'

तीन-चार महीने में आगे बढ़ेगा किसान आंदोलन

संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में तय हुआ है कि अगले तीन-चार महीने में किसान आंदोलन को आगे बढ़ाएंगे।

'कॉर्पोरेट छोड़ो दिवस' मनाएगा एसकेएम

संगठन ने अपने बयान में कहा है कि सभी सांसदों को मांगों का एक चार्टर सौंपा जाएगा। संगठन ने कहा कि 9 अगस्त को एसकेएम अपनी मांगों के समर्थन में देश भर में प्रदर्शन करके भारत छोड़ो दिवस को कॉर्पोरेट भारत छोड़ो दिवस के रूप में मनाएगा।

किसान आंदोलन की सक्रियता के कारण ही बीजेपी ने भारी हार का सामना किया है। किसानों का फोकस चार राज्यों में होने वाले चुनावों पर होगा। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में

अन्नदाताओं के साथ सरकार ने झूठ बोला

आंदोलन से पहले सभी राज्यों के संगठनों को मजबूत किया जाएगा। अन्नदाताओं की जो मांगे हैं, उसे लेकर एक मांग पत्र तैयार किया जाएगा। ऑल इंडिया मूवमेंट के जरिए किसान की आवाज को दुबारा उठाया जाएगा। किसान संगठन का कहना है कि अन्नदाताओं के साथ सरकार ने झूठ बोला है।

'बीजेपी को बेनकाब करो' का आंदोलन चलाया जाएगा, ताकि लोगों तक अपनी बात पहुंचा जा सके।

16 से 18 जुलाई के बीच एसकेएम राज्य नेतृत्व के प्रतिनिधिमंडल व्यक्तिगत रूप से सांसदों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान सांसदों से मांग की जाएगी कि वे किसानों की डिमांड को लेकर एनडीए सरकार पर दबाव बनाएं।

अग्निवीरों को पैरामिलिट्री में मिलेगा 10 फीसदी

■ **फिजिकल टेस्ट में भी छूट मिलेगी**
■ **विपक्ष ने अग्निवीर को बनाया है मुद्दा**

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। अग्निपथ योजना को लेकर पिछले काफी दिनों से चल रहे विवाद के बीच केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए इस स्कीम में बदलाव किया है। केंद्र ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में कांस्टेबलों के 10 प्रतिशत पद भूतपूर्व अग्निवीरों के लिए आरक्षित कर दिए हैं। सरकार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में भी फिजिकल टेस्ट में भी छूट देगी।

बीएसएफ के महानिदेशक नितिन अग्रवाल व सीआईएसएफ की महानिदेशक नीना सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सभी तैयारियां कर ली हैं। 14 जून 2022 को घोषित अग्निपथ योजना में 17 से 21 साल की उम्र के युवाओं को केवल चार सालों के लिए भर्ती करने का प्रावधान है, जिसमें 25 प्रतिशत अग्निवीरों को अगले 15 सालों तक बनाए रखने का प्रावधान है। सरकार ने उसके बाद में ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 साल कर दिया।

योजना को लेकर संसद में विपक्ष ने उठाए थे सवाल

हाल ही में खत्म हुए संसद सत्र के दौरान विपक्ष ने अग्निपथ योजना को लेकर सवाल उठाए।

सरकार को घेरने के बाद अग्निपथ योजना पर उठे विवाद के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दावों का खंडन करते हुए कहा था कि 158 संगठनों से सुझाव लेने के बाद इसे लागू किया गया था।

सार संक्षेप

जयाप्रदा आचार संहिता उल्लंघन मामले में बरी

रामपुर। पूर्व सांसद और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री जयाप्रदा को गुरुवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली। आचार संहिता उल्लंघन के मामले में कोर्ट ने जयाप्रदा को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। गुरुवार को कोर्ट में अपने अधिवक्ता के साथ जयाप्रदा पहुंची थीं। न्यायालय ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए पूर्व सांसद को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। जयाप्रदा के अधिवक्ता ने पूरे मामले में उनके पक्ष को मजबूती से रखा।

भारतीय सेना ने ढूंढे बर्फीली चोटी में दबे सैनिकों के शव

नई दिल्ली। बीते वर्ष अक्टूबर में लद्दाख में 38 भारतीय सैनिक हिमस्खलन में फंस गए थे। हादसे के बाद सेना द्वारा चलाए गए अभियान में कई सैनिकों को बचा लिया गया था। एक सैनिक का शव मिला था, लेकिन तीन अन्य सैनिकों का कुछ पता नहीं चल सका था। अब घटना के करीब नौ महीने बाद इन तीन सैनिकों के शव मिले हैं। इनकी पहचान हवलदार रोहित, हवलदार ठाकुर बहादुर अले और नायक गौतम राजवंशी के रूप में की गई है।

बंदूक की नोक पर घरों में शरण ले रहे आतंकवादी

जम्मू। हीरानगर, मच्छेड़ी, रियासी और राजौरी व पुंछ के इलाकों में हुए आतंकी हमलों की जांच में एक तथ्य आया है कि आंतकी लोगों से शरण पाने के साथ-साथ अन्न और पानी भी पा रहे हैं। पिछले महीने हीरानगर के सैडा सोहल गांव में मारे गए दो आतंकियों ने भी सबसे पहले गांव के कुछ घरों में जबरदस्ती शरण लेकर भोजन और पानी की मांग की थी।

कई राज्यों में होगी बारिश, पूर्वोत्तर के लिए रेड अलर्ट

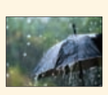

दिल्ली। देश के कई राज्यों में इन दिनों बारिश हो रही है, जिसके चलते कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इस बीच मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में फिर से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर गहमागहमी शुरू

विस चुनाव में 225 सीटें जीतेगा महाविकास अघाड़ी : शरद पवार

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से गहमागहमी शुरू हो गई है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री और एनसीपी-एसपी के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अगले विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) 225 सीटें जीतेगा। शरद पवार ने यह बात बीजेपी के पूर्व विधायक सुधाकर भालेराव के एनसीपी-

एसपी की सदस्यता ग्रहण करने से जुड़े कार्यक्रम में कही। पवार ने कहा, 'महाराष्ट्र में बदलाव लाने के लिए एनसीपी-एसपी को सशक्त बनाने की जरूरत है, जो लोग गलत कर रहे हैं उन्हें जवाबदेह

■ **बीजेपी के पूर्व विधायक सुधाकर भालेराव एनसीपी-एसपी में शामिल**

बनाना जरूरी है।' लोकसभा चुनाव के बाद राज्य की राजनीति में कुछ बदलाव की बयार देखने को मिल रही है। पिछले कुछ दिनों से ऐसा देखा जा रहा है कि बीजेपी के नेता महाविकास अघाड़ी में शामिल हो रहे हैं।

महाराष्ट्र में विधानसभा का सेमीफाइनल आज

लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में एक बार फिर एनडीए बनाम इंडिया अलायंस के बीच मुकाबला होने जा रहा है। शुक्रवार को होने जा रहे महाराष्ट्र विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों में दोनों एक दूसरे को मात देने की कोशिश करेंगे। मुकाबला इसलिए भी रोचक हो गया है, क्योंकि 11 सीटों पर 12 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए गए हैं। मैच को अपने पाले में करने के लिए खिलाड़ी मोर्चे पर तैनात कर दिए गए हैं। इस मुकाबले को सत्ता का सेमीफाइनल इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि नतीजों से पता चलेगा कि सरकार में काबिज बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुती एकजुट है, या उसके कुछ विधायक सिखक रहे हैं। सबसे ज्यादा निगाह अजीत पवार गुट के विधायकों पर होगी।

मणिपुर पर अपना मुंह कब खोलेंगे मोदी : प्रियंका

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मणिपुर में जारी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आज पूछा कि जब पूरा राज्य हिंसा की आग में जल रहा है तो आखिर श्री मोदी मौन क्यों साधे हैं और वह मणिपुर में शांति बहाली के लिए लोगों से कोई अपील क्यों नहीं कर रहे हैं।

श्रीमती वाड्रा ने कहा मणिपुर को अस्थिर हुए एक साल से ज्यादा समय हो चुका है। यहां के लोग हिंसा, हत्या, दंगा और

■ **मणिपुर जाकर शांति की अपील करें मोदी**
■ **राहुल ने कहा, मणिपुर में बदले नहीं हालात**

विस्थापन झेल रहे हैं। हजारों मासूम राहत कैंप में रहने को मजबूर हैं। आखिर प्रधानमंत्री मणिपुर पर अपना मुंह कब खोलेंगे। आखिर सरकार ने मणिपुर में शांति के प्रयास क्यों नहीं किए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मणिपुर लगातार जल रहा है और वहां के आंतिरक हालात अत्यंत गंभीर हैं। लोग मासूम

बच्चों के साथ राहत शिविरों में रहने के मजबूर हैं और एक दूसरे की जान के दुश्मन बने हुए हैं। पूरा मणिपुर दो हिस्सों में बंटा हुआ नजर आता है। वहां के लोग हिंसा, हत्या, दंगा और विस्थापन झेल रहे हैं लेकिन श्री मोदी वहां जाकर लोगों से शांति बनाए रखने का आग्रह नहीं कर रहे है। उनका कहना था कि श्री मोदी को खुद वहां जाकर लोगों की समस्याएं सुनकर शांति बहाली का रास्ता निकालना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा मणिपुर में हिंसा शुरू होने के बाद मैं तीसरी बार यहां आ चुका हूं मगर अफसोस, स्थिति में कोई सुधार नहीं है। आज भी प्रदेश दो टुकड़ों में बंटा हुआ है। घर जल रहे हैं, मासूम जिंदगियां खतरे में हैं और हज़ारों परिवार राहत शिविरों में जीवन काटने पर मजबूर हैं। उन्होंने यह भी कहा प्रधानमंत्री को मणिपुर खुद आकर प्रदेशवासियों की तकलीफ सुनते हुए शांति की अपील करनी चाहिए।

नीट पर सुप्रीम कोर्ट में अब 18 को सुनवाई

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बड़े पैमाने पर कथित कदाचार और अन्य अनियमितताओं के कारण मेडिकल में स्नातक स्तर की पढ़ाई के दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता का प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2024 रद्द कर उसे दोबारा कराने की मांग वाली याचिकाओं पर अपनी सुनवाई गुरुवार को 18 जुलाई के लिए टाल दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख मुकर्रर करते हुए कहा कि उसके (पीठ) के अलावा कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं ने दायर हलफनामे पर गौर नहीं किया है।

हलफनामे पर गौर के लिए दिया समय

हरियाणा में इनेलो व बसपा के बीच हुआ गठबंधन

चंडीगढ़, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले इनेलो और बसपा के बीच गुरुवार को गठबंधन हो गया। दोनों ही पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर भी समझौता हुआ। इनेलो ने 53 और बसपा ने 37 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। दोनों पार्टियों ने चंडीगढ़ में संयुक्त प्रेस कॉफ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने कहा, सरकार बनने पर अभय चौटाला को सीएम पद की कमान सौंपी जाएगी।

एक साल में पासपोर्ट सरेंडर करने वालों की संख्या दोगुनी हुई

गुजरात में भी नागरिकता छोड़ने की मची होड़

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात में रहने वाले लोगों में भारत की नागरिकता छोड़ विदेश में बसने की घटनाएं बढ़ रही हैं। एक साल में पासपोर्ट सरेंडर करने वालों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। जनवरी 2021 से 1187 लोगों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ी है। 2023 में 485 पासपोर्ट सरेंडर किए गए जो 2022 में सरेंडर किए गए 241 पासपोर्ट की संख्या का डबल है। लोकल पासपोर्ट ऑफिस के आंकड़ों के मुताबिक, सूरत, नवसारी, वलसाड़ और नर्मदा सहति दक्षिण गुजरात के

इलाके में लोग अपना पासपोर्ट सरेंडर कर रहे हैं। मई 2024 में ये आंकड़ा 244 पर पहुंच चुका है। अधिकारियों ने इस बात को नोटिस किया है जिन लोगों ने

■ **ज्यादातर लोग अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में बस रहे**

पासपोर्ट सरेंडर किए हैं उनमें 30 से 45 साल के लोग हैं। इनमें से ज्यादातर लोग अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में बसे हैं।

नागरिकता छोड़ने में दिल्ली सबसे आगे

संसदीय आकंड़े इसका समर्थन करते हुए दिखाई देते हैं, जिसके मुताबिक, 2014 से 2022 के बीच गुजरात के 22 हजार 300 लोगों ने अपनी नागरिकता त्यागी है। सबसे ज्यादा दिल्ली के 60 हजार 414 और पंजाब के 28 हजार 117 लोगों के बाद तीसरे नंबर गुजरात का नंबर आता है. खासतौर कोविड पीरियड के बाद इसमें ज्यादा इजाफा हुआ। एक अधिकारी के अनुसार ज्यादातर युवा पढ़ाई के मकसद से विदेश जाते हैं और बाद में वो वहीं बस जाते हैं। माना जा रहा है कि 2028 तक पासपोर्ट सौंपने वालों की संख्या में भारी इजाफा होगा क्योंकि विदेश पहुंच चुके लोग वहां की नागरिकता पा रहे हैं।

देश

उवाच “ आज विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जा रहा है। मैंने पहले भी कहा है और आज भी कहता हूं कि देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून की सख्त जरूरत है। चीन ने दुनिया में विकास का परचम फहराया है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि वह वन चाइल्ड पॉलिसी लेकर आया : **गिरिराज सिंह, केंद्रीय मंत्री**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	38.8	27.2
मुंबई	28.6	24.2
कोलकाता	37.0	28.6
चेन्नई	30.9	22.0

समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में भारत सक्रिय भागीदार : ओम बिरला

10वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

■ ‘ब्रिक्स संसदीय आयामः अंतर-संसदीय सहयोग को सुदृढ़ करने की संभावनाएं’ पर अपने विचार व्यक्त किए

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में शुरू हुए ‘ब्रिक्स संसदीय मंच’ के सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में शुरू हुए 10वें ब्रिक्स संसदीय मंच में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को पहले पूर्ण सत्र को संबोधित किया। उन्होंने ‘ब्रिक्स संसदीय आयाम: अंतर-संसदीय सहयोग को सुदृढ़ करने की संभावनाएं’ पर अपने विचार व्यक्त किए। ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन के शुभारंभ सत्र के दौरान उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में हुए दुनिया के सबसे बड़े चुनाव (लोकसभा चुनाव) के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में लगभग 65 करोड़ मतदाताओं ने वोटिंग की, जिसके पश्चात नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि देश के निर्वाचित सदन लोकसभा ने उन्हें लगातार दूसरी बार स्पीकर पद पर निर्वाचित किया।

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में लगभग 65 करोड़ मतदाताओं ने वोटिंग की, जिसके पश्चात नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। यह उनका सौभाग्य है कि देश के निर्वाचित सदन लोकसभा ने उन्हें लगातार दूसरी बार स्पीकर पद पर निर्वाचित किया: ओम बिरला

ब्रिक्स संसदीय मंच में नए सदस्यों मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्वागत करते हुए बिरला ने नए सदस्यों को संगठन में निर्बाध रूप से शामिल किए जाने के लिए रूस के अध्यक्ष की सराहना की। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला ब्रिक्स वैश्विक शासन व्यवस्था को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने तथा वैश्विक स्तर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। समावेशी और सतत विकास के ब्रिक्स के एजेंडा को आगे बढ़ाने में संसदों और सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में सक्रिय भागीदारी कर रहा है। उन्होंने उभरते बाजारों और विकासशील देशों को एकजुट करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के साथ ही परस्पर सम्मान, समझ, समानता, एकजुटता, पारदर्शिता, समावेशिता और आम सहमति के सिद्धांतों के प्रति भारत की निष्ठा के बारे में भी बात की। ब्रिक्स के सदस्य देशों और अन्य बहुपक्षीय मंचों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देते हुए बिरला ने कहा कि भारत ‘वसुधैव कुटुम्बकम’ अर्थात ‘समस्त संसार एक परिवार है’, के सिद्धांत पर चलता है जो ब्रिक्स द्वारा अभिव्यक्त समानता, एकजुटता और परस्पर लाभकारी सहयोग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

पिछले वर्ष नई दिल्ली में 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन और जी-20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के नौवें शिखर सम्मेलन (पी-20) के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि ये ऐतिहासिक आयोजन विश्व कल्याण और समावेशी विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से संयुक्त प्रयास करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं।

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं करवाना चाहती है भाजपा : विकार रसूल वानी

जम्मू, 11 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में 8 जुलाई को हुए आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए। जवानों की शहादत के बाद अब इसे लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस पार्टी ने आतंकी हमले को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। इसके साथ ही कांग्रेस ने बीजेपी पर गंभीर आरोप भी लगाए। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष विकार रसूल वानी ने कहा कि पिछले तीन सालों में लगभग 42 से अधिक जवान शहीद हुए हैं। हमें इसका बहुत दुख है। तीन दिन पहले ही एक आतंकी हमला हुआ, जिसमें हमारे पांच जवान शहीद हुए और छह घायल हो गए। आखिर बीजेपी सरकार क्या चाहती है। जो लोग आतंकवाद के खिलाफ सड़कों पर आकर पुतले जलाते थे, लेकिन अब पूरे हिंदुस्तान में ढोल बजा रहे हैं कि हमने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद खत्म कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद खत्म हो गया होता तो कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी और अमित शाह का आभार व्यक्त करते, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है और रोजाना हमारे जवान शहीद हो रहे हैं। हमें इस बात का दुख है और कांग्रेस को चिंता है कि जम्मू-कश्मीर के हालात दुरुस्त होने चाहिए। इसलिए हम चाहते हैं कि सरकार आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करे और ये भी बताए कि आतंकवाद को रोकने के लिए सरकार क्या करने वाली है।

रांची जमीन घोटाला

आईपीएस अफसर भी आएंगे ईडी जांच के घेरे में

■ दो दर्जन से भी ज्यादा छापेमारियों और कई गिरफ्तारियां की गईं

■ सैकड़ों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा, फर्जी कागजात के आधार पर खरीद-बिक्री के मामलों का खुलासा हुआ

रांची, 11 जुलाई (एजेंसियां)। रांची में सेना की साढ़े चार एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री और मनी लॉन्ड्रिंग की दो साल पहले शुरू हुई ईडी की जांच का दायरा बहुत बड़ा हो गया है। पिछले दो साल में दो दर्जन से भी ज्यादा छापेमारियों और कई गिरफ्तारियों के बाद रांची के अलग-अलग इलाकों में सैकड़ों एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा, फर्जी कागजात के आधार पर खरीद-बिक्री के मामलों का खुलासा हुआ है। इसी कड़ी में ईडी की टीमों ने बुधवार और गुरुवार को रांची के कांके अंचल और एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर) कार्यालय में सैकड़ों दस्तावेज खंगाले हैं। इस दौरान कांके की चामा बस्ती और आसपास के 50 से ज्यादा रैयतों-किसानों ने ईडी के पास अपनी जमीनों पर अवैध कब्जे की शिकायतें दर्ज कराई हैं और एजेंसी को साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। बुधवार से लेकर गुरुवार तक ईडी के अफसरों ने ऐसे लोगों के बयान दर्ज किए हैं। एजेंसी ने चर्चित कांके रिजॉर्ट और पुलिस हाउसिंग कॉलोनी से जुड़े दस्तावेजों का भी सर्वे किया है। शुरुआती जांच में ही भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के कई चौंकाने वाले चैप्टर खुल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसकी आंच कई जमीन माफिया के साथ-साथ कुछ आईपीएस और प्रशासनिक सेवाओं के अफसर-कर्मियों तक पहुंच रही है। एजेंसी ऐसे लोगों को समन करने की तैयारी कर रही है। एजेंसी ने दो दिनों में रांची के कांके अंचल कार्यालय से बड़ी संख्या में जमीन के दस्तावेज जब्त किए हैं। यहां के सर्किल ऑफिसर जयकुमार राम और सर्किल इंस्पेक्टर चितरंजन टुडू के मोबाइल की जांच के दौरान जमीन खरीद-बिक्री में कमीशन और रिश्वत की रकम के लेनदेन का हिसाब मिला है। ईडी ने दोनों के मोबाइल जब्त कर लिए हैं। इनसे जल्द ही पूछताछ की जाएगी।

सार संक्षेप

जदयू में मनीष वर्मा को दी गई बड़ी जिम्मेदारी, राष्ट्रीय महासचिव बनाए गए

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हुए सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी मनीष वर्मा को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी देते हुए राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। उन्होंने मंगलवार को जदयू की सदस्यता ग्रहण की थी। पार्टी के महासचिव और एमएलसी आफाक अहमद खान ने गुरुवार को बताया कि जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने तत्काल प्रभाव से मनीष वर्मा को जदयू का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुमार कुशवाहा भी मौजूद थे। 2000 बैच के आईएएस अधिकारी मनीष कुमार वर्मा पटना के जिलाधिकारी भी रह चुके हैं।

कांवड़िया पथ का पूर्ण निर्माण सरकार की प्राथमिकता : विजय सिन्हा

पटना। श्रावण माह में करोड़ों कावड़िया भागलपुर के सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ के जलाभिषेक करने जाते हैं। इन श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम हो, इसके लिए उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि कावड़िया पथ का गुणवत्ता पूर्ण निर्माण समय पर सुनिश्चित किया जाए। कच्ची कांवड़िया पथ सुल्तानगंज से देवघर तक 110 किलोमीटर है, इसमें लगभग 84 किलोमीटर बिहार के अंदर है। उप मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस पथ में कांवड़ियों की सुविधा के लिए रेत का बिछाव समय पर पूरा किया जाए। साथ ही पांच किलोमीटर के वन क्षेत्र में भी श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम हो, इसका भी ध्यान रखा जाए।

बिहार के युवराज के साथ हुआ खेला, राजद में होगी बड़ी टूटः आनंद मोहन

लखनऊ। उन्नाव हादसे को लेकर जेडीयू नेता आनंद मोहन ने बातचीत में कहा कि इसमें शिवहर जिले से भी यात्री थे, जहां से हमारी पत्नी सांसद हैं, वहां के भी लोग घायल हुए हैं और मौतें हुई हैं। जिस तरह उत्तर प्रदेश शासन और उन्नाव जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई किया है, उसके लिए मैं उन्हें साधुवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि बहुत ही संवेदनशील तरीके से एसी एंबुलेंस से मृतकों को भेजा गया। जो प्राइवेट एंबुलेंस कर लिए थे, उनके खाते में पैसा भेज दिया गया। यूपी और बिहार सरकार ने दो-दो लाख रुपए देने का ऐलान किया है, ये काबिले तारीफ है। इसके लिए मैं सीएम योगी से मिलकर उनका आभार प्रकट करूंगा। राजद सुप्रीमो लालू यादव पर हमला बोलते हुए आनंद मोहन ने कहा कि वो मसखरा के रूप में जाने जाते हैं।

रवनीत सिंह बिट्टू ने की उत्तर रेलवे की कार्य-प्रगति समीक्षा की

■ संरक्षा, समयपालनबद्धता, स्वच्छता और बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं रेलवे की मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए

■ स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में सुधार और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन पर जोर दिया

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। रवनीत सिंह बिट्टू, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली के बड़ौदा हाउस में उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की। रवनीत सिंह बिट्टू ने संरक्षा, समयपालनबद्धता के साथ-साथ अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम और एक स्टेशन एक उत्पाद (ओएसओपी) योजना का गहन विश्लेषण किया। उन्होंने राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न ढांचागत परियोजनाओं जैसे उधमपुर-श्रीनगर- बारामुला रेल लिंक परियोजना (यूएसबीआरएल) और ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लिंक परियोजना का भी जायजा लिया। 272 किलोमीटर की यूएसबीआरएल परियोजना में से 209 किलोमीटर पहले से ही चालू है। उन्होंने कहा कि हर मौसम में उपलब्ध रहने वाला रेल संपर्क जम्मू-कश्मीर के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और माल, खासकर फलों और उत्पादकों के लिए सस्ता परिवहन उपलब्ध होगा, जिससे व्यापार और आवगमन में सुधार होगा।

उन्होंने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लिंक परियोजना के निर्माण कार्य की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लिंक परियोजना से उत्तराखंड राज्य में स्थित तीर्थस्थलों तक पहुंच सुगम हो जाएगी और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। श्री शोभन चौधुरी, महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया तथा उत्तर रेलवे में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के बारे में मंत्री जी को अवगत कराया। बैठक में अन्य प्रमुख विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

रवनीत सिंह बिट्टू केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने निर्देश दिया कि संरक्षा, समयपालनबद्धता, स्वच्छता और बुनियादी ढांचागत परियोजनाएं रेलवे की मुख्य प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में सुधार और ट्रेनों के सुरक्षित संचालन पर जोर दिया।

भारतीय रेलवे को आधुनिक और कुशल नेटवर्क में बदलने के लिए उनकी प्रतिबद्धता पूरी बैठक के दौरान स्पष्ट दिखाई दी। रवनीत सिंह बिट्टू ने उत्तर रेलवे के कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना की तथा उत्तर रेलवे द्वारा अब तक की गई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

पिछड़े वर्ग से होने के चलते मुझे बनाया जा रहा निशाना : सिद्दारमैया

‘हर कोई परेशान है कि मैं पिछड़े वर्ग से होने के बावजूद दूसरी बार मुख्यमंत्री कैसे बन गया। वे मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं’: सिद्दारमैया, मुख्यमंत्री कर्नाटक

मैसूर (कर्नाटक), 11 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गुरुवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि घोटाले में अपनी कथित संलिप्तता पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मैसूर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वह पिछड़े वर्ग से हैं और फिर भी कर्नाटक के दूसरी बार सीएम बन गए। सीएम ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को राजनीतिक बताते हुए कहा, ‘हर कोई परेशान है कि मैं पिछड़े वर्ग से होने के बावजूद दूसरी बार मुख्यमंत्री कैसे बन गया। वे मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं।’

गृहनगर मैसूर में एमयूडीए भूमि घोटाले के खिलाफ भाजपा के विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ‘हमने जांच के आदेश दिए हैं। भाजपा इस मुद्दे को राजनीतिक रूप से ले रही है। हम भी इससे राजनीतिक रूप से निपटेंगे।’ मैसूर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के विरोध प्रदर्शन पर पूछे गए सवाल के जवाब में सीएम ने कहा, ‘भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी ऐसा करने दीजिए। अगर वे ऐसा करते हैं, तो हम भी राजनीतिक रूप से इसका सामना करेंगे। हम यह भी जानते हैं कि इसका राजनीतिक रूप से कैसे मुकाबला किया जा सकता है।’ सीएम सिद्दारमैया ने आगे कहा कि जो लोग आरोप लगाते हैं, उन्हें बताना चाहिए कि अवैध गतिविधियां कहां हुई हैं। मैं इसे वैध बता रहा हूं जबकि वे इसे अवैध बता रहे हैं। उन्हें यह दिखाना और साबित करना होगा। कन्वर्जन से पहले यह कृषि भूमि थी। 2005 में कन्वर्जन हुआ, डीसी ने इसे परिवर्तित किया और मेरा इससे कोई संबंध नहीं है। मल्लिकार्जुन स्वामी मेरे साले हैं और उन्होंने इसे कानूनी रूप से गिफ्ट में दिया है। इसमें गलत क्या है? सीएम सिद्दारमैया ने कहा, ‘मान लीजिए कि इसका उल्लेख कृषि भूमि के रूप में किया गया है। हालांकि, इसे एक लेआउट में विकसित किया गया है, तो क्या यह एक बड़ा अपराध है?’

झारखंड विस चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं में हौसला भरने में जुटी भाजपा

20 जुलाई को आएंगे अमित शाह

रांची, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इस साल अक्टूबर से दिसंबर के बीच संभावित झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं में हौसला भरने के अभियान में जुटी है। नवनियुक्त चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा तकरीबन हर हफ्ते झारखंड पहुंचकर अलग-अलग इलाकों का दौरा कर रहे हैं और विभिन्न स्तर पर नेताओं-कार्यकर्ताओं से संवाद कर रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 जुलाई को झारखंड आ रहे हैं। अमित शाह पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाग लेंगे और राज्यभर के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। उनकी मौजूदगी में होने वाली बैठक को पार्टी ने ‘विजय संकल्प सभा’ का नाम दिया है। इसमें राज्य के सभी मंडलों के पदधारी और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। इसके पहले चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी हिमंता बिस्व सरमा झारखंड आएंगे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने झारखंड में चुनावी रणनीति की जिम्मेदारी इन्हीं दोनों को सौंपी है। एक महीने के भीतर दोनों तीसरी बार झारखंड आ रहे हैं। पार्टी की ओर से पिछले 5 जुलाई से राज्य के अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तरीय नेताओं-कार्यकर्ताओं के अभिनंदन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। 15 जुलाई तक सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में यह कार्यक्रम सिलसिलेवार तरीके से आयोजित होगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और सांसद-विधायक इन कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं और कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर चुनावी तैयारियों के टिप्स दे रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 20 देशों के साथ ‘एक्स पिच ब्लैक’ का हिस्सा बनेगी एयरफोर्स

■ संयुक्त सैन्य अभ्यास आज से शुरू हो रहा

■ सैन्य अभ्यास में 20 देशों की सेनाएं (एयर फोर्स) हिस्सा लेंगी

■ फाइटर जेट समेत 140 से अधिक विमान उड़ान भरते नजर आएंग

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। ज्वाइंट मिलिट्री एक्सरसाइज ‘पिच ब्लैक 2024’ में भाग लेने के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की टुकड़ी गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना बेस डार्विन में उतरी। यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 12 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस सैन्य अभ्यास में 20 देशों की सेनाएं (एयर फोर्स) हिस्सा लेंगी। इस दौरान विश्व के कई आधुनिकतम फाइटर जेट समेत 140 से अधिक विमान उड़ान भरते नजर आएंगे। ‘पिच ब्लैक’ नाम बड़े गैर-आबादी वाले क्षेत्रों में रात के समय उड़ान भरने पर जोर देने के कारण लिया गया था। इस वर्ष होने जा रहा सैन्य अभ्यास का यह संस्करण, एक्स पिच ब्लैक के 43 साल लंबे इतिहास में सबसे बड़ा होगा। इसमें 140 से अधिक विमानों और विभिन्न वायु सेनाओं के 4,400 सैन्य कर्मियों के साथ 20 देशों की भागीदारी शामिल है। यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य के अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें एफ-35, एफ-22, एफ-18, एफ-15, ग्रिपेन और टाइफून लड़ाकू विमान शामिल हैं। इसमें भारत की ओर से आईएएफ सुखोई एसयू-30 एमकेआई लड़ाकू विमान हिस्सा ले रहा है। भारतीय वायुसेना दल के पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, नियंत्रक और अन्य विषय विशेषज्ञों सहित 150 से अधिक उच्च कुशल वायु योद्धा अभ्यास में शामिल होने ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। भारतीय जांबाज सी -17 ग्लोबमास्टर और आईएल -78 के साथ सुखोई एसयू-30 एमकेआई मल्टीरोल लड़ाकू विमानों का संचालन करेंगे। युद्ध सक्षम भूमिकाओं में हवा में ईंधन भरने वाले विमान आईएल -78 एयर टू एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट का संचालन भी भारतीय योद्धा करेंगे।

झारखंड में समय पूर्व हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, आयोग की टीम ने तैयारियों का लिया जायजा

रांची, 11 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा के चुनाव निर्धारित समय से दो महीने पहले अक्टूबर में कराए जा सकते हैं। हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव इसी समय होने हैं। इन दोनों राज्यों में चुनाव पूर्व वोटर लिस्ट को अपडेट और रिवाइज करने की प्रक्रिया जिस शेड्यूल के तहत चल रही है, झारखंड में भी वही शेड्यूल फॉलो किया जा रहा है। इसी आधार पर झारखंड के चुनाव इन दोनों राज्यों के साथ कराए जाने के संकेत मिल रहे हैं। इसी बीच भारत निर्वाचन आयोग की उच्चस्तरीय टीम ने 10 और 11 जुलाई को झारखंड का दौरा किया। वरीय उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा और नितेश व्यास ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार और सभी 24 जिलों के निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ रिव्यू मीटिंग कर वोटर लिस्ट रिवीजन और मतदान केंद्रों की तैयारियों का जायजा लिया। गुरुवार को पतरातू में आयोजित रिव्यू मीटिंग में आयोग की टीम ने डोर-टू-डोर वोटर्स का वेरिफिकेशन, डिजिटाइजेशन, पुराने लेमिनेटेड वोटर्स आईडी के नवीनीकरण, मतदान केंद्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं, जन शिकायतों के निपटारे एवं लोकसभा निर्वाचन में मतदान प्रतिशत जैसे विषयों पर एक-एक कर जानकारी ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए।

संकट *सीतापुर की तीन तहसीलों में बाढ़ जैसे हालात*

बांध पर रहने को मजबूर हो रहे लोग

सीतापुर, 11 जुलाई (एजेंसियां)। बनबसा बैराज से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यूपी के सीतापुर की तीन तहसीलों में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। कई लोग अपने घर छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, सीतापुर के तीन तहसीलों के कई गांव में बाढ़ से हाल बेहाल है।

बिसवां, लहरपुर और महमूदाबाद तहसील के कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। कई मकान नदी की आगोश में समा रहे हैं। स्थिति को देखते हुए कई लोगों ने बाढ़ के डर से खुद ही अपना घर ढाह लिया है। गांव के लोग अपने घरों को छोड़कर अब बांध पर रहने को मजबूर हैं। बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद उत्पन्न बाढ़ जैसे हालात की वजह से कई मकान ध्वस्त हो चुके हैं। बाढ़ की वजह से एक मकान के गिरने का वीडियो भी सामने आया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। दरअसल, पहाड़ों पर हो रही बारिश से अब उत्तर प्रदेश का मैदानी इलाका प्रभावित होने लगा है। कई नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। प्रदेश के सैकड़ों गांवों में बारिश का पानी घुस गया है, लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। बुधवार को यूपी के राहत आयुक्त जी.एस. नवीन कुमार ने बताया कि पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बलरामपुर, कुशीनगर, बस्ती, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सीतापुर, गोंडा, सिद्धार्थनगर और बलिया के 633 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। प्रदेश में कई नदियों के जलस्तर को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। जिन इलाकों में बाढ़ का पानी घुस गया है, वहां गोताखोरों की तैनाती और नावों का इंतज़ाम किया गया है।

सीएम योगी ने बाढ़ कार्यों में लापरवाही पर अधिकारियों से किया जवाब-तलब

लखनऊ। सरकारी कार्यों में लापरवाह अधिकारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर बने हुए हैं। इसी के तहत सीएम योगी ने गुरुवार को बाढ़ संबंधी कार्यों एवं क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में लापरवाही बरतने वाले पांच जिलों के एडीएम एफआर और आपदा विशेषज्ञों से स्पष्टीकरण तलब किया है। बताया जा रहा है कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ, तो सख्त कार्रवाई की जा सकती है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी बाढ़ प्रभावित इलाकों की रोजाना अपेडट ले रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को राहत कार्यों से संबंधित दिशा-निर्देश दे रहे हैं, ताकि जनहानि-धनहानि को कम से कम किया जा सके। मुख्यमंत्री योगी को लखनऊ, प्रतापगढ़, सीतापुर, अंबेडकरनगर और बलिया के एडीएम एफआर और आपदा विशेषज्ञों द्वारा बाढ़ संबंधी सूचना समय से उपलब्ध न कराने एवं क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में लापरवाही की सूचना मिली।

उल्टा पुल्टा

एक मच्छर परेशान होकर बैठा था, तभी दूसरे मच्छर ने पूछा...क्या हुआ?
पहला मच्छर : कुछ नहीं यार सोच रहा हूं कि चूहेदानी में चूहा... साबुन दानी में साबुन...
ये गजब ही है कि मच्छरदानी में इंसान सो रहा है...

बवाना में मुनक नहर का बांध टूटा, आसपास के इलाकों में घुसा पानी

बवाना, 11 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली को हरियाणा से मुनक नहर से पानी दिया जाता है, लेकिन बीती रात यहां एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, मुनक नहर की दीवार टूट गई। इसकी वजह से आसपास की कॉलोनियां जलमग्न हो गई हैं। पूरा इलाका पानी-पानी हो गया है। इसके चलते लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम यह है कि लोगों के घरों में पानी घुस गया है। इस वजह से कई लोगों को अपने बेशकीमती सामान गंवाने पड़े हैं। पूरी रात यहां लोगों को पानी के बीच रहना पड़ा।

हादसे की जानकारी मिलने के बाद एनडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। पानी में फंसे लोगों को नाव से निकाला गया। अब तक कई लोगों को निकाला जा चुका है।

बताया जा रहा है कि मुनक नहर की दीवार टूटने से दिल्ली वासियों को भी पानी के संकट का सामना करना पड़ सकता है। मानसून ने लोगों को पानी के संकट से राहत दी थी। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कई महीनों से मुनक नहर की दीवार में लीकेज हो रही थी। इसकी शिकायत संबंधित अधिकारी से की गई थी, लेकिन उचित समय पर

■ पूरी रात लोगों को पानी के बीच रहना पड़ा

कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस वजह से यह हादसा हुआ। अगर समय रहते कार्रवाई की गई होती, तो शायद आज इस तरह की परिस्थिति पैदा ही नहीं होती।

बता दें कि कई महीनों से हरियाणा की ओर से मुनक नहर में पानी छोड़ा जा रहा था, लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। हालांकि नहर की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं, स्थानीय सांसद योगेंद्र चंदोलिया भी हालात का जायजा लेने मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही मरम्मत का काम पूरा कर लिया जाएगा। इस बीच, उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ।

सौरभ भारद्वाज ने बैराज नंबर 12 का किया निरीक्षण

यमुना में पानी ज्यादा बढ़ जाने से क्षतिग्रस्त हो गया था बैराज

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज हाथी घाट बैराज नंबर 12 पर बाढ़ जैसी परिस्थितियों से निपटने की तैयारी का ज्यादा लेने पहुंचे। यह बैराज नंबर 12 आईपी एक्सटेंशन मेट्रो स्टेशन के पीछे यमुना के किनारे पर बना हुआ है। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पूरी जगह का तफ़सील से निरीक्षण किया।

बैराज पर लगी तमाम मशीनरी का निरीक्षण किया और उन तमाम चीजों का निरीक्षण किया जो की बैराज पर बाढ़ की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए लगाई गई है। निरीक्षण के दौरान सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के विभिन्न अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। ज्ञात रहे पिछले वर्ष बहुत अधिक वर्षा होने के कारण हरियाणा की ओर से बहुत अधिक मात्रा में पानी छोड़ दिया गया था, जिसके कारण यमुना में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ जाने के कारण यह बैराज क्षतिग्रस्त हो गया था। बैराज पर लगा रेगुलेटर टूट गया था, जिसके कारण आसपास के क्षेत्र में बाढ़ का पानी भर गया था। इस बार ऐसी कोई भी समस्या उत्पन्न ना हो, इसके लिए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने आज इस जगह पर तैयारियों का जायज़ा लिया।

मौके पर मौजूद पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया, कि बीते साल पानी

इस बार सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की तैयारी बहुत बेहतर है, पूरे साल विभाग ने मेहनत करके इस बैराज को दुरुस्त किया है : सौरभ भारद्वाज

का स्तर बहुत अधिक हो जाने के कारण यमुना और इस बैराज के बीच बना तटबंध टूट गया था, जिसके कारण बैराज पर पानी का दबाव बहुत अधिक बन गया था और इस बैराज पर लगा हुआ रेगुलेटर टूट गया था, जिसके कारण पानी शहर के भीतर तक पहुंच गया था। उन्होंने बताया कि इस पूरे साल में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने इस बैराज को दुरुस्त करने के लिए बहुत मेहनत की है। पूरे साल इस बैराज पर काम चला है। टूटे हुए रेगुलेटर को चेंज करके पूरा नया रेगुलेटर लगाया गया है और अब इस बैराज को पूरे तरीके से नया बनाया गया है।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस बार सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की तैयारी बहुत बेहतर है। पूरे साल विभाग ने मेहनत करके इस बैराज को दुरुस्त किया है और जिस प्रकार के इंतजाम इस बार यहां किए गए हैं, मुझे पूरी उम्मीद है, कि यमुना में पानी का स्तर बढ़ने पर भी इस बार इस बैराज पर किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न नहीं होगी ।

समस्याओं को निपटाने में विफल साबित हुई केजरीवाल सरकार : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली। हरियाणा से दिल्ली में आने वाली मुनक नहर के बवाना के पास टूटने को कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने दिल्ली सरकार के बाढ़ विभाग की निष्क्रियता करार दिया। उन्होंने कहा कि बवाना जे.जे. कॉलोनी के घरों में पानी घुसने से वहां बाढ़ जैसा खतरा उत्पन्न हो गया है। लिहाजा, दिल्ली कांग्रेस सरकार के बाढ़ विभाग से मांग करती है कि लोगों को हुए नुकसान का आंकलन करके उन्हें राहत दी जाए। यादव ने स्थानीय कार्यकर्ताओं से तुरंत मौके पर पहुंचने की अपील की, कि वो प्रशासन के साथ मिलकर बचाव व राहत कार्य में अपना योगदान दें। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब स्थानीय निवासियों ने 10-15 दिन पहले बाढ़ विभाग को बताया था कि नहर के बैराज से पानी लीकेज हो रहा है, उस पर बाढ़ विभाग द्वारा लीकेज रोकने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की, जिसका परिणाम यह हादसा हुआ है। यह सीधे तौर पर केजरीवाल सरकार की विफलता है। उन्होंने कहा कि जब डीडीए ने इस कॉलोनी को सरकार को दिया था और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को यहां सीवर लाइन डालने व मुनक नहर के कमजोर कंक्रीट हिस्से को बनाने के लिए 18 करोड़ रुपए दिए थे परंतु जिसपर दिल्ली सरकार ने कोई काम नही किया। यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी की जल मंत्री आतिशी की दोहरी नीति पर काम करती है, उनका बयान कि डीजेबी हरियाणा के बाढ़ विभाग के साथ मिलकर मुनक नहर के टूटे बैराज की मरम्मत का काम कर रहे है।

■ 10-15 दिन पहले बाढ़ विभाग को दी गई थी लीकेज की सूचना

सार संक्षेप

निगम बना रहा शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के पार्क में कैक्टस गार्डन

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम शाहदरा दक्षिणी क्षेत्र के वार्ड नंबर 198, आई पी एक्सटेंशन के देशबंधु अपार्टमेंट के निकट स्थित पार्क में कैक्टस गार्डन बना रहा है। यह अपनी तरह का निगम का पहला एवं दिल्ली का दूसरा कैक्टस गार्डन है। दिल्ली नगर निगम कैक्टस गार्डन का निर्माण भारत सरकार द्वारा संचालित अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 50.48 लाख रुपए की लागत से कर रहा है। निगम द्वारा विकसित किए जा रहे कैक्टस गार्डन का क्षेत्रफल 1.45 एकड़ है। दिल्ली नगर निगम द्वारा कैक्टस गार्डन का निर्माण सितंबर 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। दिल्ली नगर निगम द्वारा बनाए जा रहे कैक्टस गार्डन में विभिन्न प्रकार के कैक्टस की 15 किस्में लगाई जा रही हैं। इन किस्मों में ग्राफ्टेड आर्डिनरी हेलियो कैक्टस के 550 पौधे, कलर्ड ग्राफ्टेड आर्डिनरी हेलियो कैक्टस के 200 पौधे, फेरलो कैक्टस के 20 पौधे, मेलो कैक्टस विद कैप के 50 पौधे, कैक्टस ऑन रूट के 500 पौधे जैसी कुल 15 किस्में लगाई जा रही हैं।

लैंक्सेस इंडिया ने जीता चेन मैनेजमेंट एण्ड लॉजिस्टिक्स अवॉर्ड

नई दिल्ली। लैंक्सेस इंडिया ने प्रतिष्ठित ईटी नाऊ सप्लाय चेन मैनेजमेंट एण्ड लॉजिस्टिक्स अवार्ड्स 2024 में सिल्वर प्राप्त किया है। यह पुरस्कार उसे 'पायनियरिंग रिस्क मिटिगेशन स्ट्रैटेजीज श्रेणी में दिया गया है। यह महत्वपूर्ण सराहना अपनी सप्लाय चेन्स को ज्यादा सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिये हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम के दौरान लॉजिस्टिक्स के हेड महेन्द्र शेल्के ने यह पुरस्कार लैंक्सेस इंडिया की ओर से प्राप्त किया। इस सफलता पर अपनी बात रखते हुए, लैंक्सेस इंडिया के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नमितेश रॉय चौधरी ने कहा कि हम ईटी नाऊ से यह प्रतिष्ठित सराहना पाकर बहुत खुश हैं। एक कंपनी के तौर पर हम सचेत होकर पर्यावरण की रक्षा करने वाला एक ऐसा सिस्टम बना रहे हैं, जो न केवल स्थायी उत्पादन एवं प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है। अपनी सप्लाय चेन के परिचालन में क्षमता, संवहनीयता और विश्वसनीयता को बढ़ाने की कोशिशें तेज करने और ड्राइवरों की सुरक्षा को बेहतर बनाने में हमारी प्रतिबद्धता नये-नये मापदण्ड तय करती रहेगी।

रेजरपे ने कंपनी के ट्रेडमार्क के अनधिकृत उपयोग को किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली। उपभोक्ताओं एवं अपने ब्राण्ड की पहचान को फाइनैंशियल धोखाधड़ी से सुरक्षित रखने के प्रयास में भारत में कारोबारों के लिए प्रमुख ओमनीचैनल पेंमेंट एवं बैंकिंग प्लेटफॉर्म रेज़रपे को दिल्ली उच्च न्यायालय से आदेश मिला है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा, जिसके तहत फेसबुक, व्हॉट्सऐप और टेलीग्राम को रेज़रपे के ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले एवं धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में संलिप्त अकाउन्ट्स को निलंबित करने का आदेश दिया गया है। यह कदम धोखाधड़ी की गतिविधियों से निपटने को कंपनी के नाम पर किए जाने वाले घोटालों से सुरक्षित रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बजट से पहले मोदी ने की अर्थशास्त्रियों संग बैठक

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल का पहला बजट 23 जुलाई को पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी को लेकर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नामचीन अर्थशास्त्रियों के साथ लंबी मंत्रणा की। इस दौरान वित्तमंत्री के अलावा नीति आयोग व वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि वित्त मंत्री के इस बार के बजट का फोकस युवाओं, किसानों, महिलाओं और मध्यवर्ग के साथ ही नौकरीपेशा लोगों पर रह सकता है। चर्चा है कि इस बार के बजट में रोजगार को बढावा देने के लिए वित्त मंत्री कई अहम घोषणाएं बजट में कर सकती हैं।

खाली पड़े सरकार पदों को भरने की दिशा में भी कदम उठाया जा सकता है। बतादें कि लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी एक अहम मुद्दा था, इसको देखते हुए युवाओं के लिए कौशल आधारित कई कार्यक्रम भी मोदी सरकार शुरू कर सकती है।

■ बजट में युवाओं व नौकरीपेशा को मिल सकती है नई सौगात
■ लोकसभा चुनाव में बेरोजगारी था एक अहम मुद्दा

किसानों के लिए कुछ बड़ी घोषणाएं संभव है। किसान सम्मान निधि की राशि को 6 हजार सालाना से बढाकर 10 हजार या 12 हजार सालाना किया जा सकता है। इसके अलावा खेती में काम आने वाले यंत्रों पर भी कर की दर घटाई जा सकती है।

चर्चा है कि मध्यवर्ग व नौकरी पेशा लोगो को राहत देने के लिए नई व पुरानी आयकर व्यवस्था में कर छूट का ऐलान में भी वित्तमंत्री कर सकती हैं। वहीं नेशनल पेंशन स्कीम में भी बदलाव संभव है। सरकार इसके तहत कर्मचारियों की पेंशन आखिरी वेतन का 50 फीसदी निर्धारित किया जा सकता है।

वैसे कर्मचारी पुरानी पेशन योजना को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। जिसके तहत आखिरी वेतन का 50 फीसदी पेंशन के साथ ही मंहगाई भत्ता में देय था और इसमें साल में दो बाद वृद्धि का ऐलान भी किया जाता था।

केजरीवाल के राजनीतिक भविष्य पर खड़ा हुआ सवाल : अश्विनी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। शराब नीति मामले में ईडी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। ईडी ने इस चार्जशीट में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुख्य भूमिका होने की बात कही है।

इस मामले पर भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि, आप और कांग्रेस का गठबंधन नहीं ठगबंधन हुआ है। दिल्ली को लूटने के लिए वो लोग इकट्ठा हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जो अराजकता फैलाई है, उससे हर नागरिक त्रस्त हो चुका है। केजरीवाल ने जनता से किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। दिल्लीवासियों के लिए वो पानी तक की व्यवस्था नहीं कर सके।

शराब घोटाले में जो उन्होंने काम किया, उससे उनके विचार, उनकी सोच और राजनीतिक भविष्य पर बड़ा

प्रश्न चिन्ह उठ गया है। अब केजरीवाल के घोटाले में कांग्रेस भी शामिल हो चुकी है। ईडी ने उनके खिलाफ पूरे तथ्यों के साथ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। उन्होंने कहा कि, केजरीवाल लगातार कह रहे थे कि, शराब नीति मामले में ईडी के पास कोई सबूत नहीं है, लेकिन ईडी ने अब सारे सबूत कोर्ट में पेश कर दिए हैं। अब लोगों को तय करना है कि क्या दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने के लिए अरविंद केजरीवाल की सरकार उपयुक्त है? दिल्लीवासियों को जो सुविधा चाहिए क्या उसके लिए केजरीवाल की सरकार उपयुक्त है? क्या कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का ठगबंधन उपयुक्त है।

केजरीवाल को इस्तीफा दे देना चाहिए : मनोज तिवारी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने ईडी की जांच में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नाम आरोपियों की सूची में शामिल होने का हवाला देते हुए कहा है कि अब उन्हें दिल्ली के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि जो अरविंद केजरीवाल पहले कहा करते थे कि आरोप लगा तो इस्तीफा दे देंगे। अब ईडी की चार्जशीट में आरोपितों में नाम आने के बाद दिल्ली की जनता उनसे उम्मीद कर रही है कि उनके अंदर नैतिकता जगे और वे अपने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दें। देश के इतिहास में पहली बार कोई राजनीतिक पार्टी लूट और भ्रष्टाचार के मामले में आरोपित हो गई है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर नुक्कड़ नाटक कर लोगों को किया जागरूक

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली सरकार के नजफगढ़ स्थित चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेदिक चरक संस्थान में गुरुवार को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर लोगों को जागरूक करने के लिए नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक-प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) एम. बी. गौड़ ने कहा की आज के समय में भारत में बढ़ती जनसंख्या चिंता का विषय है, लोगों को इस विषय पर जागरूक करने की बहुत जरुरत है।

उन्होंने आगे कहा कि जनसंख्या वृद्धि के कारण आने वाले समय में सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा एवं रोजगार मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. सुमेर ने कहा की इस तरह के जागरुकता कार्यक्रम

आज के समय में भारत में बढ़ती जनसंख्या चिंता का विषय है : एम. बी. गौड़

आगे भी होते रहेंगें जिससे अस्पताल में आने वाले मरीजों को इस का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक(शैक्षणिक) प्रोफेसर (डॉ.) भारत भोयर, उपनिदेशक डॉ. शंकर शरण मिश्रा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. पंकज कुमार कटारा, संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉ. जयसिंह यादव, सहायक चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. संजीव कौशिक उपस्थित थे।

दिल्ली विश्वविद्यालय ने सत्र 2024-25 के लिए जारी किया कैलेंडर

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए विश्वविद्यालय कैलेंडर जारी किया, जिसमें केवल तृतीय और पंचम सेमेस्टर के स्नातक कार्यक्रमों को शामिल किया गया है। कैलेंडर के अनुसार, कक्षाएं 1 अगस्त 2024 से शुरू होनी हैं।

हालांकि, प्रथम सेमेस्टर के लिए कोई कैलेंडर जारी नहीं किया गया है, जिससे विश्वविद्यालय के कॉलेजों में भ्रम और अराजकता पैदा होगी। यह एन टी ए की दोषपूर्ण कार्यप्रणाली का एक और परिणाम है, जिसने दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेंडर को पटरी से उतार दिया है।

एन टी ए ने कुछ दिन पहले एक उत्तर कुंजी जारी की, जिससे यह संभावना नहीं है कि अंतिम सी यू ई टी परिणाम अगस्त के पहले सप्ताह से पहले घोषित किए जाएंगे। नतीजतन, जिन छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय में यूजी प्रवेश के लिए आवेदन किया है, वे सी यू ई टी परिणाम घोषित होने के बाद ही अपने पाठ्यक्रम और कॉलेज की प्राथमिकताओं को प्राथमिकता दे पाएंगे।

इस देरी का मतलब है कि पहले सेमेस्टर के छात्रों की कक्षाएं तीसरे और पांचवें सेमेस्टर के छात्रों के साथ एक साथ शुरू नहीं होंगी। इसके अलावा, पटरी से उतर चुके अकादमिक कैलेंडर को नियमित शेड्यूल के साथ फिर से जोड़ने में कई साल लग सकते हैं। अलग-अलग सेमेस्टर के लिए ओवरलैपिंग टीचिंग और परीक्षा कैलेंडर भ्रम को बढ़ाएंगे और छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए जीवन को कठिन बना देंगे। इंटेक विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के संचालन में कई गड़बड़ियों के बावजूद एन टी ए को खत्म न करने के लिए केंद्र सरकार के दृष्टिकोण और रवैये की कड़ी निंदा करता है। एन टी ए ने परीक्षा प्रणाली को खराब कर दिया है, जिसकी मूल रूप से विश्वविद्यालयों की बेहतरी के लिए अवधारणा बनाई गई थी।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
शुद्धिपत्र
संदर्भ :- i) निविदा सूचना संख्या 20/2024-2025 दिनांक 31/05/2024 क्रमांक 05
ii) निविदा संख्या 07241598A 26/08/2024 को देय है।
उपरोक्त निविदा के संदर्भ में, निविदा संख्या 07241598A खोलने की नियत तिथि 26/08/2024 से 29/07/2024 तक प्रीपॉन्ड कर दी गई है, एएमवी/एलकेओ की मात्रा 56687 से घटाकर 49330 कर दी गई है और बयाना राशि 68580 से घटाकर 61830/- कर दी गई है।
अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।
शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है। 2118/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	निविदा सं0	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	77249005R GC	स्ट्रेकचर बार विथ टर्न्ड/ब्लैक बोल्ट एंड लंग फॉर ओ आर एस 1 इन 8.5/60 किलोग्राम	838 सेट	29-07-24
02	12241186	सिंगल कोर एल स्टोमेरिक केबल साइज 150 एस क्यू एम एम 1500 वोल्ट	6039 मीटर	05-08-24
03	09252117	योक	5840 नग	05-08-24
04	11241546	हेक्स. हेड बोल्ट, स्टील, एम 20 x 75	30774 किलोग्राम	05-08-24
05	01241832	कम्पोजिट स्टे आर्म इंसूलेटर	2214 नग	05-08-24
06	19242423	कम्पलीट स्प्रिंग होल्डर	779 सेट	05-08-24
07	05241503B	किट एयर क्लीनर	745 सेट	05-08-24
08	19245007B	सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ आई जी बी टी बेस्ड कम्पोजिट कनवर्टर	24 सेट	12-08-24
09	19240808	एन्ड फ्रेम दी असेंबली (मशीनड) विथ एयर आउटलेट नेट	112 नग	12-08-24
10	19241697	पैंटो फुट इंसुलेटर	800 नग	19-08-24
11	07245033	सेट ऑफ़ टी पी यू रिंग कंसीस्टिंग ऑफ़ 04 आइटम्स	90 सेट	22-08-24
12	07245034	सेट ऑफ़ टी पी यू रिंग कंसीस्टिंग ऑफ़ 02 आइटम्स	190 सेट	29-08-24
13	09243262	डोर हिंग फुट	13506 नग	01-11-24

निविदा शर्तें -1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।
टेंडर नोटिस स. 31/2024-2025 दिनांक 10.07.2024 2103/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आरोप *आम आदमी पार्टी ने ईडी पर लगाया पक्षपातपूर्ण रवैये से काम करने का आरोप, बोले*

'आप' नेताओं को प्रताड़ित कर जेल में रखना भाजपा का उद्देश्य

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। आम आदमी पार्टी ने ईडी की चार्जशीट में लगाए गए आरोपों को भाजपा के एजेंडे का हिस्सा करार दिया। आप के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि ईडी के पास कोई सबूत नहीं है। वो सिर्फ अरविंद केजरीवाल को जेल में रखने के लिए उन्हें और आप को आरोपी बनाया है। केजरीवाल सरकार के काम रोकना, आप नेताओं को प्रताड़ित कर उन्हें जेल में रखना भाजपा का मुख्य एजेंडा है। गत 20 जून को निचली अदालत ने ईडी की चार्जशीट में लगाए गए सभी आरोपों पर स्पष्ट रूप से अपना आदेश दिया है।

उसमें कहा गया है कि ईडी अभी तक न तो मनी ट्रेल साबित कर पाई और न बता पाई कि गोवा में कैसे और कहां पैसे खर्च हुए। उसकी नियत में खोट है और वह पक्षपातपूर्ण रवैये से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ईडी भी जानती है कि उसके पास कोई सबूत नहीं है। ईडी का उद्देश्य मनी ट्रेल खोजना और केस को निष्कर्ष की तरफ लेकर जाना कतई नहीं है। ईडी सिर्फ काल्पनिक फिल्म बना रही है और भाजपा द्वारा इसका निर्देशन किया जा रहा है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन डॉ. संदीप पाठक ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि भाजपा द्वारा रचित तथाकथित शराब घोटाले में ईडी ने अपनी सातवीं पूरक चार्जशीट दाखिल की है। दो साल की जांच, हजारों रेड और पूरे देश का ध्यान अपनी तरफ खिंचने के बाद देश को केवल एक और चार्जशीट मिली है। इस चार्जशीट

ईडी के पास कोई सबूत नहीं, सिर्फ जेल में रखने के लिए केजरीवाल और 'आप' को बनाया आरोपी : डॉ. संदीप पाठक

में उन्होंने दो नए बदलाव किए हैं कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया है। ईडी ने चार्जशीट में जिन चीजों को हाइलाइट किया है, उस पर 20 जून को स्पेशल कोर्ट पहले ही स्पष्ट आदेश दे चुका है। स्पेशल कोर्ट ने ईडी की दो साल की जांच और सारे सबूतों को ध्यान में रखकर आदेश दिया है। ईडी कह रही है कि आम आदमी पार्टी आरोपी है और फिर से वही 100 करोड़ और 40 करोड़ लेने की घिसी-पिटी बातें दोहरा रही है। पीएमएलए के तहत अगर किसी के खिलाफ प्रोसीड ऑफ क्राइम (पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ) साबित नहीं होता, तो उस पर केस नहीं बनता है और ईडी के पास ऐसा कोई सबूत नहीं है।

डॉ. संदीप पाठक ने स्पेशल कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए बताया कि कोर्ट ने अपने आदेश के पैरा 24 में साफ-साफ लिखा है कि ईडी यह बताने में पूरी तरह से नाकामयाब रही है कि इस पूरे केस में पैसे कहां से आए और कहां खर्च हुए। उसके पास कोई मनी ट्रेल नहीं है। साथ ही आदेश में यह भी लिखा है कि चूंकि अभी तक ईडी को कोई सबूत नहीं मिला है। इसलिए वह चाहती है कि जब तक उसे कोई मनी ट्रेल न मिल जाए, तब तक अरविंद केजरीवाल जेल में रहें।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

बेहतर सड़कें, परिवहन सुविधा, और व्यापारिक हब्स का विकास व्यापारियों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे उनकी लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार होगा। उन्होंने उम्मीद प्रकट किया कि व्यापारियों को निर्यात के लिए सरकार से प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है, जिससे सरकार द्वारा निर्यात के लिए विशेष योजनाएं और सब्सिडी देने से उन्हें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

राम अवतार सिंह, चेयरमैन

गौतमबुद्ध की थीम पर बनेगा नोएडा का बुद्ध पार्क

- 32 एकड़ में बनेगा पार्क, 100 फीट ऊंची होगी मूर्ति
- 80 करोड़ रुपए किए जाएंगे खर्च

नोएडा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। गौतमबुद्ध की थीम पर नोएडा में बुद्ध पार्क का निर्माण किया जाएगा। ये पार्क 32 एकड़ में बनाया जाएगा। इस पार्क का शिलान्यास सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया था। पार्क की निर्माण लागत करीब 80 करोड़ रुपए है। पार्क बनाने का उद्देश्य नोएडा और एनसीआर के लोगों को गौतमबुद्ध जी के जीवन से अवगत कराना है। उनके आध्यात्मिक सफर को यहां दर्शाया जाएगा। इसके अलावा मेडिटेशन, कल्चर इवेंट और शिक्षण गतिविधियों के तौर पर इसे विकासित किया जाएगा।

थीम बेस्ड इस पार्क के सेंटर में गौतमबुद्ध जी की एक मूर्ति बनाई जाएगी। ये मूर्ति 100 फीट होगी। इसे 34 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। ये पार्क का एक लैंड मार्क होगा। पार्क को ये मूर्ति आध्यात्मिक मनोभाव को दिखाएगी। पार्क के मेडिटेशन एरिया में सिटिंग अरेंजमेंट के अलावा फव्वारे, बेहतर लैंड स्केप होगा। जो आपको मेडिटेशन करने में मदद करेगा साथ ही आपके मूड को रिलेक्स भी करेगा।

कल्चर पवेलियन इसे गौतमबुद्ध के जीवन से जुड़ी एक लाइफ गैलरी के रूप में विकासित किया जाएगा। यहां कल्चर कार्यक्रम और शैक्षणिक वर्कशॉप आयोजित की जा सकेंगी। ये वर्क शॉप बुद्ध के जीवन पर आधारित होंगी। जिसके लिए एनजीओ से बातचीत की जा रही है। रिक्रेशनल एरिया में यहां आने वाले लोगों के सैरसपाटा करने का ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए पार्क में जोगिंग ट्रेक, फिटनेस सेंटर बनाया जाएगा। जिसके जरिए वे अपने को स्वास्थ्य रख सकेंगे। पार्क में एक जोन वाटर बॉडी का होगा। इसमें तालाब का निर्माण किया जाएगा। फाउंटेन के अलावा एक छोटी झील भी बनाई जाएगी। यानी यहां बनाए जाने वाला गार्डन फ्लोरा थीम बेस्ड होगा जैसे लोटस गार्डन। इसके अलावा उन पेड़ों को स्थान दिया जाएगा जो जीवन दायनी या औषधी से जुड़े हो।

बजट पर डालते हैं एक नजर

- जमीन को विकसित करने के लिए 10 करोड़
- 100 फीट की बुद्ध प्रतिमा बनाने में 34 करोड़
- मेडिटेशन जोन और कल्चर स्पेस के लिए 6 करोड़
- रिक्रेशनल एरिया और फेसिलिटीस के लिए 10 करोड़
- वाटर फीचर और लैंड स्केप के लिए 8 करोड़
- आर्किटेक्चर और बिल्ट स्ट्रक्चर के लिए 12 करोड़

पार्क में लोगों के लिए ये भी होगा खास

पार्क में आने वाले लोगों के लिए पवेलियन और शेल्टर बनाए जाएंगे। ताकि लोग यहां बैठकर प्रकृति का आनंद ले सकें। कल्चर एक्टिविटी के लिए, यहां एम्फीथियेटर बनाया जाएगा। इसके अलावा एक विजिटर सेंटर भी बनाया जाएगा जिसमें इंफोर्मेशन डेस्क, रेस्ट रूम, कैफे आदि होगा। दूसरा जोन सर्कुलेशन एरिया होगा। जिसमें आने वाले लोग आसानी से अपनी कार और दो पहिया वाहन पार्क करके अंदर जा सके।

वाटर रिचार्ज होगा, सोलर प्लांट से जलेंगी लाइट

यहां पार्क में बारिश के पानी और भूजल को रिचार्ज करने के लिए इको फ्रेंडली डिजाइन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सोलर एनर्जी प्लांट और विलुप्तता की कगार पर पहुंच रही पौधों की जातियों को लगाया जाएगा। यही नहीं कचरे के लिए यहां वेस्ट मैनेजमेंट के तहत रिसाइकिल सिस्टम लगाया जाएगा। रात के लिए यहां रंग बिरंगी लाइट और बेहतर सिचाई की व्यवस्था रहेगी।

सुरक्षा के लिए लगेंगे कैमरे

पार्क में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जिनकी कंट्रोलिंग के लिए एक कंट्रोल रूम बनेगा। इसके अलावा सिक्योरिटी के द्वारा शाम को यहां पेट्रोलिंग कराई जाएगी।

नोएडा में अलर्ट! सुरक्षित स्थान पर पहुंचे डूब क्षेत्र निवासी

- यमुना का बढ़ सकता है जल स्तर
- पिछले साल आई बाढ़ में 2000 लोगों का किया रेस्क्यू

नोएडा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा का करीब 5 हजार हेक्टेयर एरिया यमुना नदी का डूब क्षेत्र है। ये बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। साल 2023 अगस्त में यहां भीषण बाढ़ की वजह से 2000 से ज्यादा लोगों को बचाया गया। एनडीआरएफ, अग्निशमन टीम, पुलिस, प्राधिकरण, जिला प्रशासन का पूरा महकमा 15 से 20 दिन तक सिर्फ लोगों की जान बचाते रहे। अब ये स्थिति दोबारा न हो इसके लिए जिला प्रशासन, पुलिस महकमा और प्राधिकरण तीनों को अलर्ट हो गए है।

डूब क्षेत्र में पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों की ओर से एनाउंसमेंट कराया जा रहा है। इसके तहत यहां रहने वाले लोग अपना जरुरी सामान, मवेशियों को लेकर ऊपर के स्थानों पर शिफ्ट हो जाए। पहाड़ों पर बारिश की वजह से यमुना का जल स्तर बढ़ने लगा है। यहां बाढ़ जैसी हालत बने इससे पहले ही लोग बाहर निकल जाए। इसके अलावा हिंडन नदी के आसपास भी अनाउंस मेंट किया जा रहा है। ताकि लोगों को सुरक्षित किया जा सके।

एडीसीपी मनीष मिश्र अपनी टीम के साथ सेक्टर-135 नगली बाजिदपुर के एरिया में पहुंचे। यहां लोगों को समझाया गया कि यमुना का जल स्तर बढ़ रहा है। ऐसे में वे सभी लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाए। उधर जिला प्रशासन की ओर से लगातार यमुना नदी के जल स्तर पर नजर बनाए हुए है। ताकि पिछले साल जैसे हालत न हो जाए। इसी उत्तराखंड के पहाड़ों पर बारिश के चलते हिंडन नदी का जल स्तर बढ़ने की उम्मीद है।

रातो-रात आ गई थी बाढ़

विगत साल हरियाणा के हथनी कुंड से पानी छोड़ा गया। महज 24 घंटे से कम समय में पानी यहां पहुंच गया। आलम ये था रात में ही पूरा 5 हजार हेक्टेयर का क्षेत्र यमुना में डूब गया। हजारों की संख्या में लोग और मवेशी यहां फंस गए। जिनको निकालाने के लिए एनडीआरएफ, अग्निशमन, प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने मिलकर रेस्क्यू आपरेशन चलाया। करीब 2000 लोगों को बचाया गया। मवेशियों को बचाया। इसके बाद सैकड़ों मवेशी बाढ़ के पानी बह गए।

पक्के निर्माण पर है रोक

यमुना के इस डूब क्षेत्र में पक्के निर्माण पर रोक है। इसके बाद भी यहां हजारों की संख्या में फार्म हाउस, स्टेडियम, स्वीमिंग पूल तक बने है। जिनका कामर्शियल प्रयोग होता है। रेव पार्टी तक यहां आर्गनाइज होती है। जिनको पकड़ा गया। प्राधिकरण ने यहां पक्का निर्माण पर रोक के बोर्ड भी लगाए है। लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में लोगों को आगाह करना ही एक मात्र उपाए है। हालांकि जिला प्रशासन की ओर से यहां बाढ़ चौकियां बनाने का काम किया जा रहा है। यही प्राधिकरण की एक बड़ी गौशाला भी है।

अब भी 1000 से ज्यादा फॉर्म हाउस

ये डूब क्षेत्र प्राधिकरण अधिसूचित क्षेत्र में आता है। इसकी निगरानी का काम नोएडा प्राधिकरण का है। विगत साल बड़े स्तर पर यहां अभियान चलाकर 200 से ज्यादा फॉर्म हाउस को ध्वस्त किया गया। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन है। ऐसे में प्राधिकरण और जिला प्रशासन दोनों ही कोर्ट के आदेश के इंतजार में है। हालांकि बीच में जिला प्रशासन और प्राधिकरण दोनों ही संयुक्त सर्वे कराने की बात कह रहे थे।

नोएडा में यमुना सेक्टर-94, 124, 125, 127, 128, 131, 133, 134, 135, 168 के अलावा 150 से होकर निकलती है। इसी तरह हिंडन नदी छिजारसी से प्रवेश करते हुए सेक्टर-63ए, बेहलोलपुर, शहदरा, सुथियाना, गढ़ी चौखंडी, सेक्टर-123, 118, 115, 143, 143ए, 148, 150, मोमनाथल के पास यमुना में मिलती है। यह दोनों ही नदिया नोएडा को चारों तरफ से घेरे हुए हैं और नदियों के किनारे की जमीन को ही डूब क्षेत्र कहते हैं, जहां पर खरीद-फरोख्त प्रतिबंध है।

सार संक्षेप

वेल्डिंग के दौरान सिटी सेंटर के पास बस में लगी आग

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सिटी सेंटर के पास एक बस में आग लग गई। चालक और परिचालक ने वहां से दूर चले गए। बताया गया कि आग इंजन में लगी। इसके बाद तेजी फैली और मिनटों में पूरी बस इसकी चपेट में आ गई। बताया गया कि ड्राइवर बस में वेल्डिंग करवा रहा था। इस दौरान आग लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने आग की सूचना स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने पहले यातायात को बंद करवाया। इसके बाद आग बुझाई गई। इसके बाद क्रेन की मदद से बस को सड़क किनारे किया गया। ताकि आवाजाही को शुरु किया जा सके।

21 जुलाई को प्रदेश स्तर पर होगा युवा व्यापार मंडल का चुनाव

नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल की चुनाव समिति की बैठक सम्पन्न हुई। अग्रसेन भवन सेक्टर 33 नोएडा में आयोजित चुनाव समिति ने घोषणा की कि 21 जुलाई को सभी पदों का चुनाव प्रदेश स्तर पर होगा। चुनाव अधिकारी मूलचंद गुप्ता ने कहा कि अब तक हमारे पास 16 जिलों से नामांकन प्राप्त हो चुके हैं। सभी जिलों में पांच पांच पदों का चुनाव होगा। अब तक 102 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। चुनाव अधिकारी मूल चंद गुप्ता ने बताया कि इस बार के चुनाव द्विवर्षीय होंगे और अग्रसेन भवन नोएडा में आयोजित किए जाएंगे। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि चुनाव के बाद शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम 30 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह को व्यापारी सम्मान दिवस के रूप में नोएडा आयोजित किया जाएगा। नंद गोपाल नंदी औद्योगिक विकास मंत्री, सुरेश कुमार खन्ना वित्त मंत्री उत्तर प्रदेश कार्यक्रम में मुख्य रूप अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

व्हाटसऐप नंबर पर करे बिजली से जुड़ी शिकायत

नोएडा। विद्युत निगम ने बिजली से जुड़ी शिकायतें करने के लिए व्हाटसऐप नंबर 09193301659 जारी किया। इस नंबर पर मैसेज और कॉल कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इससे जुड़े दस्तावेज भी भेजे जा सकते हैं। इस नंबर पर आने वाली शिकायतों की रोजाना समीक्षा भी होगी, ताकि समस्याओं का त्वरित निस्तारण हो सके। इसके साथ ही उपभोक्ताओं को कॉल करके फीडबैक भी लिया जाएगा। विद्युत निगम के मुख्य अभियंता हरिश बंसल ने बताया कि लैंडलाइन नंबर 0120-2970431 पर शिकायत करने की सुविधा है। कई बार यह नंबर व्यस्त होने या अन्य किसी कारण से उपभोक्ता शिकायत दर्ज नहीं करा पाते थे। दूरदराज के क्षेत्र में रहने वाले उपभोक्ताओं को अधिक परेशानी होती थी। उपभोक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए मोबाइल नंबर 09193301659 जारी किया है, जिस पर व्हाटसऐप है। इस नंबर पर उपभोक्ता कॉल और व्हाटसऐप मैसेज भेजकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस नंबर पर गलत बिल, बिजली कनेक्शन लेने में दिक्कत, लोड बढ़वाने, बिल नहीं आने, मीटर खराब होने, नाम और पता बदलवाने आदि की शिकायतें की जा सकती हैं।

सभासदों ने नगर पालिका परिषद कर्मचारियों के खिलाफ खोला मोर्चा

खोड़ा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। निकाय क्षेत्र में अवैध निर्माण के विरोध में नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों के खिलाफ पहली बार दर्जनों पीड़ित सभासदों ने भी मुखर होकर मोर्चा खोल दिया है। आर पार की लड़ाई के मूड में दिखाई पड़ने लगे है। अवैध निर्माण के खेल में सम्मिलित नगर पालिका परिषद के कर्मचारियों के विरुद्ध प्रथम बार ऐसा मामला संज्ञान में आया है। नपा के कर्मचारियों के प्रति लोगो का आक्रोश चरम पर है। गुरुवार को दर्जनों सभासद एकत्रित होकर खोड़ा थाने पहुंच गए। थाना प्रभारी आनंद प्रकाश मिश्र को लिखित शिकायत देकर नपा के अवर अभियंता मनोज कुमार संविदाकर्मी

विकास अवाना अमित भाटी राहुल सिंह भारत भूषण महेश शर्मा पर लोगो से उगाही करके अवैध निर्माण का आरोप लगाया। शिकायती पत्र में कहा गया कि नपा के कर्मचारियों की मिलीभगत की वजह से दो माह के अंतर्गत लोकप्रिय विहार वंदना एनक्लेव नेहरू गार्डेन मधु विहार कर्ण विहार शंकर विहार संगम पार्क में दर्जनों स्थानों पर नपा कर्मचारियों की शह पर वसूली करके दर्जनों बेसमेंट और पांचवीं मंजिल का निर्माण करवा दिया गया। कागजी कारवाई के नाम पर सीलिंग और मुकदमा पंजीकृत कराने के नाम पर वसूली की गई।

सभासदों ने शिकायती पत्र में पैसे की उगाही करके अवैध निर्माण में संलिप्त कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी के के मिश्र का कहना है कि कर्मचारियों पर वसूली के आरोप निराधार और बेबुनियाद है। जांच के बाद कोई कर्मचारी वसूली में लिप्त पाया जाएगा तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फैक्ट्रियों में न लगे आग, सीएफओ ने उद्यमियों को किया जागरूक

नोएडा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा की फैक्ट्रियों में आग लगने की घटना बढ़ रही है। आए दिन कभी सील फैक्ट्री में तो कभी एसी फटने या शॉट सर्किट से आग लगती है। जिससे उद्यमी को करोड़ों का नुकसान होता है। साथ ही जानमाल का नुकसान भी हो सकता है। इससे बचने के लिए गुरुवार दोपहर को फायर विभाग ने उद्यमियों को साथ बैठक करते हुए उनको जागरुक किया। इस मौके पर उद्यमियों की समस्याओं को भी वाकिफ हुए। इस बैठक में नोएडा के औद्योगिक संगठन नोएडा एन्ट्रेप्रिनयोर्स एसोसिएशन ने हिस्सा लिया। एनईए के अध्यक्ष और फायर विभाग के सीएफओ ने मिलकर उद्यमियों को आग से होने वाले नुकसान से कैसे बचा जा सकता है। इसके बारे में अवगत कराया। सीफएओ प्रदीप कुमार ने कहा कि अब 250 वर्ग मीटर तक के औद्योगिक भवन व प्लाट को फायर एनओसी की आवश्यकता नहीं थी अब इस मियाद को बढ़ाकर अब 500 वर्ग मीटर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि फैक्ट्रियों और काम्प्लेक्स में लगे फायर उपकरणों को जनसेट से कनेक्ट कर दिया जाए। ताकि आग से होने वाली दुर्घटना के समय बिजली सप्लाई बंद होने के बाद भी इन उपकरों का प्रयोग किया जा सके। फैक्ट्री के ऊपरी तल पर किसी भी श्रमिक को रुकने या रात में विश्राम नहीं करने दे। अक्सर देखा गया है कि फैक्ट्री में सेट बैक के स्थान को कवर कर दिया जाता है।

फायर विभाग की उद्यमियों के साथ बैठक

कर दरों को किया जाए कम या स्थिर, व्यापारियों ने वित्तमंत्री से की मांग

नोएडा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा की एक बैठक सेक्टर-5 स्थित हरौला में आयोजित की गई, जिसमें 2024 के आम बजट में व्यापारियों ने कुछ प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। व्यापारियों ने एक मत से वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से कर दरों में बदलाव की मांग करते हुए एक ज्ञापन भेजा है। व्यापारियों ने वित्तमंत्री से कर दरों में कमी या स्थिरता की उम्मीद किया है। कहा कि उच्च कर दरें उनके मुनाफे को प्रभावित करती हैं, इसलिए वे चाहते हैं कि सरकार कर प्रणाली को सरल बनाए और कर दरों को कम या स्थिर रखे। व्यापारियों को उम्मीद है कि इस बार की बजट में वित्तमंत्री द्वारा जीएसटी प्रणाली में

व्यापक सुधार किया जाएगा। व्यापारी चाहते हैं कि जीएसटी रिटर्न फाइलिंग प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए और इनपुट टैक्स क्रेडिट के क्लेम में आसानी हो। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने कहा कि सरकार की ओर से छोटे और मझौले व्यापारियों के लिए विशेष योजनाएं और सब्सिडी की घोषणाएं की जानी चाहिए। इससे व्यापारियों को अपने व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिलेगी। कुच्छल ने कहा कि व्यापार करने में आसानी के लिए नियमों और नीतियों में सुधार की अपेक्षा है। इससे व्यापारिक प्रक्रिया में सुधार और समय की बचत होगी। इन सुधारों और उपायों के माध्यम से व्यापारी अपने हितों को सुरक्षित देख रहे हैं और अपने व्यापार को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं।

इस मौके पर अध्यक्ष नरेश कुच्छल, चेयरमैन राम अवतार सिंह, वरिष्ठ महामंत्री दिनेश महावर, मनोज भाटी, सतनारायण गोयल, राधेश्याम गोयल, मूलचंद गुप्ता, केशव पंडित, संदीप चौहान, महेंद्र कटारिया, सुनील कुमार, रितिक कुमार, सुशील सिंघल आदि उपस्थित रहे।

शहीद भगत सिंह को शहीद का दर्जा मिले : सचिन सरोहा

गाजियाबाद, 11 जुलाई (देशबन्धु)। गोविंदपुरम आई ब्लाक (मढैया) में राष्ट्रीय जाट महासभा (भारत) की बैठक हुई। जिसमें जिसमें भूपेंद्र सिंह (बॉबी) मढैया वालों को जाट समाज का महानगर अध्यक्ष गाजियाबाद मनोनीत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सरोहा ने कहा कि सभी जाट संगठन को एकजुट होकर समाज हित में संयुक्त जाट मोर्चे का गठन करके संयुक्त लड़ाई लड़ने का काम करें। उन्होंने भारत सरकार से शहीद भगत सिंह को शहीद का दर्जा देने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय प्रमुख जी ने कहा कि केंद्र में जाटों को आरक्षण दिए जाने की पुरजोर वकालत की। जिला अध्यक्ष आनंद चौधरी ने कहा जाट समाज को इकट्ठा होकर समाज हित में कार्य करें, इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव चौधरी नरेश नगला, महासचिव संजीव शेखर ने भी अपने विचार व्यक्त किये, कार्यक्रम में उपस्थित संदीप चौधरी प्रदेश महासचिव, सोनवीर चौधरी महासचिव, मोहित चौधरी मेरठ, सागर चौधरी युवा मंडल अध्यक्ष, सुनील चौधरी युवा मंडल उपाध्यक्ष, रणबीर प्रधान जी, जगबीर मलिक, महिपाल तोमर, मुकेश आदि की उपस्थिति और भारी संख्या में जाट समाज के लोग उपस्थित रहे।

भूपेंद्र सिंह (बॉबी) बने जाट सभा के महानगर अध्यक्ष

'जनसंख्या नियंत्रण कानून' की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पर 'जनसंख्या समाधान फाउंडेशन' ने दिया धरना

गाजियाबाद, 11 जुलाई (देशबन्धु)। 'जनसंख्या समाधान फाउन्डेशन' की जिला इकाई ने जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना दिया। इस अवसर कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि अंधाधुंध संतानोत्पत्ति करने की प्रवृत्ति पर "जनसंख्या नियंत्रण कानून" बनाकर अंकुश लगाने में एक-एक पल की देरी भारत और भारतीय संस्कृति के लिए पूर्व की भांति ही विघटनकारी साबित हो सकती है। जनसंख्या और सनातन समाज की युवा पीढ़ी में एक बच्चे तक सीमित रहने की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण देश के अनेक भागों में 6 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में जनसंख्या का संतुलन उस वर्ग विशेष के पक्ष में झुकता दिखने लगा है। ज्ञापन में कहा गया कि विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच जनसंख्या का अनुपात वर्तमान अनुपात के अनुसार बनाए रखने के उद्देश्य से "जनसंख्या नियंत्रण कानून" बनाने की मांग को लेकर विगत लगभग 11 वर्षों से हजारों छोटी-बड़ी सभाएं आदि के रूप में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं संगठन के मुख्य संरक्षक डा. इंद्रेश कुमार जी एवं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह जी सहित 125 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। धरने में जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी, राष्ट्रीय संयोजक ममता सहगल, राष्ट्रीय महासचिव वंदना त्यागी, निर्मला उपाध्याय, विनीत शर्मा, राजू चौधरी, अमित रंजन सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

चार माह में गाजियाबाद 311 ऐप पर मिली 2061 शिकायत

नगर निगम ने 1860 का कराया निस्तारण

- पुलिस विभाग द्वारा चिन्हित 235 डार्क पॉइंट में से 222 स्थल कराए प्रकाश युक्त

गाजियाबाद, 11 जुलाई (देशबन्धु)। नगर निगम ने पिछले चार माह में गाजियाबाद 311 पर 2061 शिकायत में से 1860 का निस्तारण कराया है। साथ ही पुलिस विभाग द्वारा चिन्हित 235 डार्क पॉइंट मे से 222 प्रकाश युक्त कराए गए।

प्रभारी प्रकाश आस कुमार ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम प्रकाश विभाग ऐसी डार्क पॉइंट को चिन्हित किया गया है। वहां भी लाइट आवश्यकता अनुसार लगवाई गई है। इसी के साथ-साथ क्षेत्रीय पार्षदों तथा गाजियाबाद 311 ऐप पर आने वाली प्रकाश संबंधित समस्याओं का निस्तारण भी नियमित किया जा रहा है। समस्त जोन में प्रतिदिन

औसतन 150 से 200 लाइटों की मरम्मत का कार्य किया जाता है। इसी के साथ-साथ पुलिस विभाग द्वारा सेफ सिटी के अंतर्गत बताए गए ऐसे डार्क पॉइंट जहां अंधेरा बना हुआ था उन पर भी तेजी से कार्य कराया गया। प्रमुख रूप से वसुंधरा जोन विजयनगर तथा मोहन नगर जोन में चिन्हित डार्क प्वाइंटों पर कार्य किया गया 235 में से 222 पर कार्य पूर्ण हो चुका है अन्य पर कार्रवाई भी तेजी से चल रही है। आवश्यकता अनुसार पोल भी लगाए गए हैं, डार्क पॉइंट को प्रज्वलित करने का कार्य किया गया है जिसकी मॉनिटरिंग भी समय-समय पर की जा रही है, वर्तमान में सेक्टर 3 वैशाली, सेक्टर 3 राजेंद्र नगर, गुलमोहर ग्रीन रोड राजेंद्र नगर, करेड़ा रोड मोहन नगर पर पोल तथा लाइट लगाने का कार्य, पुलिस विभाग द्वारा चिन्हित डार्क स्थलों पर किया जा रहा है।

गाजियाबाद 311 ऐप पर 4 माह में 2061 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 1860 का निस्तारण कराया जा चुका है बाकी पर भी कार्य चल रहा है। अन्य विभागों को भी नगर आयुक्त द्वारा गाजियाबाद 311 ऐप पर प्राप्त समस्याओं के निस्तारण के लिए तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

जीडीए उपाध्यक्ष ने की विधि संबंधित कार्यो की गहन समीक्षा

गाजियाबाद, 11 जुलाई (देशबन्धु)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने गुरुवार को अधिकारियों की बैठक ली और विधि संबंधित कार्यों की गहन समीक्षा की। इस दौरान जीडीए उपाध्यक्ष ने कहा कि इस मामले में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी संबंधित अधिवक्ताओं के साथ संपर्क बनाकर रखें और पूरी तरह से अपडेट रहे ताकि नया न्यायालय में जीडीए अपना पक्ष मजबूती के साथ रख सके।

वादों को लेकर अपडेट और अधिवक्ताओं के सम्पर्क में रहे अधिकारी : अतुल वत्स

जीडीए सभागार में आयोजित इस बैठक में पिछले दो माह के दौरान विभिन्न न्यायालयों में सूचीबद्ध वादों में की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई की समीक्षा की गई। श्री वत्स ने समस्त प्रभारी अधिकारी एवं सहायक अभियंताओं को निर्देश दिए कि वह यह सुनिश्चित कर लें उन्हें आवंटित अनुभाग से सम्बन्धित वाद में नामित अधिवक्ता से सम्पर्क स्थापित करते हुए आवश्यक कार्यवाही एवं सतत मॉनिटरिंग की जाए। जिससे न्यायालयों में प्रचलित वादों में निर्णय प्राधिकरण हित में रहे। नवनियुक्त विधि अधिकारी शशि भूषण राय को भी जीडी उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि वह प्राधिकरण के विभिन्न न्यायालयों में प्रचलित वादों की वर्तमान स्थिति का परीक्षण करा लें एवं समस्त कृत कार्यवाहियों को ऑनलाइन अपडेट रखा जाए, जिससे ससमय कार्यवाही प्रस्तावित की जा सके।

बैठक में डॉ. सचिव राजेश कुमार सिंह मुख्य अभियंता, मानवेंद्र सिंह विशेषाधिकार, कनिका कौशिक सहायक अभियंता, रुद्रेश कुमार शुक्ला समेत प्रभारी भू-अर्जन एवं समस्त सहायक अभियन्तागण उपस्थित थे।

उवाच

"उ.प्र. रेरा आवंटियों के हितों के संरक्षण तथा प्रोमोटर्स एवं आवंटियों के बीच विवादों को कम करने के लिए रियल इस्टेट सेक्टर में मानकीकरण हेतु लगातार प्रयासरत है। यह देखा जा रहा है कि सक्षम प्राधिकरणों द्वारा जारी आंशिक पूर्णता या अधिभोग प्रमाण-पत्रों में परियोजना, उसके टावर्स या ब्लॉकस के नाम प्रोमोटर द्वारा उ.प्र. रेरा में पंजीकृत कराई गई परियोजना में दिए गए नामों से भिन्न होते हैं ।
संजय भूसरेड्डी, अध्यक्ष, उ.प्र. रेरा

कैपिटल ज़ोन

यमुना प्राधिकरण लाई कॉर्पोरेट ऑफिस प्लॉट्स के आवंटन के लिए भूखंड योजना

ग्रेटर नोएडा,11 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश की प्रगति को प्रशस्त करने के लिए जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) द्वारा इस क्रम में नई योजना लायी गई है जिसके जरिए 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले 45 कामर्शियल प्लॉट्स के आवंटन का मार्ग प्रशस्त होगा। इन प्लॉट्स को ई-ऑक्शन प्रक्रिया के जरिए आवंटित किया जाएगा जिसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। पंजीकृत पार्टनरशिप फर्म, पंजीकृत ट्रस्ट, पंजीकृत सोसाइटी, प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, पब्लिक लिमिटेड कंपनी, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग व सरकारी तथा अर्थ सरकारी विभाग इस आवंटन प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे।

- **यीडा ने शुरू की प्रक्रिया, 9 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगी कंपनियां**
- **6 सितम्बर को ई-ऑक्शन के माध्यम से क्वॉलिफाइड बिडर्स लगा सकेंगे बोली**
- **ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 22ई में 1000 स्क्वेयर मीटर के 45 भूखंड के आवंटन का मार्ग होगा प्रशस्त**
- **2.5 करोड़ रुपए रखा गया है प्रत्येक प्लॉट का रिजर्व्ड प्राइस**
- **25 लाख रुपए रखा गया है रजिस्ट्रेशन अमाउंट**

90 वर्षों के लीज पर उपलब्ध होगा प्लॉट

नई स्कीम के जरिए ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 22ई में प्लॉट संख्या ओ-21 से लेकर ओ-69 तक प्लॉट्स को 90 वर्षों की लीज पर दिया जाएगा। नई स्कीम के अंतर्गत चयनित होने वाले बिडर्स यीडा की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ई-ऑक्शन प्रक्रिया में हिस्सा ले सकेंगे। यीडा द्वारा ई-ऑक्शन की इस प्रक्रिया में बैंकिंग पार्टनर के तौर पर आईसीआईसीआई बैंक अपनी सेवाएं दे रही है। उल्लेखनीय है कि इन प्लॉट्स के आवंटन के जरिए सेक्टर-22ई के कामर्शियल हब को विकसित करने में मदद मिलेगी और इससे यहां रहने वाले लोगों को विभिन्न प्रकार की नागरिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

प्लॉट आवंटन प्रक्रिया के जरिए यहां कॉर्पोरेट ऑफिस, कॉन्फ्रेंस रूम, सेमिनार हॉल, मल्टिलेवल पार्किंग जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर्स का विकास होगा। यहां ऑडिटोरियम, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर, कल्चरल व इनफॉर्मेशन सेंटर, स्टेशनरी स्टोर, बुक स्टोर, फार्मेसी, कियोस्क, हेल्थ क्लब, जिम, बैंक शाखाएं, जनरल स्टोर, क्रेच, इंडोर गेम हॉल्स, डिस्पेंसरी, म्यूजियम, प्लैनेटेरियम, रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर्स, रेडियो व टेलिविजन स्टेशन, कैंटीन, स्टाफ हाउसिंग, गेस्ट हाउस व होस्टल जैसी सुविधाओं का विकास होगा।

आवासीय भूखंडों की योजना को भी मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया

यीडा ने हाल ही में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और फिल्म सिटी के आसपास सेक्टर-16, 18, 20 और 22डी में भी आवासीय प्लाट स्कीम लॉन्च की जिसे बेहद सकारात्म प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है। इस स्कीम में कुल 361 प्लॉट है, जिसमें किसानों के लिए 63, कार्यात्मक उद्योग के लिए 18 और सामान्य श्रेणी के लिए 280 प्लाट हैं। इन स्कीम में 120 वर्ग मीटर के 84 प्लॉट, 162 वर्ग मीटर के 77 प्लॉट, 200 वर्ग मीटर के 3 प्लॉट, 300 वर्ग मीटर के 131 प्लॉट, 500 वर्ग मीटर के 40 प्लॉट, 1000 वर्ग मीटर के 18 प्लॉट और 4000 वर्ग मीटर के 8 प्लॉट हैं। इस आवासीय स्कीम के अंतर्गत 5 अगस्त तक आवेदन किया जा सकेगा तथा ड्रॉ के माध्यम से 20 सितम्बर तक प्लॉटों के आवंटन की प्रक्रिया पूरी होगी।

महिला सहकर्मी के साथ यौन उत्पीड़न करने पर यीडा का प्रबंधक निलंबित

ग्रेटर नोएडा,11 जुलाई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के एक परियोजना प्रबंधक कार्तिकेय जायसवाल को एक महिला सहकर्मी, जो एक प्रबंधक भी थी, को आपत्तिजनक संदेश भेजने कार्यस्थल पर मारपीट के आरोप के बाद निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश में पहली बार है कि किसी अधिकारी को यौन उत्पीड़न रोकथाम (पॉश एक्ट) अधिनियम 2013 के तहत निलंबित कर दिया गया है।

- **उत्तर प्रदेश में पहली बार किसी अधिकारी को यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम 2013 के तहत निलंबित किया गया**
- **प्रबंधक परियोजना को सेवा से बर्खास्त करने की भी संस्तुति**

प्रबंधक परियोजना पद पर रहे जयसवाल ने कथित तौर पर एक महिला सहकर्मी को आपत्तिजनक संदेश भेजे थे। शिकायत के बाद आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने आंतरिक जांच शुरू की, जिसने आरोपों की पुष्टि की। इसके बाद यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुण वीर सिंह ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्राधिकरण के सख्त रुख पर अपनाते हुए निलंबन आदेश जारी किया। शासन ने प्रबंधक को बर्खास्त करने की भी कार्रवाई शुरू कर दी है।

यमुना प्राधिकरण के परियोजना विभाग में प्रबंधक पद पर तैनात महिला ने 18 अपैल को प्राधिकरण सीईओ डॉक्टर अरूणवीर सिंह ने शिकायत की प्रबंधक परियोजना वर्क सर्किल छह पद तैनात कार्तिकेय जायसवाल द्वारा अभर्द्र भाषा का प्रयोग करते हुए हुए दुर्व्यवहार किया और हाथापाई की गई। जिसके कारण उनके चेहरे पर चोट आई।

महिला प्रबंधक की शिकायत पर सीईओ ने उच्चतम न्यायालय द्वारा विशाखा केस में निर्धारित गाईड लाइन के अनुसार सहायक महाप्रबंधक उद्योग स्मिता सिंह की अध्यक्षता में आन्तरिक परिवार समिति गठित कर तत्काल जांच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया। समिति के सदस्यों ने आरोपी प्रबंधक कार्तिकेय जायसवाल और शिकायतकर्ता महिला प्रबंधक का बयान दर्ज किया। जिसमें महिला प्रबंधक ने समिति के सामने बयान दिया कि प्रबंधक जायसवाल ने कहा कि उनके साथ कार्यालय कक्ष में दूसरे प्रबंधक हिमांशु करने के मुद्दे पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मारपीट की। जिसके कारण उनके चेहरे पर चोट आयी, कार्तिकेय द्वारा पूर्व में भी उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था तथा गलत प्रकार से मोबाइल फोन पर मैसेज भेजे गए थे। इस पर जाचं समिति ने प्रबंधक कार्तिकेय को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष 22 अप्रैल तक रखने को कहा। एक अप्रैल को प्रबंधक कर्तिकेय की तरफ से नोटिस का जवाब दिया गया। जिसमें उसने व्यक्तिगत बातचीत में बहस होने की बात स्वीकार की और अभद्र व्यवहार और मारपीट से इंकार किया। उसने स्वीकार किया कि यह गलती उसे भूलवश हो गई।

> अपने सहकर्मी महिला के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल और मारपीट करने पर शासन से प्रबंधक परियोजना कार्तिकेय जायसवाल को निलंबित कर दिया। शासन पर संस्तुति की गई मामला गंभीर है इसलिए प्रबंधक को सेवा से बर्खास्त किया जाए : डॉक्टर अरूणवीर सिंह, सीईओ, यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण।

जांच समिति ने इस मामले में कार्यालय के अन्य कर्मचारियों का भी बयान लिया। जिसमें साफ हुआ कि महिला प्रबंधक के साथ मारपीट हुई। महिला प्रबंधक की तरफ से मोबाइल पर हुए चैट को भी जांच समिति को उपलब्ध कराया गया।

प्रबंधक कार्तिकेय के खिलाफ पुख्ता सबूत मिलने के बाद आन्तरिक महिला परिवार समिति ने प्रबंधक कार्तिकेय जायसवाल के खिलाफ कार्रवाई करने की संस्तुति की। समिति की जांच रिपोर्ट को प्राधिकरण सीईओ ने शासन को भेज दिया। उत्तर प्रदेश प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास अनिल सागर ने उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक नियमावली 1999 के नियम-4 के तहत निलंबित कर दिया।

यीडा ने संस्थागत व बिल्डर आवंटियों को अतिरिक्त मुआवजा के ब्याज भुगतान का जारी किया नोटिस

ग्रेटर नोएडा,11 जुलाई (देशबन्धु)। जमीन अधिग्रहण के बदले किसानों को अतिरिक्त मुआवजा ब्याज सहित भुगतान करने का आदेश प्रयागराज उच्च न्यायालय ने जारी किया है। उच्च न्यायालय के इस आदेश से 13 संस्थागत और करीब 81 बिल्डर ग्रुप हाउसिंग आवंटियों को तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट का आदेश आते हुए यीडा ने संस्थागत और बिल्डरों को 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा ब्याज सहित भुगतान करने का नोटिस जारी कर दिया। कोर्ट इस फैसले से लिगेसी में फैसे बिल्डरों को अब कोई राहत नहीं मिलने वाली है। अमिताभ समिति का लाभ लेने वाले बिल्डरों को अतिरिक्त मुआवजा का ब्याज भुगतान करने के बाद ही प्राधिकरण उन्हें किसी प्रकार का एनओसी जारी करेगा। कोर्ट के इस फैसले से बिल्डरों को 1658 करोड़ और संस्थागत आवंटियों को एक हजार करोड़ रूपए ज्यादा भुगतान करना होगा। बता दें कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के गलगोटिया विवि संचालित करने वाली शकुंतला एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी को राहत देने से इंकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उसे अधिग्रहीत भूमि पर किसानों को ब्याज सहित 64.7 फीसदी अतिरिक्त मुआवजे की रकम देनी होगी। उच्चतम न्यायालय ने 2011 में आदेश पारित किया था कि किसानों को अतिरिक्त मुआवजा का भुगतान करना होगा। कोर्ट के इस फैसले पर संस्थागत व बिल्डर आवंटियों ने आपत्ति जाहिर की थी कि प्राधिकरण किसानों को अतिरिक्त मुआवजा का ब्याज नहीं देता है, इसलिए उनसे ब्याज न वसूला जाए। ब्याज भुगतान को लेकर संस्थागत आवंटी उच्च न्यायालय चले गए थे। भूखंड आवंटन करने वाली समिति पर कार्रवाई होगी या नहीं, इसको लेकर अभी कोई दिशा-निर्देश नहीं आए हैं। पहली जुलाई 2009 को यमुना प्राधिकरण ने मिनी एसडीजेड (स्पेशल डेवलपमेंट जोन) की योजना निकाली थी। यह योजना सेक्टर-17 में थी। इसमें संस्थागत, आईटी, आईटीएस, बायोटक, रिक्रिएशनल ग्रीन, सर्विस आदि श्रेणी के 13 भूखंड आवंटित किए गए थे। इसके बाद प्राधिकरण ने कुछ संस्थागत भूखंड आवंटित किए। यानि अब तक 81 संस्थागत भूखंड आवंटित किए जा चुके है। किस पर कितना पैसा बकाया।

- **अतिरिक्त मुआवजा के ब्याज का भुगतान करने पर बिल्डरों को अब जारी होगा एनओसी**
- **प्रयागराज उच्च न्यायालय ने अतिरिक्त मुआवजा के साथ ब्याज भुगतान का जारी किया नोटिस**
- **कोर्ट के आदेश पर संस्थागत और बिल्डर आवंटियों को करना होगा 3000 करोड़ का भुगतान**

सोसायटी/ट्रस्ट/कंपनी	बकाया करोड़ रुपए
त्याग बिल्डस्पेस प्राइवेट लिमिटेड	152.44
एमएमए ग्रेन्स मिल्स प्राइवेट लिमि.	
शकुंतला एजुकेशनल सोसायटी	175.60
शांति एजुकेशनल सोसायटी	124
बाबू बनारसी दास ट्रस्ट	67.97
सतलीला एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट	366.06
मारुति एजुकेशनल ट्रस्ट	383.97
जीएल बजाज एजुकेशनल ट्रस्ट	87.93
एक्सआइएमए एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	74.65
एसके कॉन्ट्रेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	118.33
चंद्रलेखा कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड	244.00
इंडियन नॉलेज सिटी	232.55
एचपीएस आईटी सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	

ग्रेनो में न्यूनतम कीमत से 76 फीसदी ऊंची बोली पर बिका व्यवसायिक भूखंड

ग्रेटर नोएडा,11 जुलाई (देशबन्धु)। प्राधिकरण द्वारा लॉन्च की गई व्यवसायिक भूखंडों की योजना काफी सफल रही। बुधवार को ई- नीलामी के माध्यम से 9 भूखंडों का आवंटन सफलता पूर्वक किया गया। एक भूखंड के लिए न्यूनतम कीमत से 76 फीसदी ऊंची बोली लगी। इस एक भूखंड से ही प्राधिकरण को लगभग 20 करोड़ रुपए का सीधे फायदा हुआ है। दो भूखंड के लिए न्यूनतम कीमत से मात्र 4 फीसदी और एक के लिए 5 फीसदी ऊंची बोली लगी। खास बात यह रही है कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के मुकाबले ग्रेटर नोएडा के सेक्टरों में स्थित भूखंडों की ऊंची बोली लगी। कुल भूखंडों की न्यूनतम कीमत 458 करोड़ 22 लाख 89 हजार 710 के मुकाबले प्राधिकरण को 533 करोड़ 38 लाख 58 हजार 186 रुपए मिले।

प्राधिकरण द्वारा बीते 28 फरवरी को 18 व्यवसायिक भूखंडों की योजना लॉन्च की गई थी। ये भूखंड डेल्टा-2, अल्फा-2 के अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टरों में हैं। 18 में से 9 भूखंडों के सापेक्ष 38 आवेदकों को ई-नीलामी में भाग लेने के लिए पात्र पाया गया था। सभी भूखंडों की न्यूनमत कीमत तय कर दी थी। ई-नीलामी में सेक्टर अल्फा-2 स्थित 2580 वर्गमीटर का भूखंड 45 करोड़ 36 लाख 39 हजार 512 में बिका। न्यूनतम कीमत 25 करोड़ 77 लाख 49 हजार 740 से 76 फीसदी की सबसे ऊंची बोली श्री विनायक ग्रुप द्वारा लगाई गई। वहीं ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-10 स्थित 10,600 वर्गमीटर का भूखंड 111 करोड़ 19 लाख 20 हजार 390 रुपए में बिका। न्यूनतम कीमत से मात्र 5 फीसदी ऊंची बोली लगाकर पार्थ बिल्डटेक ने बाजी मारी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-12 स्थित 10,400 वर्गमीटर का भूखंड 108 करोड़, 5 लाख, 50 हजार 848 में बिका। इस भूखंड के लिए न्यूनतम कीमत से 4 फीसदी ऊंची बोली पार्थ बिल्डटेक द्वारा ही लगाई गई। वहीं सेक्टर-12 स्थित 12,000 वर्गमीटर के भूखंड के लिए सबसे ऊंची बोली 111 करोड़ 38 लाख 2560 रुपए की लगी। यह न्यूनतम कीमत से 4 फीसदी से ऊंची बोली थी। डेल्टा-2 स्थित 2313.47 वर्गमीटर का भूखंड 24 करोड़ 3 लाख 67 हजार 498 रुपए में बिका। न्यूनतम कीमत से 4 फीसदी ऊंची बोली लगी। सेक्टर डेल्टा-2 में ही इसी क्षेत्रफल का दूसरा भूखंड 34 करोड़ 66 लाख 83 हजार 894 रुपए में बिका। न्यूनतम कीमत से 50 फीसदी ऊंची बोली लगी। सेक्टर डेल्टा-2 स्थित 2313.47 वर्गमीटर का तीसरा भूखंड 34 करोड़ 89 लाख 95 हजार 120 रुपए में बिका। इसके लिए न्यूनतम कीमत से 51 फीसदी ऊंची बोली लगाई गई। डेल्टा-2 में ही 2313.47 वर्गमीटर का भूखंड 34 करोड़ 20 लाख 61 हजार 442 रुपए में बिका। न्यूनतम कीमत से 48 फीसदी ऊंची बोली लगी। वहीं 2313.47 वर्गमीटर के एक अन्य भूखंड के लिए 29 करोड़ 58 लाख 36 हजार 922 रुपए की बोली लगाई गई। इसमें 28 फीसदी की ऊंची बोली लगाई गई है। प्राधिकरण के एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि ई-नीलामी के माध्यम से 9 व्यवसायिक भूखंडों का आवंटन किया गया। एक भूखंड के लिए न्यूनतम कीमत से 76 फीसदी ऊंची बोली लगाई गई। सफल आवेदकों को जल्द आवंटन पत्र सौंप दिया जाएगा।

- **ग्रेनो प्राधिकरण की व्यवसायिक भूखंडों की योजना**
- **9 भूखंडों के सापेक्ष 38 आवेदक ई-नीलामी में हुए शामिल**
- **योजना में कुल 18 भूखंड थे शामिल**

निष्कर्ष श्रीवास्तव ने केपटाउन में लहराया परचम

ग्रेटर नोएडा,11 जुलाई (देशबन्धु)। ग्रेनो के रहने वाले छात्र ने केपटाउन दक्षिण अफ्रीका में ग्लोबल स्टूडेंट एंटरप्रेन्योर अवाड्र्स (जीएसईए) की प्रमुख वैश्विक प्रतियोगिता में दूसरा स्थान पाकर शहर का नाम रोशन किया। 25 हजार यूएस डॉलर की पुरस्कार राशि भी दी गई साथ में दक्षिण एशिया ग्लोबल स्टूडेंट (जीएसईए) उद्यमियों के लिए राजदूत के रूप में चुना गया है। शारदा अस्पताल के न्यूरो सर्जन डॉ. रविंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मेरा बेटा निष्कर्ष श्रीवास्तव लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मैनेजमेंट और कम्प्यूटर साइंस की पढ़ाई कर रहे है। जीएसईए वैश्विक छात्र उद्यमी पुरस्कार प्रतियोगिता है। इसमें दुनिया भर से 1500 से अधिक उद्यमियों की भाग लिया। प्रतियोगिता नोएडा में क्षेत्रीय दौर से शुरू हुई जहां उन्होंने अपनी कंपनी फाइंडर का प्रतिनिधित्व किया। फाइंडर एक एआई खोज सहायक है जो जीमेल, गूगल ड्राइव और अन्य कार्य टूल जैसे ऐप्स का उपयोग करके काम के सवालों के जवाब देता है। क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के बाद, मुझे राष्ट्रीय स्तर पर कंपनी का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। प्रतियोगिता के इस चरण में पूरे भारत से कई टीमें एक साथ आई। इन सभी प्रतिभागियों में से केवल तीन, जिनमें वो भी शामिल था, सेमीफाइनलिस्ट के रूप में आगे बढ़े। सेमीफाइनलिस्ट के रूप में, मैं केप टाउन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए छह अलग-अलग क्षेत्रों और 20 से अधिक देशों के प्रतियोगी में शामिल हुए। सेमीफाइनल जीता और हमारे देश और पूरे दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रबूपुरा में उप जिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 419/एस0टी0/एस0डी0एम0/2024 दिनांक 15.06.2024 स्व0 श्री तिलक सिंह पुत्र खिच्चू नि0 मौ0 मैना ठाकुरान, रबूपुरा, परगना-जेवर, तहसील-जेवर, जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 10.12.2019 को हो चुकी है मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित हैं।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
रबूपुरा	1560M	स्व0 श्री तिलक सिंह पुत्र खिच्चू नि0मौ0 मैना ठाकुरान, रबुपुरा, परगना जेवर तहसील जेवर जिला गौतमबुद्धनगर	वीरपाल		64 वर्ष	विवाहित
			नैम सिंह		53 वर्ष	विवाहित
			ब्रहमपाल		50 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।
तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

यमुना प्राधिकरण के साथ किसानों की बैठक, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 11 जुलाई (देशबन्धु)। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की बैठक यमुना प्राधिकरण के सभागार में संरक्षक प्रताप नागर की अध्यक्षता में हुई। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान ने कहा कि 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक हुई, जिसमें मुख्य तौर पर बैकलीज अतिरिक्त मुआवजा किसानों को मिलने वाले सात प्रतिशत के भूखंड शोर की भूमि का मुआवजा आदि समस्याओं का समाधान न होने से किसानों ने नाराजगी जाहिर की। इन सभी समस्याओं का निस्तारण के लिए प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरूणवीर सिंह ने एक महीने का समय मांगा है शोर की भूमि के मुआवजे के संबंध में सीईओ ने किसानों से कहा कि मेरठ मंडल आयुक्त की तरफ से शोर की भूमिका का मुआवजा वितरित करने का आदेश आ चुका है, जल्द ही ऐसे किसानों को मुआवजा वितरित किया जाएगा। सितम्बर से जेपी से प्रभावित किसानों को अतिरिक्त मुआवजा भी वितरित किया जाएगा।

बैकलीज के संबंधित मामलों में राजस्व परिषद की अध्यक्षता में बनी कमेटी जल्द ही किसानों की समस्याओं को निस्तारण करने जा रही है। प्राधिकरण ने कमेटी को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है कि आगामी भविष्य में लीजबैक की समस्या उत्पन्न न हो उसके लिए बोर्ड बैठक में गांवों के चारों तरफ पेरीफेरल रोड बनाने का प्रस्ताव पास किया जा चुका है। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण नागर ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण की तर्ज पर यमुना प्राधिकरण में भी गावों में गली नंबर डालने का प्रस्ताव दिया है, प्राधिकरण ने प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है और आदेश जारी किया है कि गांवों में गली नंबर डाले जाएंगे करीब एक दर्जन गांवों के साथ पर्सेंट के प्लॉट लगाने का काम जारी है और जल्द ही ड्रॉ कराकर किसानों को प्लॉट दिए जाएंगे। इस मौके पर बालकिशन नागर, प्रताप नागर, ब्रजेश भाटी, आलोक नागर, कृष्ण नागर, नासिर प्रधान, विनोद मलिक, संजय कसाना, पूनम भाटी, विधू गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

प्राधिकरण अस्थायी ओसी न दें, पार्ट ओसी में पूरा विवरण दें : यूपी रेरा

ग्रेटर नोएडा,11 जुलाई (देशबन्धु)। उ.प्र. रेरा ने सक्षम प्राधिकरणों को यह भी निर्देश दिए गए है कि उनके द्वारा किसी भी परियोजना का अस्थायी पूर्णता या अधिभोग प्रमाण-पत्र जारी करने से किया जाए।

सक्षम प्राधिकरणों को स्पष्ट किया गया है कि नियमों तथा विधियों में इस प्रकार के अस्थायी प्रमाण-पत्रों की अनुमन्यता नहीं है और इस तरह के अस्थायी पूर्णता या अधिभोग प्रमाण-पत्र ऐसे आवंटियों के लिए घातक सिद्ध हो सकते हैं, जिनके द्वारा ऐसे प्रमाण-पत्रों के आधार पर रजिस्ट्री करा ली जाती है और कब्जा प्राप्त कर लिया जाता है, परन्तु सक्षम प्राधिकरणों द्वारा बाद में प्रश्नगत अस्थायी प्रमाण-पत्र को निरस्त कर दिया जाता है।

संजय भूसरेड्डी, अध्यक्ष, उ.प्र. रेरा ने बताया कि उ.प्र. रेरा आवंटियों के हितों के संरक्षण तथा प्रोमोटर्स एवं आवंटियों के बीच विवादों को कम करने के लिए रियल इस्टेट सेक्टर में मानकीकरण हेतु लगातार प्रयासरत है। यह देखा जा रहा है कि सक्षम प्राधिकरणों द्वारा जारी आंशिक पूर्णता या अधिभोग प्रमाण-पत्रों में परियोजना, उसके टावर्स या ब्लॉकस के नाम प्रोमोटर द्वारा उ.प्र. रेरा में पंजीकृत कराई गई परियोजना में दिए गए नामों से भिन्न होते हैं, जिससे आवंटियों के मन में उनकी इकाई या टावर की पूर्णता से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र को ले कर संशय बना रहता है और विनियामक प्राधिकरण के स्तर पर भी परियोजना के पूर्णता के सम्बन्ध में आश्वस्त होना सम्भव नहीं होता। उनके द्वारा आगे यह कहा गया कि सक्षम प्राधिकरणों के स्तर पर थोड़ी सी अतिरिक्त सतर्कता बरतने से इस समस्या का समाधान बहुत आसानी से हो सकता है जो हितधारकों के लिए अत्यन्त लाभकारी होगा।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथमतल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ब्लाक-पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, पिन कोड-201308
जिला गौतमबुद्ध नगर (उ0प्र0) दूरभाष न0-0120-2395151, फैक्स नं0-0120-2395150
सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण द्वारा भूखण्ड संख्या-128, ब्लाक-2C, सेक्टर-18 क्षेत्रफल-300 वर्गमीटर, आवंटन संख्या-YEA007218 के सह आवंटी/अन्तरिकी LATE MR. MAHESHWAR PRASAD VAGMI पुत्र MR. PREM SHARAN की मृत्यु के उपरांत उनके पुत्र MR. RAJEEV VAGMI द्वारा उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु म्यूटेशन प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है।
अतः इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में आवंटी/अन्तरिकि LATE MR. MAHESHWAR PRASAD VAGMI पुत्र MR. PREM SHARAN निवासी R/O 2/5 MALL ROAD, TILAK NAGAR, NEW DELHI-110018 की मृत्यु के उपरान्त उनके सम्बन्धी MR. RAJEEV VAGMI के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।
विशेष कार्याधिकारी
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला गौतमबुद्ध नगर।
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-हैबतपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-एच.ए.आई.01211, भूखण्ड संख्या-ए-74, क्षेत्रफल-310 वर्ग मीटर सर्वश्री सुन्दर, सुरेन्द्र, बिजेन्द्र, विनोद, बुद्धपाल, बबलू, भीम पुत्रगण श्री रामवीर, निवासी-ग्राम-हैबतपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। सहःआवंटी श्री विनोद पुत्र श्री रामवीर की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्रीमती सीमा रानी पत्नी स्व० श्री विनोद, कु० करिश्मा (अविवाहित), कु० करीना (अविवाहित) पुत्रीगण स्व० श्री विनोद, निवासी-ग्राम-हैबतपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से श्रीमती सीमा रानी पत्नी स्व० श्री विनोद, निवासी-ग्राम-हैबतपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके श्रीमती सीमा रानी पत्नी स्व० श्री विनोद, निवासी-ग्राम-हैबतपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।
प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 12 जुलाई 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

मां के नाम पेड़ और उजड़ते पहाड़

एक तरफ तो देश भर में इस समय सामान्य जनों से लेकर विशिष्ट लोग अपनी माताओं के नाम पेड़ लगाने की होड़ में हैं। मुकाबला इस बात का भी है कि कैसे वे पेड़ लगाते हुए अपने फोटो एवं सेल्फियों को सोशल मीडिया पर वायरल करें। दिखावे के लिये ही सही पर इस तरह के अभियानों से किसी का विरोध नहीं है लेकिन दूसरी तरफ यह भी दिखता है कि 'भारत का मुकुट' कहा जाने वाला हिमालय लगातार उजड़ रहा है। इसका कारण है पेड़ों की अनवरत कटाई और वहां विकास का पर्याय बन चुका पर्यटन। पहाड़ों की प्राकृतिक सुषमा को निहारने के लिये आने वालों से लेकर इस पर्वत श्रृंखला में बने आस्था के केन्द्रों में माथा नवाने के लिये लाखों की संख्या में आने वाले श्रद्धालु पर्वतों को बर्बाद करने में एक सरीखा योगदान दे रहे हैं। पिछले कुछ समय से पूरी हिमालयन रेंज में आने वालों की तादाद में अप्रत्याशित रूप से बढ़ोतरी हुई है। खासकर, उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा लोग जा रहे हैं। यहीं सबसे ज्यादा तबाही देखने को मिल रही है। बद्रीनाथ हाईवे पिछले तीन दिनों से भूस्खलन के कारण जाम हुआ पड़ा है और बड़ी संख्या में तीर्थयात्री यहां फंसे हुए हैं।

10 जून को जैसे ही बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मंदिरों के कपाट खुले, लाखों की संख्या में श्रद्धालु उमड़ पड़े थे। चार धाम की यात्रा हर धर्मप्राण हिंदू की सबसे बड़ी इच्छा होती है। 16 जून, 2013 को हुई उत्तराखंड की भीषण त्रासदी में न जाने कितने लोगों की जान गई थी। उसे मानों भुलाकर लोग अगले साल से ही उसी प्रकार इन धार्मिक केन्द्रों में चले आये थे। 11 वर्ष के बाद इस साल लगभग 60 प्रतिशत ज्यादा लोग जून के पहले हफ्ते में ही चार धाम के लिये पहुंचे थे। तब भी केदारनाथ एवं यमुनोत्री में मीलों लम्बा जाम लगा था। शुक्र तो यह था कि उस दौरान न कोई बारिश हुई और न ही भूस्खलन। यहां तक कि सरकार को रजिस्ट्रेशन रोक देना पड़ा था। इसका नतीजा यह हुआ कि वहां पहुंचे लोग राज्य भर में फैल गये थे। चूंकि इस पर्यटन से कथित रूप से सभी पहाड़ी राज्यों की इकानॉमी चलने की बात कही जाती है तो पर्वतों में बड़ी संख्या में होटल, रेस्टोरेंट, होमस्टे, रोमांचक खेल आदि के नाम से लाखों की तादाद में पेड़ों को काटा गया। रास्ते चौड़े करने के लिये भी उनकी बलि ली गई। विशेषकर उत्तराखंड एवं हिप्र में यह सर्वाधिक हुआ है।

पर्यटकों के जमावड़े ने जहां इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के नाम से पेड़ों की कटाई कराई, वैसे ही बड़ी संख्या में आने वाले वाहनों के कारण पूरा इको सिस्टम ही गड़बड़ा गया है। ग्लेशियरों में जमी बर्फ तेजी से पिघल रही है, नदियों का जल स्तर बढ़ रहा है और त्रासदियों की पुनरावृत्ति हो रही है। इनमें सबसे ज्यादा हादसे भूस्खलन के होते हैं। भूगोल का अध्ययन बतलाता है कि हिमालय पर्वत श्रृंखला अपेक्षाकृत नयी है और वह अब भी निर्माणाधीन है इस कारण यह बेहद संवेदनशील है। इसकी स्वनिर्मित प्रणाली से छेड़छाड़ के नतीजे अच्छे नहीं निकलेंगे। वही देखने को मिल रहा है। जो देखने को नहीं मिल रही है वह है लोगों की जागरूकता और हिमालय सहित देश भर के पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने की ललक- न सरकार की ओर से और न ही जनता की तरफ़ से। मैदानों में रहने वालों ने बड़े-बड़े उद्योग लगता हुआ देखने, कल-कारखाने खुलने, मॉल्स में शॉपिग करने, हाईराइज़ सोसायटियों में रहने और फोर लेन-सिक्स लेन सड़कों पर फर्राटे भरने के मोह में अनगिनत पेड़ों को कट जाने दिया और अमूमन दुपहरी में भी 38-40 से ऊपर न जाने वाला पारा जब 48 से 50 डिग्री को छूने लगा तो उन्हें पहाड़ों की हरियाली और ऊंचाइयों की याद आने लगी। हर वर्ष पर्यटकों के नाम से प्रकृति को तबाह करने वालों के झुंड आ रहे हैं और हर वर्ष उनकी संख्या में प्रति वर्ष इज़ाफ़ा हो रहा है।

हाल के इन वर्षों में धर्म और उसके नाम पर दिखावे का प्रचलन बढ़ा है, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेशों में स्थित धर्म स्थलों में आने वालों की तादाद भी बढ़ी है। वैसे तो मैदानी इलाकों के ऐसे स्थलों में भी जाने वालों की संख्या में जबर्दस्त इज़ाफ़ा हुआ है परन्तु पहाड़ों की भौगोलिकी कहीं अधिक संवेदनशील होती है जो बड़ी जनसंख्या का भार वहन करने में असमर्थ होते हैं। इसे रोकने में सरकारें नाकाम हो ही हैं। हर वर्ष अलबत्ता बिला नागा 5 जून को पड़ने वाले अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर भी वैसे ही करोड़ों पौधे समारोहपूर्वक लगाये जाते हैं, जैसे इन दिनों चल रहे 'एक पेड़ मां के नाम' पर लग रहे हैं। इसके अलावा किसी भी परिसर में अतिथियों के हाथों लगाये गये पौधों का जतन सही तरीके से हुआ होता तो अब तक भारत में एक इंच जगह भी न छूटी होती जहां पेड़ न लहलहा रहे होते।

मैदानों से लेकर पहाड़ों तक आज कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे का जो आलम है वह इसी समझ का नतीजा है। देखा तो यह भी जा रहा है कि हर वर्ष सभी स्थानों पर गर्मी औसत से ज्यादा पड़ रही है और बरसात भी निर्धारित मात्रा से कहीं अधिक हो रही है। प्रकृति ने अपना चक्र करोड़ों वर्षों में बनाया है जिसे कुछ ही वर्षों में मनुष्य ने बिगाड़ कर रख दिया है। बदलाव की ज़रूरत मनुष्य के व्यवहार में होने की है वरना बड़ी प्राकृतिक आपदाएं प्रतीक्षारत तो हैं ही।

मॉस्को में मोदी-पुतिन मुलाकात ने भारत-रूस दोस्ती को फिर से पुख्ता किया

■ एनी डोमिनी

8-9 जुलाई 2024 को मॉस्को में आयोजित 22वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन भू-राजनीतिक रंगमंच में सबसे स्थायी दोस्ती में से एक को फिर से संवारने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। मास्को और नई दिल्ली ने एक साथ कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, चाहे ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस या संसद भवन में कोई भी सत्ता में रहा हो। सौभाग्य से, भारत-रूस संबंध अभी भी शासन परिवर्तन निरपेक्ष है, और पश्चिम के संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व वाले 'नियम-आधारित आदेश' से लगातार वैचारिक हमलों का सामना कर चुके हैं।

भारत और रूस के बीच दो दिवसीय द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन (जो यूक्रेन के मामले में नाटो देशों की शाही बैठक से ठीक पहले हो रहा है) में रूसी संघ के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च राजकीय सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोसल प्रदान किया। मोदी और पुतिन ने एक-दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया, हाथ मिलाया और कई मौकों पर एक-दूसरे को 'प्रिय मित्र' कहकर संबोधित किया।

यह तथ्य कि मोदी के तीसरे कार्यकाल, जो भले ही कम जनादेश के साथ आया, के बाद रूस उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है। यह मॉस्को-नई दिल्ली के सदाबहार रणनीतिक संबंधों के महत्व के बारे में बहुत कुछ कहता है। इसके अलावा, मोदी की नवीनतम यात्रा पांच साल बाद हो रही है। पिछली बार 2019 में व्लादिवोस्तोक में आर्थिक बैठक हुई थी, और फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद उनकी पहली यात्रा है। साथ ही इस साल मार्च में हुए रूसी राष्ट्रपति चुनावों में पुतिन की शानदार जीत के बाद भी।

महत्वपूर्ण बात यह है कि औपचारिक और अनौपचारिक दोनों खंडों वाली दो दिवसीय बैठक में नेताओं ने आर्थिक और रक्षा संबंधों, व्यापार की मात्रा, ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग, रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग को एक साथ विकसित करने, परमाणु ऊर्जा के साथ-साथ अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में सहयोग संबंधी मुद्दों की एक विस्तृत सूची तैयार की। '2030 तक की अवधि के लिए रूस-भारत आर्थिक सहयोग के रणनीतिक क्षेत्रों के विकास पर नेताओं के संयुक्त वक्तव्य' में कहा गया है कि मॉस्को और नई दिल्ली 'पारस्परिक सम्मान और समानता के सिद्धांतों का दृढ़ता से पालन करने, पारस्परिक रूप से लाभकारी और दीर्घकालिक आधार पर दोनों देशों के संप्रभु विकास' के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो 'दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार के गतिशील विकास की प्रवृत्ति को बनाये रखने और 2030 तक इसकी मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित करने की इच्छा से निर्देशित होगा'।

नेताओं के संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, नौ प्रमुख क्षेत्रों में 'द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग' किया जाएगा, जिनमें 1. गैर-टैरिफ व्यापार बाधाओं को समाप्त करना,ईएईयू-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की संभावना, तथा 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डालर का परस्पर व्यापार हासिल करना; 2. राष्ट्रीय मुद्राओं और डिजिटल वित्तीय साधनों का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली का विकास; 3. उत्तर-दक्षिण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे, रूस के उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री रेखा के नये मार्गों पर कार्गो कारोबार में वृद्धि; 4. कृषि, खाद्य और उर्वरक में द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि; 5. परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स और आपसी ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग; 6. बुनियादी ढांचे का विकास; एक दूसरे के बाजारों में भारतीय और रूसी कंपनियां, मूल्यांकन का मानकीकरण; 8. दवा, चिकित्सा और जैव सुरक्षा; और 9. संस्कृति, पर्यटन, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा आदि में मानवीय सहयोग।

आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार असंतुलन के मुद्दे को संबोधित करना है, जिसमें भारत-रूस से अधिक आयात करता है, विशेष रूप से तेल और अन्य ईंधन, ताकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में रूस की मदद की जा सके। भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति रूसी अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगी क्योंकि देश यूरोप से अलग होकर प्रभावी रूप से विविधता लाने में सक्षम होगा, जबकि भारत अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा जो जल्द ही जीडीपी में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगी।

हालांकि, भारत-रूस का कुल व्यापार अभी भी रूस-चीन व्यापार की मात्रा का लगभग एक तिहाई है, जो 240अरब अमेरिकी डॉलर है। परन्तु व्यापार तेजी से बढ़ रहा है, खासकर रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से। रूस टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'रूस और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा में वृद्धि जारी रही, जो चालू वर्ष के पहले चार महीनों में रिकॉर्ड 23.1अरब डॉलर पर पहुंच गई, जो 2023 की इसी अवधि की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है'।

सबसे बड़ी चिंताओं में से एक संबंधित राष्ट्रीय मुद्राओं में पारस्परिक भुगतान की एक स्थायी डिजिटल व्यवस्था का निर्माण रहा है, जिसमें रुपया-रूबल विनिमय निपटान में लगातार रुकावटें जारी रही हैं। चूंकि ब्रिक्स देश वैश्विक दक्षिण के लिए डॉलर को कम करने और वैकल्पिक वित्तीय व्यस्था बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जो अमेरिकी डॉलर और उसके साथ जुड़े प्रतिबंधों से दूर जा रहा है, भारत और रूस के लिए आपसी राष्ट्रीय मुद्राओं में खातों का निपटान करना कठिन रहा है। इसके अलावा, रक्षा आपूर्ति में अनजाने में देरी, भारत की सैन्य खरीद में विविधता और स्वदेशीकरण, तथा रूसी सेना में भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीयों की भर्ती के बारे में भ्रमसहित अन्य लंबित मुद्दों को द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में उचित रूप से संबोधित किया गया है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में विनम्रतापूर्वक चिंता व्यक्त की, शांति वार्ता और सैन्य समाधानों पर बातचीत पर जोर दिया, जिसके लिए राष्ट्रपति पुतिन ने उन्हें धन्यवाद दिया। मोदी ने जो कहा वह रूसी पक्ष की चेतावनी नहीं थी, बल्कि वैश्विक दक्षिण की चिंता थी जो सभी के लिए शांति और समृद्धि चाहता है। यह पश्चिम से आने वाले पाखंड में नैतिकता के उच्च-वोल्टेज व्याख्यानों के बिल्कुल विपरीत है, जो एकतरफा रूप से रूस की बहुत छोटी-छोटी गलतियों की निंदा करते हैं जबकि वे नरसंहार करने वाले इजरायल के पक्ष में गाजा के विनाश के लिए बल्लेबाजी करते हैं।

मोदी की यात्रा की, जैसा कि अपेक्षित था, पश्चिमी प्रेस में आलोचना की गई है, जो 'गले मिलने' और मोदी को सर्वोच्च रूसी राज्य पुरस्कार से अलंकृत करने से चिंतित है। यूक्रेन के संकटग्रस्त राष्ट्रपति वोलोडोमिर ज़ेलेंस्की ने मोदी की मास्को यात्रा की कड़ी निंदा की है, खास तौर पर उस दिन जब रूस ने कीव में कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया और यूक्रेन की एंटी-डिफेंस मिसाइल बच्चों के अस्पताल पर गिरी, जिसका आरोप पश्चिमी प्रेस ने तुरंत रूस पर लगाया। पश्चिमी दुष्प्रचार को अलग रखें तो मोदी-पुतिन की मुलाकात का ग्लोबल साऊथ के ज़्यादातर देशों द्वारा और खास तौर पर बीजिंग में स्वागत किया गया है।

चीनी प्रेस मोदी-पुतिन की मुलाकात की सराहना से भरा पड़ा है, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया है कि बीजिंग भारत-रूस के बीच बढ़ते सहयोग को देखकर खुश है, जबकि चीन, भारत और रूस के बीच 'कलह पैदा करने' के पश्चिम के प्रयास पर नाराजगी जताई गई है। ग्लोबल टाइम्स के संपादकीय के अनुसार, 'चीन रूस-भारत के बीच बढ़ते संबंधों को ख़तरे के तौर पर नहीं देखता, जबकि पश्चिमी देश रूस के साथ भारत के संबंधों से असंतुष्ट हैं।' इसमें आगे कहा गया है: 'पश्चिमी देशों ने भारत को पश्चिमी खेमे में खींचने और चीन के प्रभाव को संतुलित करने की कोशिश की है, लेकिन भारत की प्रतिक्रिया ने पश्चिम द्वारा किये गये राजनीतिक और कूटनीतिक इशारों का जवाब नहीं दिया है'।

इसके अलावा, ग्लोबल टाइम्स ने लिखा: 'पश्चिमी दबाव के बावजूद, मोदी ने पिछले महीने अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने के बाद विदेश यात्रा के लिए रूस को चुना। इस कदम का उद्देश्य न केवल रूस के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करना है, बल्कि अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के साथ व्यवहार में इसके प्रभाव को भी बढ़ाना है।' जाहिर है, पश्चिमी प्रेस असंतोष व्यक्त करने वाली सुर्खियों से भरा हुआ है, जैसे कि 'रूस इंडो-पैसिफिक में एक रणनीतिक बिगाड़ने वाला है', 'मोदी का मास्को के प्रति गलत अनुमान', 'भारत ने अपना रास्ता खुद तय किया', 'भारत का संतुलन बनाने का कार्य', आदि।

हालांकि, यह देखना आश्वस्त करने वाला है कि न केवल नई दिल्ली और मास्को आपसी संबंधों को लगातार गहरा करके पश्चिमी उपदेशों को दरकिनार कर रहे हैं, बल्कि बीजिंग भी विकास के लिए परिपक्वता और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से प्रतिक्रिया दे रहा है। रूस-भारत संबंध हमेशा की तरह दृढ़ और समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। क्या मास्को नई दिल्ली और बीजिंग के बीच गंभीर तनाव कम करने में मदद कर सकता है? जैसा कि वे कहते हैं, भू राजनीति संभव की कला है।

> **आर्थिक संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार असंतुलन के मुद्दे को संबोधित करना है, जिसमें भारत-रूस से अधिक आयात करता है, विशेष रूप से तेल और अन्य ईंधन, ताकि यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में रूस की मदद की जा सके। भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति रूसी अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा देगी।**

पीछे रह गए पेड़

■ हेमलता म्हस्के

गर्मी तो हर साल आती है लेकिन इस बार पिछले रिकार्ड भी तोड़ गई है। यह हमारी लगातार लापरवाही का नतीजा है। हमने कांक्रीट के जंगल बसाए, ढ़ेर सारे उपकरण लगाए, लेकिन पौधे नहीं लगाए, बल्कि उनको काट डाला। क्या हम अभी भी सचेत नहीं होंगे? बढ़ते तापमान को रोकने के लिए हमें अपनी कोशिशें तेज करनी होंगी। पिछले कई वर्षों के मुकाबले इस बार अप्रैल और मई के साथ जून महीने में इतनी भीषण गर्मी पड़ी है जिससे अब तक के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। शरीर को झुलसा देने वाली गर्मी, सूरज का बढ़ता पारा और लू के थपेड़ों से न केवल मनुष्य बल्कि पशु-पक्षी और जीव-जंतु सभी का हाल-बेहाल है।

सूरज का पारा दिन-प्रतिदिन बढ़ने का मुख्य कारण 'ग्लोबल वार्मिंग' है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान को ही 'ग्लोबल वार्मिंग' कहते हैं। पृथ्वी सूर्य की किरणों से ऊष्मा प्राप्त करती है जो वायुमंडल से गुजरते हुए पृथ्वी की सतह से टकराती हैं और धरती को ऊष्मा प्रदान करती है। इंसान की लापरवाही और धन की हवस के कारण वायुमंडल की निचली परत में 'ग्रीन हाउस गैसों' का आवरण सा बन जाता है। यह आवरण लौटती किरणों के एक बड़े हिस्से को रोक लेता है। ऐसी रुकी हुई किरणें ही धरती के तापमान को बढ़ाती हैं।

वायुमंडल में गैसों का एक निश्चित अनुपात माना गया है, लेकिन बढ़ती 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण संतुलन बिगड़ रहा है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाइ-ऑक्साइड की मात्रा में 24 लाख टन की बढ़ोतरी हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 26 लाख टन की कमी आई है। यह असंतुलन मानव सहित पशु-पक्षियों और वनस्पति जगत के लिए बहुत ही चिंताजनक है। अगर हम अभी भी जागरूक नहीं होंगे तो वह दिन दूर नहीं जब हमें घर से बाहर निकलते हुए अपने साथ ऑक्सीजन का एक छोटा सिलेंडर भी ढोकर ले जाना होगा।

अनुमान है कि भविष्य में 'ग्लोबल वार्मिंग' के कारण पृथ्वी के तापमान में और बढ़ोतरी होगी और अगर ध्रुव और ग्लेशियर की बर्फ पिघलने लगी तो पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो सकती है और पृथ्वी पर महाप्रलय भी आ सकती है। भविष्य में संकट को देखते हुए 'ग्लोबल वार्मिंग' को रोकने के लिए हमें पौधे लगाने होंगे। केवल सरकार के भरोसे 'ग्लोबल वार्मिंग' को नहीं रोका जा सकता। अगर हर साल हर परिवार का एक व्यक्ति एक पौधा लगाए तो हम अपने आसपास के 2.5 सेंटीग्रेड फारेनहाइट तापमान को कम कर सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम मिलकर प्रयास करें, वरना भविष्य में ना केवल हमें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी कष्ट उठाना पड़ेगा।

पेड़ मनुष्यों को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, कार्बन का भंडारण करते हैं, मिट्टी को स्थिर करते हैं और दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के जीवों का पोषण करते हैं। वे हमें उपकरण और आवास के लिए आवश्यक संसाधन भी देते हैं। पेड़ पत्तेदार छाया और नमी से हवा, भूमि और पानी को ठंडा करते हैं। हमारे घरों के पास और हमारे समुदाय में लगाए गए पेड़ तापमान को नियंत्रित करते हैं, और जीवाश्म ईंधन को जलाने से उत्पन्न एयर-कंडीशनिंग और हीटिंग की आवश्यकता को कम करते हैं, जो वायुमंडलीय कार्बन डाइ-ऑक्साइड का एक प्रमुख स्रोत है। पेड़ अनगिनत प्रजातियों के लिए घोंसले बनाने की जगह, भोजन और आश्रय प्रदान करते हैं। पेड़ सभी वन्यजीवों को आश्रय और पोषण देते हैं।

प्रकृति इंसान की सबसे बड़ी दोस्त होती है, लेकिन इंसान को प्रकृति की उतनी परवाह नहीं है। इंसान अपने आराम के लिए प्रकृति का बेधड़क इस्तेमाल कर रहा है। पहले जहां जंगल थे, चारों तरफ जहां हरियाली थी, वहां अब हरियाली सिमटती नजर आ रही है और इसका सबसे बड़ा कारण है, इंसान। इंसानों ने अपने इस्तेमाल के लिए पेड़ों की कटाई की और जमीनों की खुदाई की। इसके साथ ही ऐसा वातावरण बनाया जिससे पिछले कुछ सालों में जंगल लगातार कम होते जा रहे हैं। 'भारतीय वन रिपोर्ट' के मुताबिक साल 2021 में भारत में 7,13,789 वर्ग किलोमीटर जंगल क्षेत्र था जो पूरे देश के भौगोलिक क्षेत्र का 21.72 प्रतिशत था। इसमें साल 2019 के बाद 1540 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई, लेकिन पिछले कुछ सालों में इसमें कमी देखने को मिली, जो एक चिंता का विषय है।

दुनिया में सबसे ज्यादा जंगल रूस में हैं। रूस में 815 मिलियन हेक्टेयर से ज़्यादा जंगल हैं, जो रूस के पूरे क्षेत्रफल का 45प्रतिशत है। दुनिया के सबसे बड़े जंगल की बात की जाए तो वह दक्षिण अमेरिका में है। दक्षिण अमेरिका का जंगल 'अमेजॉन रेनफॉरेस्ट' करीब 65 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसे पृथ्वी का फेफड़ा भी कहते हैं क्योंकि यह दुनिया की करीब 20प्रतिशत ऑक्सीजन पैदा करता है। वहीं अगर भारत की बात की जाए तो भारत में सबसे ज्यादा जंगल मध्यप्रदेश में हैं, जो 77,462 वर्ग किलोमीटर में फैले हुए हैं।

हमारी जीवन शैली और कुछ लापरवाहियों की वजह से जो ठंडे इलाके माने जाते थे वहां भी अब गर्मी अपना रौद्र रूप दिखा रही है। इसके तुरंत बाद बाढ़ और वर्षा की आपदाओं का सामना करना पडता है। इसके बाद फिर सूखा भी आएगा। खेती बर्बाद होगी। ऐसे में पानी के लिए पूरे देश में हाहाकार होगा। फिर जब ठंड का समय आएगा तो भी उतनी ठंड नहीं होगी जिससे हम महसूस कर सकें कि ठंड का मौसम आ गया है। नदियां सूख रही हैं। दुनिया भर में लाखों लोग गर्मी से मर रहे हैं। इनमें 30 फीसद लोग एशिया के हैं। जिस रफ्तार से जंगल कट रहे हैं उस हिसाब से पर्याप्त पेड़ नहीं लग रहे हैं।

2010 की मैपिंग के अनुसार भारत के खेतिहर इलाके में 60 करोड़ छायादार पेड़ थे। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र आठ सालों में साढ़े 6 करोड़ से अधिक छायादार पेड़ नष्ट कर दिए गए हैं। ये आंकड़े सबसे अधिक तेलंगाना, हरियाणा, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के हैं, जहां गर्मी के कारण हाहाकार मचता है। ऐसे में हमारी आदतें और आरामपरस्ती नहीं बदलेगी तो हम निश्चित ही अपने अंत की ओर बढ़ रहे हैं। इन सबका बुरा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। अपने देश में पिछले एक-दो दशकों से 'पेड़ लगाओ अभियान' सरकार और समाज द्वारा चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। पेड़ लगाने का काम हमें ईमानदारी से और पूरी गंभीरता से करने की जरूरत है। पेड़ लगाने के नाम पर बेईमानी से दूर होना होगा। आज पेड़ हमारी जिंदगी में बहुत पीछे रह गए हैं।

(लेखिका सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

> **भारत के खेतिहर इलाके में 60 करोड़ छायादार पेड़ थे। 2018 की एक रिपोर्ट के मुताबिक मात्र आठ सालों में साढ़े 6 करोड़ से अधिक छायादार पेड़ नष्ट कर दिए गए हैं। ये आंकड़े सबसे अधिक तेलंगाना, हरियाणा, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के हैं, जहां गर्मी के कारण हाहाकार मचता है। ऐसे में हमारी आदतें और आरामपरस्ती नहीं बदलेगी तो हम निश्चित ही अपने अंत की ओर बढ़ रहे हैं। इन सबका बुरा असर हमारी अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।**

पावन प्रसंग

कुरीतियों को छोड़ें

प्रथा-परंपराओं का प्रचलन समय की आवश्यकता और परिस्थितियों की प्रासंगिकता देखकर किया जाता है, ताकि बदलते संदर्भों में समाज का प्रगतिक्रम अवरुद्ध न हो और समाज अपनी गति से आगे बढ़ता रहे। समय बदल जाता है। परिस्थितियां वैसी नहीं रहतीं; जिनमें इन परंपराओं की उपयोगिता थी, तो वे प्रथाएं अप्रासंगिक हो जाती हैं और अपनी महत्ता खो देती हैं। इसलिए समय और संदर्भ बदलने के साथ-साथ मनीषियों ने रीति-रिवाजों तथा प्रथा-परंपराओं में भी आवश्यक हेर-फेर करने की बात कही है। यदि परिवर्तन और सुधार का यह क्रम अवरुद्ध हो जाए, तो कई कठिनाइयां उठ खड़ी होती हैं और वे ही परंपराएं जो कभी बहुत उपयोगी तथा लाभप्रद होती थीं। गले की फांसी बन जाती हैं।

सर्दियों की ऋतु में गर्म कपड़े पहनना आवश्यक होता है, पर गर्मियां आते ही ऊनी कपड़े पहनना छोड़कर हलके सूती वस्त्र पहने जाने लगते हैं। वर्षा ऋतु में छाता लेकर चलना आवश्यक हो जाता है, परंतु शीत ऋतु में इसकी कोई उपयोगिता नहीं रह जाती। स्वस्थ व्यक्ति को जो आहार दिया जाता है; वही आहार बीमार और रुग्ण व्यक्ति को दिया जाने लगे तो इससे उसका स्वास्थ्य लड़खड़ाने लगता है। खुशहाली के दिनों में पैसा खरचना अनुपयुक्त नहीं होता; वैसा खर्च अकाल पड़ने या दुर्दिन आने पर अनुचित सिद्ध होता है। समय के अनुसार रीति-नीति में प्रचलन-रिवाजों में, प्रथा परंपराओं में परिवर्तन आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है।

इन दिनों अपने समाज में कई परंपराएं ऐसी हैं, जिनका प्रचलन किसी देश-काल की स्थिति विशेष को दृष्टिगत रखते हुए किया गया था। उस समय उनकी उपयोगिता भी थी। परंतु आज वैसी स्थिति नहीं है, इसलिए वे परंपराएं न केवल अपनी उपयोगिता खो चुकी हैं, वरन कुरीतियों के रूप में व्यक्ति तथा समाज की हानि भी कर रही हैं। आवश्यकता इस बात की है कि उनमें समयानुसार परिवर्तन किया जो। कुछ में संशोधन किया जाए तथा कुछ का पूरी तरह बहिष्कार कर दिया जाए।

परंपराओं के प्रचलन की प्रासंगिकता और समय परिस्थिति विशेष की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए बाल-विवाह को ही लिया जाए, तो प्रतीत होगा कि यह परंपरा उस समय उपयोगी रही होगी, जब शासक वर्ग नागरिकों की कुंआरी कन्याओं का अपहरण कर उन्हें अपने हरम में डाल लेते थे। अपहरण कुंआरी कन्याओं का किया जाता था, इसलिए उचित समझा गया था कि उनका विवाह छोटी आयु में ही कर दिया जाए। उस समय यह परंपरा समीचीन थी, परंतु आज न तो वैसी स्थिति है और न ही कोई किसी की जवान लड़की का अपहरण करता है। कहीं कुछ ऐसा होता भी है तो उसे दंडनीय अपराध समझा जाता है और अपराधी को दंड भी दिया जाता है। अस्तु, अब बाल-बिबाह का कोई औचित्य नहीं है।

मृत्युभोज की बड़ी-बड़ी दावतें देने का प्रचलन उस समय आरंभ हुआ होगा, जब बार-बार अकाल पड़ते थे और अधिकांश लोगों को भूखे-प्यासे रहना पड़ता था। तब मृतात्मा की आत्मशांति के लिए भूखे-प्यासों को भोजन कराकर पुण्य प्राप्त करने की बात सोची गई। किंतु आज यह परंपरा केवल नाते-रिश्तेदारों, पड़ोसियों, परिचितों और मित्रों को दावत खिला देने तक ही सीमित रह गई है। स्पष्ट है कि इस परंपरा का निर्वाह अब न तो खाने वाले के लिए उचित कहा जा सकता है और न ही खिलाने वाले के लिए कोई गौरव की बात। जिस घर के सदस्य को मरे हुए अभी पंद्रह दिन भी नहीं हुए हैं वहां शोक-संवेदना व्यक्त करने, दिवंगत व्यक्ति के स्वजनों को सांत्वना देने के स्थान पर दावतें उड़ाने का क्या औचित्य हो सकता है।

दान एक धार्मिक पुण्य का कृत्य है। सभी धर्मग्रंथों और मनीषियों ने इसकी मुक्त-कंठ से प्रशंसा की है। दूसरों की उन्नति के लिए, औरों के कष्ट निवारण के लिए कुछ त्याग किया जाना उदारता है और इस तरह की उदारता सराहनीय तथा वंदनीय कही जानी चाहिए।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

उपचुनाव की उत्तर प्रदेश की राजनीति में रहेगी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका

उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट जीतने के बाद नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी रायबरेली आकर बता दिया है कि इस बार उत्तर प्रदेश राहुल गांधी के एजेंडे में रहेगा. लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन 43 सीट जीत का उत्साहित है इसलिए उत्तर प्रदेश के 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ने वाले हैं। इन 10 सीटों में से 5 सीट सपा के खाते वाली है चार सीट बीजेपी की है और एक सीट आरएलडी की है। उत्तर प्रदेश की राजनीति राहुल गांधी की यात्रा से फिर एक बार गरमा गई है। राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इन उपचुनाव का उत्तर प्रदेश की राजनीति में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। यदि बीजेपी चुनाव में सफलता प्राप्त कर लेती है तो मुख्यमंत्री योगी का कद बढ़ेगा और योगी आदित्यनाथ से संबंधित अटकलों का दौर खत्म होगा। यदि इसके उलट समाजवादी पार्टी को बढ़त मिलती है तो उत्तर प्रदेश की राजनीति में अखिलेश यादव का कद पड़ेगा और भाजपा को लगातार जनता के मुद्दे पर अखिलेश यादव घेरते नजर आएंगे। इन उपचुनाव में राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी के चुनावी कौशल की भी परीक्षा होनी है क्योंकि लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरनगर और कैराना गठबंधन के बावजूद बीजेपी हार गई थी। इसलिए गाजियाबाद,खैर और मीरापुर तीन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सीटों पर यदि भाजपा चुनाव नहीं जीत पाती है तो यह बीजेपी और राष्ट्रीय लोकदल के लिए भी भारी पड़ने वाली स्थिति होगी। इन उपचुनाव के लिए भी बहुजन समाज पार्टी और आजाद समाज पार्टी ने दावा ठोका है और चुनाव लड़ने का फैसला किया है। यदि आसपा और बसपा पूरी ताकत से चुनाव लड़ती है और दलित ओबीसी और अल्पसंख्यक वोटो का बिखराव होता है तो बीजेपी और इंडिया गठबंधन को कड़ी टक्कर देने वाली है और बीजेपी को भारी भी पड़ सकता है।

वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

वियतनाम में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत, 10 घायल

हनोई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। वियतनाम के उत्तरी क्षेत्र में गुरुवार सुबह राजमार्ग पर तीन वाहनों की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई तथा 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना स्थानीय समयानुसार आज सुबह करीब नौ बजे हनोई-हाई फोंग एक्सप्रेसवे पर हुई, जिसमें एक पिकअप ट्रक, एक सात सीटर वाहन और एक 16 सीटर मिनी बस की आपस में भीषण टक्कर में मिनी बस चालक सहित दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में तीनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जनरल स्टैटिस्टिक्स ऑफिस के अनुसार, 2024 की पहली छमाही में वियतनाम में यातायात दुर्घटनाओं में 5,343 लोग मारे गए।

हिजबुल्लाह ने इजरायली ठिकानों को बनाया निशाना

बेरूत, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह ने लेबनान में हमलों के जवाब में इजरायली ठिकानों को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने इजरायली ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह ने बुधवार को एक बयान में कहा कि लेबनान में हमलों के जवाब में उसके लड़ाकों ने गोलान हाइट्स के अल-ज़ौरा में इजरायली तोपखाने के ठिकानों पर दर्जनों कत्यूषा रॉकेटों से हमला किया। सूत्रों के अनुसार, लेबनानी सेना ने लेबनान की ओर से इजरायल की तरफ दागी गई लगभग 30 सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों की निगरानी की।

सूत्रों के अनुसार, इजरायल की सेना ने दक्षिणी लेबनान के पूर्वी हिस्से में तायर हरफा, काफ्र किला और मरकबा गांव को निशाना बनाया था। इजरायल ने ड्रोन और युद्धक विमानों से 11 शहरों और गांवों पर हमला किया था।

बता दें कि पिछले साल सात अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इसके बाद इजरायल ने बड़े पैमाने पर

■ हिजबुल्लाह के लड़ाकों ने मिसाइलों से किया हमला

■ लेबनान के 11 शहरों व गांवों पर हमला किया था इजरायल

हमास के खिलाफ हमले शुरू किए। हिजबुल्लाह ने हमास के प्रति एकजुटता दिखाते हुए इजरायल की ओर रॉकेटों की बौछार कर दी। इसके बाद से ही लेबनान-इजरायल सीमा पर तनाव बढ़ गया है।

गाजा में संघर्ष विराम होने पर ही हमले बंद करेंगे : हिजबुल्लाह

हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह का कहना है कि गाजा में संघर्ष विराम पर समझौता होने पर उनका समूह इजरायल पर हमला करना बंद कर देगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नसरल्लाह ने यह बात बुधवार को टेलीविजन पर दिए गए भाषण में कही। पिछले हफ्ते दक्षिणी लेबनान में इजरायल के हमले में पार्टी नेता मोहम्मद एन. नासिर मारा गया था, उसकी याद में उन्होंने यह टिप्पणी की। हिजबुल्लाह नेता ने इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट की पहले की टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया दी।

गाजा में युद्ध विराम के बाद फिलिस्तीन में एक ही सरकार होगी : मुस्तफा

रामल्लाह। फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा ने कहा है कि गाजा में युद्ध विराम हो जाने के बाद एक ही प्राधिकरण और सरकार फिलिस्तीन पर शासन करेगी यानी कि गाजा और वेस्ट बैंक में एक ही सरकार होगी।

शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बुधवार को बताया कि रामल्लाह में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों, वाणिज्यदूतों और राजदूतों के साथ बैठक के दौरान मुस्तफा ने एकता और सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।प्रधानमंत्री ने बुधवार को सिन्हुआ को भेजे गए अपने बयान में कहा कि युद्ध समाप्त होने के अगले दिन, फिलिस्तीन को एक ही प्राधिकरण और सरकार के तहत होना चाहिए। एक योजना के साथ एक टीम के रूप में भागीदारों के साथ काम करना चाहिए। कोई ट्रांजीशन पीरियड नहीं हो सकता जो और जटिलता पैदा करे।मुस्तफा ने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों और संयुक्त राष्ट्र संस्थानों से फिलिस्तीनी सरकार के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया ताकि गाजा और वेस्ट बैंक में मानवीय जरूरतों को पूरा किया जा सके।

इराक ने की कुर्दिस्तान में तुर्की की सैन्य घुसपैठ की निंदा

बगदाद, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इराक की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने कुर्दिस्तान क्षेत्र में तुर्की के सैन्य घुसपैठ की निंदा की। परिषद ने इसे इराकी संप्रभुता का उल्लंघन भी बताया है।

प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि परिषद ने तुर्की से अच्छे पड़ोसी होने का सम्मान करने और कूटनीतिक रूप से संलग्न होने की मांग की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने एक बयान के हवाले से बताया कि इराकी प्रधानमंत्री ने स्थिति का आकलन करने और संयुक्त प्रतिक्रिया के लिए कुर्दिस्तान का दौरा करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल बनाया है। कुर्दिस्तान मीडिया ने बताया कि तुर्की के सैनिकों ने हाल के दिनों में अमेदी के पास इराकी क्षेत्र में प्रवेश किया। तुर्की अक्सर उत्तरी इराक में स्थित पीकेके आतंकवादियों के खिलाफ सीमा पार अभियान चलाता है।

सुडोकू 6613

6								
			4		8		7	
4		7	9	5	3		8	
9		5						
8		1		4		7		5
						9		1
	9		8	2	1	4		7
	8		6		4			
								6

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 12 जुलाई , 2024 आषाण शुक्ल पक्ष 07

राशिफल

मेष - आज का दिन वित्तीय और व्यावसायिक दृष्टि से लाभदायक है। आपकी लंबी योजनाएं पूरी होंगी। बिजनेस में नई योजनाएं बना सकेंगे। लोकहित के लिए किए गए प्रयासों से आपका मन खुश रहेगा। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ - आज आपकी वाणी का जादू किसी को अभिभूत करके आपको लाभ दिलाएगा। वाणी की सौम्यता नए संबंध स्थापित करने में मदद करेगी। शुभ काम करने की प्रेरणा मिलेगी। पठन तथा लेखन की प्रवृत्तियों में अभिरुचि बढ़ेगी।

मिथुन - मानसिक दुविधा के कारण महत्वपूर्ण निर्णय लेने में परेशानी होगी। विचारों की अधिकता के कारण मानसिक अस्वस्थता का अनुभव होगा। अत्यधिक भावुकता आपकी दृढ़ता को कमजोर बनाएगी।

कर्क - अपने काम में सफलता प्राप्त करने के कारण आपके आनंद और उत्साह में बहुत अधिक वृद्धि होगी। ताजगी और स्फूर्ति का अहसास होगा। आज आप मित्रों और सगे-सम्बंधियों से मिलना हो सकता है।

सिंह - आपका दिन मिश्रितफल देनेवाला रहेगा। किसी लंबी योजना में आप कन्फ्यूज हो सकते हैं। महत्वपूर्ण काम में मनोवांछित सफलता प्राप्त नहीं कर सकेंगे। पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा।

कन्या - आपकी वाणी की मधुरता नए सम्बंध विकसित करने तथा कई जगहों पर लाभ कराने में सहायक होगी। आपके विचार अधिक समृद्ध होंगे। आप व्यापार-धंधे में सफल होंगे। अच्छा लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे।

तुला - आपको वाणी और व्यवहार पर अंकुश रखना आवश्यक है। परिवार या बाहर किसी के साथ विवाद होने की संभावना है। आप किसी का भला करने जाएंगे, लेकिन उसका प्रतिफल अच्छा नहीं मिलेगा। आय से अधिक व्यय होगा।

वृश्चिक - नौकरी- धंधे और व्यवसाय में लाभ की प्राप्ति होगी। मित्रों के साथ मुलाकात तथा प्रवास का आयोजन करेंगे। विवाहोत्सुक युवक- युवतियों के लिए शुभ संयोग निर्मित होगा तथा पत्नी से लाभ होगा।

धनु - आज आपकी यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारी के खुश रहने से पदोन्नति की संभावनाएं बढ़ेंगी। तंदुरुस्ती बनी रहेगी। परिवार में आनंद का वातावरण रहेगा। पिता तथा सरकार से लाभ मिलेगा।

मकर - बौद्धिक कार्य या साहित्य लेखन जैसी प्रवृत्तियों के लिए आज अनुकूल दिन है। आपके व्यवसाय में नई विचारधारा आपके कार्यों को नया स्वरूप देगी। व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतिकूल वातावरण आपके मन को अस्वस्थ बनाएंगे।

कुंभ - आज आपको नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह दी जाती है। झगड़े विवाद से बचें। क्रोध और वाणी पर संयम रखें। पारिवारिक माहौल दूषित रहेगा। वित्तीय तंगी का अनुभव होगा।

मीन - व्यापारियों को आगे बढ़ने के बहुत से अवसर मिलते रहेंगे। पार्टनरशिप के काम के लिए समय अच्छा है। कलाकार और साहित्यकार कुछ अच्छा रचने के काबिल रहेंगे। बड़े लोगों से सम्मान प्राप्त कर सकेंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

सिडनी में व्यक्ति पर एक घर में आग लगाने का आरोप

सिडनी, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सिडनी के पश्चिमी क्षेत्र में एक व्यक्ति पर कथित रूप से एक घर में आग लगाने का आरोप है, जिसमें तीन बच्चों की झुलसकर मौत हो गई थी। आस्ट्रेलियाई पुलिस ने गुरुवार को बताया कि स्थानीय समयानुसार रविवार देर रात करीब एक बजे, लालोर पार्क में फ्रीमैन स्ट्रीट पर एक घर में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल कर्मी

■ तीन बच्चों की झुलसकर हो गई थी मौत

मौके पर पहुंचे। आग में झुलस चुके एक महिला (29) सहित छह बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दो बालक की मौत हो गई जबकि दमकल कर्मियों को घटनास्थल पर एक पांच महीने की बच्ची का शव मिला। न्यू साउथ वेल्स पुलिस बल ने कहा कि उनकी पहचान की औपचारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। प्राधिकरण के अनुसार, एक व्यक्ति (28) पुलिस की निगरानी में वेस्टमीड अस्पताल में भर्ती है।

नेपाली कांग्रेस ने दहल के खिलाफ वोट करने के लिए जारी किया व्हिप

काठमांडू, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाली कांग्रेस ने अपने विधायकों को शुक्रवार को होने वाले फ्लोर टेस्ट में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल के खिलाफ वोट करने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्टों में गुरुवार को यह जानकारी दी गई। काठमांडू पोस्ट के अनुसार, पार्टी के शीर्ष व्हिप रमेश लेखक ने एक अधिसूचना जारी करके नेपाली कांग्रेस के सदस्यों से प्रतिनिधि सभा में विश्वास हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा लाए जाने वाले प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने के लिए कहा।

श्री दहल ने संविधान के अनुच्छेद 100(2) के अनुसार फ्लोर टेस्ट का उपयोग करने का विकल्प चुना, जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री जिस राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व करते हैं यदि वह विभाजित है या गठबंधन सरकार में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिनों के भीतर प्रतिनिधि सभा में विश्वास मत के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि सीपीएन-यूएमएल ने सीपीएन (माओवादी सेंटर) के साथ अपने गठबंधन को छोड़ने और नई सरकार बनाने के लिए नेपाली कांग्रेस के साथ जुड़ने के बाद बुधवार

■ 2022 को प्रधानमंत्री नियुक्त होने के बाद से यह दहल का पांचवां फ्लोर टेस्ट होगा

को सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया। अशोक राय के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी और नागरिक मुक्ति पार्टी ने भी सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया है। पच्चीस दिसंबर, 2022 को प्रधानमंत्री नियुक्त होने के बाद से यह श्री दहल का पांचवां फ्लोर टेस्ट होगा। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री इस बार विश्वास मत हार सकते हैं, क्योंकि गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी सीपीएन-यूएमएल ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। बुधवार को यूएमएल ने अपने विधायकों को फ्लोर टेस्ट के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ वोट करने का निर्देश दिया।

वर्ग पहेली 6613

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४				■	■	■	

बायें से दायें:-

१. जिस दिन किसी का जन्म हुआ हो
४. चिढ़ाना, नकल उतारना, उपहास का विषय
६. माथा, ललाट
७. दबने या दबाये जाने का भाव
८. निर्लज्ज, बेहया
१०. गुलामी
११. 'शेयर होल्डर'
१३. दुष्ट व्यक्ति
१४. जीवावशेष
१५. प्राकृतिक, नैसर्गिक (उर्दू)
१७. ऊंट के नाक या किसी नुकीली चीज की नोंक
२१. मूर्खता, नासमझी(उर्दू)
२२. के सहारे के द्वारा (उर्दू)
२४. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. परशुराम के पिता
२. दो दिशाओं में बीच की जगह
३. बुद्धिमान
४. बेचैनी
५. पथिक, राहगीर
९. आंसू
११. लक्ष्मण के एक पुत्र का नाम
१३. शत्रु, बैरी
१४. बहादुर, साहसी, हिम्मतवर
१५. वह पत्र या कागज जिसमें किसी संपत्ति को कुर्क करने संबंधी आदेश लिखा हो (उर्दू)
१६. चंद्रमा
१८. सिर्फ, मात्र
१९. स्वर्ण, सोना
२०. किस समय
२३. एवं, और

वर्ग पहेली-6612

१ च	टु	२ ला	ल	३ स	■	४ व	क्ष	५ स्थ	ल
का	■	भ	■	६ म	वे	शी	■	गि	■
७ का	रिं	दा	■	झ	■	८ क	ल्प	त	९ रू
र	■	य	■	१० दा	य	र	■	■	प
■	११ मि	क	१२ दा	र	■	■	१३ ब	ढ़ि	या
■	लिं	■	खि	■	१४ वि	द्रो	ह	■	पै
१५ ब	द	१६ हा	ल	■	वा	■	१७ स	१८ ह	सा
र	■	स्य	■	१९ ना	ह	२० क	■	ल	■
२१ सा	रं	गी	■	सू	■	२२ जा	य	फ	२३ ल
त	■	२४ त	त्प	र	ता	■	■	■	ज्जा

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

नाटो सहयोगी साइबर रक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए सहमत

■ केंद्र बेल्जियम में नाटो के रणनीतिक सैन्य मुख्यालय पर आधारित होगा

मॉस्को, 11 जुलाई (एजेंसियां)। नाटो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सदस्य देश बेल्जियम में साइबर खतरों से निपटने के लिए एक केंद्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं।

बुधवार को बयान में कहा गया कि नाटो सहयोगी अधिक परिष्कृत साइबर खतरों से बचने के लिए एक नया केंद्र स्थापित करने पर सहमत हुए। इसने कहा कि यह केंद्र नाटो सैन्य कमांडरों को साइबर स्पेस में संभावित खतरों और कमजोरियों के बारे में सूचित करेगा, जिसमें सैन्य गतिविधियों का समर्थन करने के लिए आवश्यक निजी स्वामित्व वाले नागरिक महत्वपूर्ण अवसंरचना शामिल हैं। यह केंद्र नाटो उद्यम, सहयोगी देशों से नागरिक और सैन्य कर्मियों और उद्योग के विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा।

फिलीपींस में आया 7.0 तीव्रता का भूकंप

मनीला, 11 जुलाई (एजेंसियां)। सुल्तान कुदारत प्रांत में गुरुवार सुबह 7.0 तीव्रता का भूकंप आया। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वॉलकैनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने ये जानकारी दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिकस, संस्थान ने कहा कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 10.13 बजे आया। यह 722 किलोमीटर की गहराई पर था और तटीय शहर पालेमबांग से लगभग 133 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था।

अमेरिकी में नागरिकता प्रमाण की आवश्यकता वाला विधेयक पारित

वाशिंगटन, 11 जलाई (वार्ता) अमेरिका के निचले सदन ने एक विधेयक पारित किया गया है, जिसके तहत देश में संघीय चुनावों के मतदान के लिए पंजीकरण करवाने वाले व्यक्तियों को अमेरिकी नागरिकता का प्रमाण प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। सदन के सांसदों ने बुधवार को 221-198 बहुमत से विधेयक पारित किया, जिसके बाद सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी एक्ट निरस्त हो गया।

सदन के बहुमत नेता स्टीव स्कैलिस ने कहा कि बाइडेन प्रशासन के तहत दक्षिणी सीमा पर अवैध आव्रजनों की बढ़ी संख्या के बीच संघीय चुनावों में सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस विधेयक के तहत अमेरिकी नागरिक ही मतदान करने के पात्र हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि वह इस कानून का विरोध करता है, क्योंकि शायद कभी-कभार ही गैर-नागरिकों ने संघीय चुनावों में मतदान किया होगा, ऐसा हर बार हो ये जरुरी नहीं है। अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने कहा कि कानून का विरोध करने वाले सांसद अमेरिका के गद्दार हैं और जो लोग इस विधेयक से असहमत हैं, वे चुनावों में धोखाधड़ी करने की कोशिश कर रहे हैं।

आज का इतिहास

1290 – इंग्लैंड के सम्राट ऐडवर्ड प्रथम के आदेश पर यहूदियों को बाहर निकाला गया।
1346 – लक्जमबर्ग के चार्ल्स चतुर्थ को रोमन साम्राज्य का शासक चुना गया।
1673 – नीदरलैंड और डेनमार्क के बीच रक्षा संधि पर हस्ताक्षर हुए।
1690 – विलियम ऑफ ऑरेंज के नेतृत्व में प्रोटेस्टेंटों ने रोमन कैथोलिक सेना को पराजित किया।
1801 – अल्जीसिरास की लड़ाई में ब्रिटेन ने फ्रांस और स्पेन को पराजित किया।
1823 – भारत में निर्मित पहला वाष्प जहाज 'डायना' का कलकत्ता में जलावतरण।
1862 – अमेरिकी कांग्रेस ने मेडल ऑफ ऑनर को प्राधिकृत किया।
1912 – 'क्वीन एलिजाबेथ' अमेरिका में प्रदर्शित होने वाली पहली विदेशी फिल्म बनी।
1918 – टोकायाम की खाड़ी में जापानी युद्धपोत में विस्फोट में 500 लोगों की मौत।
1935 – बेल्जियम ने तत्कालीन सोवियत संघ को मान्यता दी।
1949 – महात्मा गाँधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबन्ध को सशर्त हटाया गया।
1957 – अमेरिकी सर्जन लेरोय इ बर्नी ने बताया कि धूम्रपान और फेफड़े के कैंसर में सीधा संबंध होता है।
1960 – भागलपुर और रांची यूनिवर्सिटी की स्थापना।
1970 – अलकनंदा नदी में आई भीषण बाढ़ ने 600 लोगों की जान ली।
1990– प्रसिद्ध सोवियत नेता बोरिस येल्तसिन ने सोवियत कम्युनिस्ट पार्टी से इस्तीफा दिया।

आस्था *कठिन तो है पर तनावमुक्त है इस बार की अमरनाथ यात्रा*

लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही अमरनाथ यात्रा

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 11 जुलाई (देशबन्धु)। प्रति वर्ष होने वाली अमरनाथ की वार्षिक यात्रा इस बार तनाव मुक्त लेकिन उन लोगों के लिए बहुत ही कठिन है जो पहली बार इसमें शामिल हुए हैं क्योंकि इस यात्रा के साथ घटित घटनाओं आदि ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया है। जबकि रोचक तथ्य यह है इस यात्रा के प्रति कि पहली बार यात्रा में भाग लेने वालों के दिलोदिमाग में यहां इसके प्रति आकर्षण है। वहीं आतंकवादी घटनाओं की त्रासदी के दौर से गुजरने वालों के दिलोदिमाग पर त्रासदी का भयानक साया।

इस बार यात्रा में भाग लेने वालों में 80 प्रतिशत ऐसे लोग हैं जो पहली बार यात्रा में शामिल हुए हैं। उन्हें इस यात्रा का आकर्षण अपनी ओर खींच लाया। बिहार के रतन लाल सिंह की यह पहली यात्रा थी जो अपने पड़ौसी के साथ इसलिए आया था क्योंकि तीन बार इस यात्रा में शामिल होने वाले पड़ौसी के मुख से यात्रा के प्रति सुनने वाली कथाओं ने उसे मजबूर किया कि वह भी इस यात्रा में शामिल होकर उन दृश्यों को अपने दिलोदिमाग में कैद कर सके जिनका गुणगान उसका पड़ौसी अक्सर करता रहता था।

रतन लाल सिंह की ही तरह अन्य ऐसे यात्री भी इस बार यात्रा में शामिल हुए जिनका यह पहला दौरा था। इन सभी को यात्रा के साथ बीतने वाली घटनाओं ने

■ 80 प्रतिशत ऐसे लोग हैं जो पहली बार यात्रा में हुए है शामिल

अपनी ओर आकर्षित किया है। इसमें 1996 की त्रासदी, वर्ष 2000 में हुआ अमरनाथ यात्रियों का सबसे बड़ा नरसंहार और हर बार आतंकवादियों की ओर से लगाए जाने वाला प्रतिबंध, जारी होने वाली धमकी भी थी।

हालांकि इस बार यात्रा के तनाव मुक्त रहने से सिर्फ यात्री ही नहीं बल्कि सुरक्षाधिकारी भी खुश हैं। उनकी खुशी इसलिए भी है क्योंकि इस बार प्रकृति उन पर और भाग लेने वालों पर कुछ हद तक मेहरबान है। वैसे एक दो बार मौसम बहुत ही खराब हुआ तो सभी के चेहरे उतर गए थे क्योंकि उन सभी को 1996 की त्रासदी याद आ गई थी जो 1996 की त्रासदी को भुगत चुके थे।

इन सबके बावजूद, जिसमें इस बार आतंकवादी धमकी और प्रतिबंध भी नहीं है तथा मौसम कभी-कभार अपना रंग दिखाता है अभी तक अमरनाथ यात्रा सुचारु रुप से ही चल रही है जिसमें भाग लेने वालों की बढ़ती भीड़ पिछले साल का रिकार्ड तोड़ चुकी है। 29 जून से आरंभ हुई यह यात्रा 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा के दिन अमरनाथ गुफा के भीतर बनने वाले शिवलिंग के मुख्य दर्शन के साथ ही समाप्त हो जाएगी।

दुनिया को जानें

शेष विश्व की तुलना में दोगुनी हरित ऊर्जा क्षमता का निर्माण कर रहा चीन

मॉस्को, 11 जुलाई (एजेंसियां)। चीन बाकी दुनिया की तुलना में लगभग दोगुनी नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बनाने की दिशा में अग्रसर है। ऊर्जा क्षेत्र के गैर-सरकारी संगठन ग्लोबल एनर्जी मॉनिटर (जीईएम) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उसने एक रिपोर्ट में कहा कि चीन पहले से ही निर्माणाधीन 180 गीगावॉट सौर और 159 गीगावॉट पवन ऊर्जा के साथ नवीकरणीय ऊर्जा विकास में वैश्विक नेता के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। दोनों का कुल योग बाकी दुनिया की तुलना में लगभग दोगुना है और पूरे दक्षिण कोरिया को बिजली आपूर्ति करने के लिए पर्याप्त है।इसकी तुलना में अमेरिका में 40 गीगावाट सौर और पवन ऊर्जा क्षमता निर्माणाधीन है।

जीईएम ने कहा कि चीन ने किसी भी अन्य वर्ष की तुलना में 2023 में लगभग दोगुनी सौर और पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी। 2024 की पहली तिमाही तक चीन की कुल सौर और पवन क्षमता 758 गीगावॉट तक पहुंच गई। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मार्च में चीन में उच्च गुणवत्ता वाली हरित ऊर्जा के विकास को सुविधाजनक बनाने के प्रयासों को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

प्रादेशिकी

लैंड फ्रॉड मामलों पर हाईकोर्ट में सुनवाई

नैनीताल, 11 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राज्य में भूमि की धोखाधड़ी और अवैध खरीद फरोख्त पर अंकुश लगाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश रितु बाहरी व न्यायमूर्ती राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा है कि 2014 में राज्य सरकार ने लैंड फ्रॉड समवन्य कमेटी गठित की थी, वह किस तरह से कार्य कर रही है और अभी तक कमेटी के पास कितने लैंड फ्रॉड से सम्बंधित शिकायते आई है। कोर्ट ने अगले मंगलवार 16 जुलाई तक स्थिति स्पष्ट करने के आदेश दिए है। मामले के अनुसार देहरादून निवासी सचिन शर्मा ने जनहित याचिका दायर कर कहा था कि राज्य सरकार ने साल 2014 में प्रदेश में लैंड फ्रॉड व जमीन से जुड़े मामलों में होने वाले धोखाधड़ी को रोकने के लिए लैंड फ्रॉड समन्वय समिति का गठन किया था।

हिमाचल में दो हफ्ते में 45 की मौत, 57 घर क्षतिग्रस्त, भारी बारिश का अलर्ट

शिमला, 11 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक रिकॉर्ड

■ बारिश के कारण राज्य में अब तक 171 करोड़ का नुकसान हुआ

बारिश हुई है और इसके कारण पिछले दो सप्ताह में 45 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक कांगड़ा जिला में सबसे ज्यादा 11 लोगों की मौत हुई है। सोलन व कुल्लू में 6-6, बिलासपुर में पांच, मंडी में चार, ऊना में चार, सिरमौर में तीन, चम्बा व किन्नौर में दो-दो और हमीरपुर व शिमला में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। आपातकालीन परिचालन केंद्र के प्रवक्ता ने बताया कि बारिश से संबंधित घटनाओं में डूबना, सड़क दुर्घटनाएं और ऊंचाई से गिरना शामिल है। उन्होंने बताया कि 23 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं, आठ लोगों की बहने, ऊंचाई से गिरने के कारण छह, बिजली की चपेट में आने से चार और सर्प दंश से तीन लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि विभिन्न हादसों में अब तक 68 लोग घायल हुए हैं, जबकि दो अब भी लापता हैं। प्रवक्ता के मुताबिक मानसूनी वर्षा से पहाड़ी राज्य में 57 कच्चे-पक्के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 10 घर पूरी तरह तबाह हो गए, जबकि 47 घरों को आंशिक तौर पर नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 51 पशुशाला और चार दुकानें भी ध्वस्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण राज्य में अब तक 171 करोड़ का नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा नुकसान 101 करोड़ रुपये का लोक निर्माण विभाग को हुआ है। जबकि जलशक्ति विभाग को 6255 लाख रुपये का नुकसान पहुंचा है। राहत की बात यह है कि राज्य में मानसून सीजन में अब तक भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, बादल फटने और आसमानी बिजली की वजह से कोई मौत नहीं हुई है। राज्य में भूस्खलन से गुरूवार सुबह तक भूस्खन से 12 सड़कों के अवरूद्ध होने से वाहनों की आवाजाही ठप रही। इसके अलावा छह बिजली ट्रांसफार्मर और एक पेयजल परियोजना बाधित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिमला जिला में पांच, मंडी में चार और कांगड़ा में तीन सड़कें अवरूद्ध हुई हैं। चंबा जिला में चार और कुल्लू व मंडी में एक-एक ट्रांसफार्मरों के बंद होने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। बिलासपुर जिला में एक पेयजल आपूर्ति भी ठप पड़ी है। राज्य में पिछले तीन दिनों से मानसून के मंद पड़ने से जोरदार वर्षा नहीं हुई है।

भारी बरसात में मदद के लिए 35 सदस्यीय एनडीआरएफ, गृह रक्षक की 9 सदस्यीय टीम तैनात

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जिला शिमला में बीते वर्ष बरसात के चलते काफी जान-माल का नुकसान देखने को मिला था। इस वर्ष बरसात से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां की हैं, ताकि समय रहते नुकसान को कम किया जा सके। समय-समय पर लोगों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है। जिलाधीश अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी की अध्यक्षता में शुक्रवार को शिमला शहर में आपदा से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और गृह रक्षकों के संयुक्त टास्क फोर्स के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा आपदा में राहत कार्यों को तीव्रता से तभी पूरा किया जा सकता है, जब घटना स्थल के बारे पूर्ण जानकारी एकत्रित होगी। जब हमारी टास्क फोर्स मौके पर पहुंच जाए तो प्लान बनाने की बहुत कम आवश्यकता रहें। इसके साथ ही हमारा रिस्पॉन्स समय बहुत ही तेज गति से होना चाहिए।

तीन महीने के लिए कार्य करेगी संयुक्त टास्क फोर्स

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि यह टास्क फॉर्स तीन महीने के लिए शिमला शहर के लिए गठित की गई है। फोर्स के पास अत्याधुनिक उपकरण और तकनीक उपलब्ध है ताकि आपदा के समय राहत कार्यों को आसानी से अंजाम दिया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि हर उपमंडल स्तर पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधीन फोर्स काम करेगी। हर क्षेत्र में एहतियात के तौर पर सारे पूर्वाभ्यास किए गए है। इसके साथ ही चयनित स्थानों पर मशीनों को तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी ने कहा कि आपदा में फोर्स की ओर से टीम वर्क होना चाहिए। टीम में निपुण सदस्यों को कार्य का बंटवारा किया जाना चाहिए ताकि राहत कार्यों को करने में कम से कम दिक्कतों का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आपदा का प्रारूप बदलता जा रहा है। विकास कार्यों के चलते भी कई चुनौतियां हमारे समक्ष है। हमारे लिए आपदा की चपेट में आने वाले हर व्यक्ति की जान की सुरक्षा करना महत्वपूर्ण है। शिमला शहर के लिए गठित टास्क फोर्स में एनडीआरएफ की टीम के 35 सदस्य है और गृह रक्षक के 9 सदस्य है, जिनके पास पर्याप्त मात्रा में वाहन उपलब्ध है।

आम नागरिक की अहम भूमिका

आपदा के समय आम नागरिक को अहम भूमिका निभाते हुए राहत कार्यों में प्रशासन और आपदा कार्यों में लोगों की मदद करनी चाहिए। इसके साथ ही आपदा की सूचना जिला प्रशासन के साथ तुरंत साझा करनी चाहिए ।

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने सीतारमण से की मुलाकात

पंजाब के उद्योग और किसानों के मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/चंडीगढ़, 11 जुलाई (देशबन्धु)। केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर लंबी चर्चा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर पंजाब के सीमावर्ती जिलों के लिए विशेष प्रोत्साहन और उद्योग तथा किसानों के लिए प्रोत्साहन की मांग की। कल देर रात आयोजित एक मैराथन बैठक में पंजाब के मुद्दों को उठाते हुए बिट्टू ने वित्त मंत्री से सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब की मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार करने का आग्रह किया। बिट्टू ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर राज्य में निवेश और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए पंजाब के सीमावर्ती जिलों अमृतसर, फिरोजपुर, गुरदासपुर और तरनतारन के लिए विशेष प्रोत्साहन की मांग की। मंत्री ने वित्त मंत्री को बताया कि प्रमुख क्रेडिट लिंक्ड कैपिटल सब्सिडी स्कीम (सीएलसीएसएस) को 1,00,00.000 की सीमा के साथ फिर से शुरू किया जाना चाहिए, क्योंकि तकनीकी प्रगति हासिल करने में एमएसएमई का समर्थन करने वाली प्रभावी योजनाओं की कमी है। पूंजीगत लागत में हाल ही में हुई वृद्धि के मद्देनजर, यह वांछित है कि प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत सीमा बढ़ाकर 1,00,00,000 कर दी जाए। पंजाब में एमएसएमई को कवर करने के लिए माल ढुलाई सब्सिडी

मानदंड में संशोधन का सुझाव देते हुए, बिट्टू ने वित्त मंत्री से अनुरोध किया कि भारत में निकटतम बंदरगाह तक माल पहुंचाने की परिवहन लागत पंजाब जैसे भूमि से घिरे राज्यों के लिए तटीय राज्यों की तुलना में बहुत अधिक है। लागत संबंधित राज्य से निकटतम बंदरगाह की दूरी पर भी निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ हिस्से और पश्चिम बंगाल जैसे कई अन्य राज्य 50 से 90 प्रतिशत तक की परिवहन सब्सिडी का आनंद ले रहे हैं।

सार संक्षेप

कांग्रेस की रिपोलिंग की मांग को भाजपा ने बताया हार की बौखलाहट

देहरादून। भाजपा ने उपचुनाव को लेकर रिपोलिंग की कांग्रेसी मांग को, मतदाताओं का रुख देखकर उपजी उनकी हार की बौखलाहट बताया है। प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी ने कहा, दोनों विधानसभा में जनता ने जो भरोसा मोदी और धामी पर जताया है, उससे कांग्रेसी विश्वास पूरी तरह डिगा हुआ है। पार्टी मुख्यालय में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कोठारी ने मंगलोर उपचुनाव को लेकर कांग्रेसी आरोपों को सिरे से नकारते हुए अनर्गल एवम संभावित हार की हताशा बताया। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा, जो तमाम आरोप वे लगा रहे हैं, वो सभी कारगुजारियां कांग्रेस नेताओं की है। पहले उनके बाहरी कार्यकर्ताओं द्वारा उपद्रव किया गया और फिर उसे फायरिंग के झूठे आरोपों के साथ समूची विधानसभा में प्रसारित किया गया। ताकि क्षेत्र में माहौल खराब किया जाए और मतदान प्रक्रिया को प्रभावित किया जाए। स्वयं उनके बाहरी विधानसभा के बड़े नेता वहां घूम घूम कर मतदाताओं को प्रभावित कर रहे थे। लेकिन वहां की जनता ने बड़े साहस के साथ विकास के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लिया है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, मतदाताओं का रुख देखकर कांग्रेस बुरी तरह से बौखलाई हुई है और रिपोलिंग जैसी अतर्किक मांग कर रही है। जबकि सच्चाई यह है कि दोनों विधानसभा की जनता ने पीएम मोदी और मुख्यमंत्री धामी पर विश्वास कर भाजपा के पक्ष में मत दिया है।

बोल्डर की चपेट में आने से मजदूर बाल-बाल बच गए

चमोली। ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे, जोशीमठ चुंगी धार के पास एक बार फिर से बंद हो गया है। दरअसल 58 घंटे बाद गुरुवार सुबह इस मार्ग को पैदल आवाजाही के लिए खोल दिया गया था। इस बीच ड्रिलिंग करने वाली आरओसी मशीन के ऊपर अचानक बोल्डर गिर गया। बोल्डर गिरने से वहां काम कर रहे बीआरओ के टेक्नीशियन और मजदूरों के बीच अफरा तफरी मच गई। बोल्डर की चपेट में आने से मजदूर बाल-बाल बच गए। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें साफ देखा जा सकता है कि एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम यात्रियों को पैदल रास्ता पार करा रही थी। जबकि कुछ मजदूर और तकनीशियन चट्टान को ड्रिलिंग कर रहे हैं। ठीक उसी समय ऊपर से बड़ा पत्थर गिरकर सड़क पर जाता है। गनीमत रही कि इस दौरान कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। वहीं हाईवे पर बड़े बोल्डर के ऊपर ड्रिल कर रही मशीन इस दौरान पहाड़ी से गिरे बोल्डर की चपेट में आ गई। जिसके बाद सड़क खोलने का काम एक बार फिर कुछ समय के लिए रोकना पड़ा है।

सुडोकू 6613 का हल

6	3	8	7	1	2	5	9	4
2	5	9	4	6	8	1	7	3
4	1	7	9	5	3	6	8	2
9	4	5	1	3	7	2	6	8
8	6	1	2	4	9	7	3	5
7	2	3	5	8	6	9	4	1
3	9	6	8	2	1	4	5	7
5	8	2	6	7	4	3	1	9
1	7	4	3	9	5	8	2	6

शहीद हुए उत्तराखंड के पांच नौजवानों को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

टिहरी, 11 जुलाई (देशबन्धु)। टिहरी के कांग्रेसजनों ने जम्मू कश्मीर के कठुआ आतंकी हमले में शहीद हुए उत्तराखंड के पांच नौजवानों को साईं चौक बौराड़ी में कैंडल लाइटिंग के माध्यम से श्रृद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस शहर अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने कहा कि देश की रक्षा के लिए सीमाओं पर उत्तराखंड के नौजवान हमेशा ही मुस्तैदी से लड़ते हैं और अपनी जान की बाजी लगाकर मातृभूमि की रक्षा करते हैं। हमारे नौजवानों पर आतंकियों द्वारा किया गया कायराना हमला बहुत ही दुखद है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के एक महीने के कार्यकाल में हुए तीन बड़े आतंकी हमलों में अभी तक 8 सैनिक एवं 10 आम नागरिक शहीद हो चुके हैं जो की एक बड़ी चिंता का विषय है।उन्होंने कहा कि एक के बदले 10 सर लाने का वक्त आ गया है। पूर्व प्रमुख विजय गुनसोला प्रदेश कांग्रेस समिति के सदस्य एवं पूर्व शहर अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि समूचा उत्तराखंड हमारे पांच सैनिकों के बलिदान से गमगीन है।वीर शहीदों को आतंकियों के हमले का शिकार होने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। हमारे लिए हर एक सैनिक की जान अमूल्य है। एक एक जवान की शहादत का बदला लिया जाना चाहिए और आतंक के ऊपर कठोर कार्रवाई करते हुए उसे कुचला जाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। पीसीसी सदस्य मुशर्रफ अली एवम मुरारी लाल खंडवाल ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। विपक्ष से लेकर हर भारतीय आतंक के खिलाफ होने वाली लड़ाई में अपनी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत ने शहीदों के परिजनों के प्रति संवेदना

भाजपा सरकार के एक महीने के कार्यकाल में 8 सैनिक एवं 10 आम नागरिक शहीद हो चुके हैं : कुलदीप पंवार

व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश अपने वीर सपूतों की शहादत को कभी नहीं भूल पाएगा और उनके परिवार जनों के साथ मजबूती से खड़ा है।

उन्होंने सरकार से निवेदन किया कि हमारे सैनिकों की शहादत बेकार नहीं जानी चाहिए और आतंकवाद पर लगाम लगाने को जो भी आवश्यक हो सके सरकार को करना चाहिए। हर नागरिक सरकार के उस कदम के साथ खड़ा रहेगा।

अपने वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में उपरोक्त के अलावा भगवान चंद्र कुलदीप पंवार विजय गुनसोला, मुशर्रफ अली, देवेंद्र नौडियाल,मुरारी लाल, खुशी लाल, राजेंद्र सवाल, गणेश जखमोला, महिताब, सुषमा डुमोगा, अनीता शाह, संगीता, रेणु पंवार, सुनीता नेगी देवकी देवी, अंशिका, लक्ष्मी रावत, विरेंदे दत्त,गब्बर सिंह, दिनेश पंवार, मुर्तजा बेग मनीष पंत, निहाल सिंह नेगी, टीकम सिंह, अव्वल सिंह, सार्थक, इमरान खान, भगवानी देवी, यशपाल राणा, दिनेश, श्रीपाल, पुरषोत्तम,यशवंत रावत व घनश्याम आदि शामिल है।

पंचतत्व में विलीन हुईं विधायक शैलारानी रावत

रुद्रप्रयाग, 11 जुलाई (देशबन्धु)। केदारनाथ विधानसभा सीट की दिवंगत विधायक शैलारानी रावत का अंतिम संस्कार कर दिया गया है। दिवंगत केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत की शव यात्रा में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अगस्त्यमुनि से निकली शव यात्रा को देखने के लिए मकानों की छतों में लोग खड़े रहे और लोगों ने शव यात्रा को हाथ जोड़कर नमन किया। इस दौरान वाहनों का लंबा काफिला रहा। शव यात्रा में विभिन्न संगठन के लोगों ने भाग लिया। केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत का निधन मंगलवार रात्रि को 10:30 बजे हुआ था। जिसके बाद से संपूर्ण प्रदेश में शोक की लहर छा गई। बुधवार को शव यात्रा देहरादून से अगस्त्यमुनि पहुंची। आज गुरुवार सुबह दिवंगत विधायक के शव को अगस्त्यमुनि खेल मैदान के एक पांडाल में रखा गया। यहां पहुंचे हजारों लोगों ने दिवंगत विधायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अगस्त्यमुनि खेल मैदान से शव यात्रा करीब साढ़े दस बजे रवाना हुई। शव यात्रा में राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, युवा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा, विधायक रुद्रप्रयाग भरत सिंह चौधरी, भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, वरिष्ठ नेता कुलदीप रावत सहित

■ अगस्त्यमुनि के त्रिवेणी घाट पर बेटी एश्वर्या और भतीजे ने दी मुखाग्नि
■ राज्यसभा सांसद, मंत्री, विधायक व कई नेता अंतिम यात्रा में हुए शामिल

अन्य शामिल हुए। शव का दाह संस्कार त्रिवेणी घाट में किया गया। शैलारानी की बेटी ऐश्वर्या रावत एवं भतीजे शैलेन्द्र रावत ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि दिवंगत विधायक शैला रानी के निधन से भाजपा संगठन से लेकर प्रदेश को बहुत बड़ी क्षति हुई है। विधायक ने सदैव जनता के हित में कार्य किए, जिन्हें कभी भी केदारघाटी की जनता भूल नहीं पाएगी।

शैलारानी का राजनीतिक कॅरियर

देहरादून। केदारनाथ विधायक शैलारानी का राजनीतिक करियर मिलाजुला रहा। उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी दोनों पार्टियों की ओर से राजनीति की। उनका राजनीतिक सफर कांग्रेस से शुरू हुआ था। 2012 में शैलारानी कांग्रेस के टिकट से जीतकर विधानसभा पहुंची थीं। हरीश रावत की सरकार के दौरान मची भगदड़ में शैलारानी भी 9 विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल हो गई थीं। बीजेपी के टिकट से उन्होंने 2017 में केदारनाथ विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में वो हार गई थीं। इसके बावजूद बीजेपी हाईकमान ने उन पर विश्वास बनाए रखा। 2022 में पार्टी ने उन्हें फिर से केदारनाथ विधानसभा सीट से टिकट दिया। इस बार के चुनाव में शैलारानी रावत ने विजय हासिल की थी।

संजना सातरोड़ का प्रेम नगर, मिरदाद, खान बहादुर ढाणियों व धिगताना दौरा

हिसार, 11 जुलाई (देशबन्धु)। बरवाला हल्के में सक्रिय संजना सातरोड़ ने वीरवार को गांव ढाणी प्रेम नगर, ढाणी मिरदाद के सरकारी स्कूल, ढाणी खान बहादुर के सरकारी स्कूल और गांव धिगताना का दौरा किया। उन्होंने इन स्थानों पर पौधारोपण किया व कैम्पर्स और टी-शर्ट्स वितरित की। इस दौरे में उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और कहा कि वे उन्हें सुलझाने का प्रयास करेंगी।

सबसे पहले ढाणी प्रेम नगर में संजना सातरोड़ ने मनरेगा कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उन्हें कैम्पर्स और टी-शर्ट्स वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान और उनके लिए सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। संजना सातरोड़ ने पौधरोपण महाअभियान के तहत ढाणी मिरदाद सरकारी स्कूल में फलदार पौधे लगाए और छात्रों तथा शिक्षकों के साथ समय बिताया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हर पौधा हमारे भविष्य की ओर एक कदम है। हमें अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। इसी कड़ी में

■ फलदार पौधों का किया रोपण
■ कैम्पर्स और टी-शर्ट्स वितरित किए
■ लोगों के जीवन को और बेहतर बनाना लक्ष्य

ढाणी खान बहादुर के सरकारी स्कूल में भी संजना सातरोड़ ने पौधरोपण किया और छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। उन्हें एक हरा-भरा और स्वच्छ वातावरण देना हमारी जिम्मेदारी है। संजना सातरोड़ ने गांव धिगताना में मनरेगा कार्यकर्ताओं से मिलकर उन्हें कैम्पर्स और टी-शर्ट्स वितरित किए। उन्होंने गांव के विकास कार्यों का जायजा लिया और लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। संजना ने कहा कि मैं हर हाल में आपके साथ हूं और आपके हर समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। संजना सातरोड़ ने अपने इस दौरे के दौरान कहा कि मेरा उद्देश्य सिर्फ चुनाव जीतना नहीं है, बल्कि हमारे क्षेत्र के लोगों के जीवन को और बेहतर बनाना है। मैं और मेरी टीम पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देगी। फ़ोटो 1, 2 व 3 : संजना सातरोड़ ने वीरवार को गांव ढाणी प्रेम नगर, ढाणी मिरदाद के सरकारी स्कूल, ढाणी खान बहादुर के सरकारी स्कूल और गांव धिगताना का दौरा किया।

हिमाचल को कौशल हब के रूप में किया जा रहा विकसित : राजेश धर्माणी

शिमला, 11 जुलाई (देशबन्धु)। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने आज यहां 'राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना' विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कहा कि युवा समाज की अमूल्य निधि हैं और प्रदेश सरकार युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर प्रशिक्षित श्रम बल तैयार कर रही है। सरकार का लक्ष्य हिमाचल को कौशल हब के रूप में विकसित करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कौशल विकास एवं उद्यमिता पर विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। युवाओं को राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना के बारे में जागरूक किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को वज़ीफा प्रदान कर प्रशिक्षुता प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है। निदेशक तकनीकी शिक्षा राज्य प्रशिक्षुता योजना की निगरानी एवं क्रियान्वयन संबंधी कार्यों के राज्य प्रशिक्षुता सलाहकार हैं। प्रदेश सरकार ने राज्य में योजना के प्रति जागरूकता लाने के लिए 78 सहायक प्रशिक्षुता सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। जिला स्तर पर भी संबंधित जिलों में उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशिक्षुता समिति गठित की है। सरकार ने प्रदेश में अकुशल श्रम शक्ति को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए छः उद्योग कलस्टर बीबीएनआईए बद्दी, जिला लघु उद्योग संघ बिलासपुर, हिमाचल चैम्बर्ज ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री, परवाणु इंडस्ट्री एसोसिएशन, सोलन इंडस्ट्री एसोसिएशन और

■ युवाओं को राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना के बारे में जागरूक किया जा रहा है

हरोली ब्लॉक इंडस्ट्री एसोसिएशन को प्रति कलस्टर एक करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। प्रदेश में राज्य स्तर पर प्रशिक्षुता निगरानी सेल गठित किया गया है। यह सेल प्रशिक्षुओं के लिए निरंतर कार्यशालाएं एवं सेमिनार आयोजित करता है। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में योजना के अन्तर्गत कुल 2569 संस्थान पंजीकृत हैं और 27,615 प्रशिक्षुओं ने पंजीकरण किया है। उन्होंने कहा कि वेबसाईट पर संस्थान और प्रशिक्षु पंजीकरण कर सकते हैं। प्रदेश सरकार युवाओं के लिए बेहतर प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध करवा रही है और उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल एवं श्रम शक्ति को तैयार किया जा रहा है।

वेंचर फंड के तहत प्रोत्साहित किए जाएंगे स्टार्टअप : राधा रतूड़ी

अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 11 जुलाई (देशबन्धु)। गुरुवार को मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान सीएस ने उत्तराखण्ड वेंचर फंड के तहत चयनित किए जाने वाले ऐसे अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फण्ड को वरीयता देने के निर्देश दिए हैं। जिनके जरिए उत्तराखंड की आर्थिकी मजबूत होने के साथ ही रोजगार सृजन, तकनीकी साझेदारी और पूंजीगत निवेश को प्रोत्साहन मिले। सीएस ने कहा उत्तराखंड स्टार्टअप पॉलिसी 2023 की थीम पर चलने वाले अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फण्ड को ही

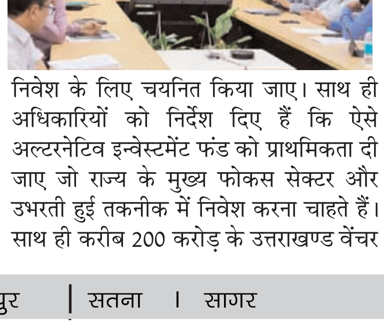

निवेश के लिए चयनित किया जाए। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड को प्राथमिकता दी जाए जो राज्य के मुख्य फोकस सेक्टर और उभरती हुई तकनीक में निवेश करना चाहते हैं। साथ ही करीब 200 करोड़ के उत्तराखण्ड वेंचर

■ राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के दिए निर्देश
■ स्टार्टअप ईकोसिस्टम में निजी क्षेत्र के निवेश को किया जाएगा प्रोत्साहित

फण्ड के तहत राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि, मत्स्य पालन, हॉर्टीकल्चर, डेरी से सम्बन्धित स्टार्टअप को लगाने में सहायता की जाये। सीएस ने सोशल वेंचर के तहत अधिक से अधिक महिला स्वयं सहायता समूहों, महिलाओं को स्थानीय उत्पादों विशेषरूप से स्थानीय मिलेट्स के उत्पादन एवं प्रोसेसिंग के जरिए स्टार्टअप लगाने में सहायता के निर्देश दिए हैं। पिरूल के इस्तेमाल पर आधारित स्टार्टअप को भी प्रोत्साहित करने के साथ ही ग्राम्य विकास विभाग को भी इस कार्य से जोड़ने के लिए कहा है। उत्तराखण्ड वेंचर फंड के तहत सार्वजनिक निधि का लाभ उठाते हुए राज्य के स्टार्टअप ईकोसिस्टम में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित किया जाये। स्टार्टअप को विकास निधि या वेंचर ऋण प्रदान करने के साथ ही प्रदेश के युवाओं को अपने स्टार्टअप को पंजीकृत कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाये। दरअसल, करीब 200 करोड़ रूपये के उत्तराखंड वेंचर फंड में आईआईटी रुड़की और आईआईएम काशीपुर मुख्य ईकोसिस्टम पार्टनर हैं। उत्तराखण्ड वेंचर फंड के तहत उत्तराखंड के स्टार्टअप ईकोसिस्टम में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने, उत्तराखण्ड के युवाओं को अपने स्टार्टअप पंजीकृत करवाने के लिए प्रोत्साहित करने और उत्तराखण्ड में सकारात्मक आर्थिकी एवं सामाजिक प्रभाव सृजित करना उद्देश्य है। उत्तराखंड स्टार्टअप नीति 2023 के तहत राज्य को अगले 5 वर्षो में सभी ईकोसिस्टम प्लेयर्स के लिए स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रादेशिकी

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में हिमाचल सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार से सम्मानित : हर्षवर्धन

शिमला। हिमाचल प्रदेश के उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने गुरुवार को यहां बताया कि हिमाचल प्रदेश को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवोन्मेषी पहल और उल्लेखनीय कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ राज्य पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 'एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप' द्वारा आयोजित 'एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव' में केन्द्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदान किया। हिमाचल प्रदेश की ओर से यह पुरस्कार आवासीय आयुक्त मीरा मोहंती ने प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों व नीतियों के सफल कार्यान्वयन से प्रदेश के लाखों किसानों और ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं और उनकी आर्थिकी सुदृढ़ हुई है।

बाढ़ कार्यों में लापरवाही पर 5 एडीएम और 5 आपदा विशेषज्ञों से जवाब-तलब

लखनऊ, 11 जुलाई (देशबन्धु)। सरकारी कार्यों में हीलाहवाली करने वाले लापरवाह अधिकारी लगातर सीएम के निशाने पर बने हुए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार में लिप्त और कार्यों में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के लिए

■ **लखनऊ, प्रतापगढ़, सीतापुर, अंबेडकनगर और बलिया के अधिकारी मुख्यमंत्री के निशाने पर**

लगातार सख्त एक्शन ले रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी ने गुरुवार को बाढ़ संबंधी कार्यों में लापरवाही एवं क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में लापरवाही बरतने वाले पांच जिले के एडीएम एफआर और आपदा विशेषज्ञों से स्पष्टीकरण तलब किया है। इन पांचों जिलों के लापरवाह अधिकारियों को दो दिन में अपना स्पष्टीकरण देना होगा। बताया जा रहा है कि अगर जवाब संतोषजनक नहीं हुआ तो सीएम योगी सख्त कार्रवाई कर सकते हैं। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाढ़ प्रभावित इलाकों की रोजाना अपेडट ले रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को राहत कार्यों से संबंधित दिशा-निर्देश दे रहे हैं ताकि जनहानि-धनहानि को कम से कम किया जा सके। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लखनऊ, प्रतापगढ़,

सीतापुर, अंबेडकरनगर और बलिया के एडीएम एफआर और आपदा विशेषज्ञ द्वारा बाढ़ संबंधी सूचना ससमय उपलब्ध न कराने एवं क्षतिग्रस्त फसलों के सर्वे में लापरवाही की सूचना मिली। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए लापरवाह पांचों जिलों के एडीएम एफआर और आपदा विशेषज्ञ को स्पष्टीकरण सौंपने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने इन सभी को दो दिन में स्पष्टीकरण मुख्यमंत्री कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। राहत आयुक्त ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर लखनऊ के एडीएम एफआर राकेश सिंह, आपदा विशेषज्ञ अमर सिंह, प्रतापगढ़ के एडीएम एफआर त्रिभुवन विश्वकर्मा, आपदा विशेषज्ञ अनुपम शेखर तिवारी, अंबेडकरनगर के एडीएम एफआर सदानंद गुप्ता, आपदा विशेषज्ञ सूर्यभान सिंह को नोटिस जारी की गयी है। इसके अलावा बाढ़ संबंधी कार्यों में शिथिलता बरतने पर सीतापुर के एडीएम एफआर नितीश कुमार सिंह, आपदा विशेषज्ञ हीरालाल और बलिया के एडीएम एफआर देवेंद्र प्रताप सिंह, आपदा विशेषज्ञ पियूष कुमार सिंह को नोटिस जारी की गई है

श्रावस्ती में बचाव अभियान में अदम्य साहस दिखाने वाले 7 लोगों को एक-एक लाख का इनाम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को श्रावस्ती में 7 जुलाई को बाढ़ में फंसे 11 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकालने वाले पीएसी के पांच जवानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने अदम्य साहस का परिचय देने वाले सभी पांच जवानों को एक-एक लाख रुपये की इनामी धनराशि देने की घोषणा की। इतना ही नहीं सीएम ने प्रशासन को बिना घबराये सही समय पर सटीक सूचना देने वाली रेखा देवी और फ्लडी पीएसी के जवान के लिए गाइड की भूमिका निभाने वाले राम उजागर को प्रशस्ति पत्र के साथ एक-एक लाख रुपये की इनामी धनराशि देने की घोषणा की। श्रावस्ती में 7 जुलाई को तहसील जमुनहा की ग्राम पंचायत गजोभरी के ग्राम मोहनपुर भरथा एवं केवटन पुरवा में अचानक नेपाल से छोड़े गये पानी की जलधारा में 11 लोग फंसे गये थे। इसकी जानकारी ग्राम भरथा केवटनपुरवा की श्रमिक रेखा देवी ने बिना घबराये सही समय पर सटीक सूचना प्रशासन को दी, जिससे प्रशासन को 11 श्रमिकों के फंसे होने की जानकारी व स्थिति प्राप्त हो सकी। इसके अलावा ग्राम भरथा केवटनपुरवा के राम उजागर द्वारा बचाव कार्य के लिए जा रही फ्लड पीएसी के बोट पर बैठकर उनके द्वारा पथप्रदर्शक का साहसिक कार्य किया गया। वहीं फ्लड पीएसी के पांच जवान सोनू कुमार, अमरेश कुमार सरोज, शुभम सिंह, सतीश कुमार यादव और मनोज कुमार ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए रात में ही सफलतापूर्वक बचाव अभियान को सम्पन्न किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रेखा देवी, राम उजागर के साथ अपने प्राणों की चिंता किये बिना बचाव अभियान को सफल बनाने वाले फ्लड पीएसी के पांच जवानों को प्रशस्ति पत्र दिया। वहीं सभी 7 लोगों को एक-एक लाख रुपये की इनामी धनराशि देने की घोषणा की।

अब एआई के जरिए अवैध खनन के परिवहन पर अंकुश लगा रही सरकार

लखनऊ, 11 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश में अवैध खनन और इसके परिवहन के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियान में नई तकनीक का बड़े स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। इसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं। योगी सरकार के भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग द्वारा अब मानव रहित एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित चेक गेट की स्थापना से अवैध खनन और इसके परिवहन पर प्रभावी अंकुश

■ **2022-23 में 9092 मामले पकड़े गए, 2023-24 में 13374 और 2024-25 में अबतक 1865 मामलों में हुई प्रवर्तन की कार्रवाई**

लगाने में मदद मिल रही है। बीते लगभग सवा दो साल में अबतक 24 हजार से अधिक मामलों में एआई, आईओटी और एम चेक ऐप के माध्यम से इन्फोर्समेंट की कार्रवाई को अंजाम दिया जा चुका है। वहीं इस दौरान 316 करोड़ से अधिक का शमन शुल्क भी वसूला गया है। अवैध खनन और इसके परिवहन पर प्रभावी कार्रवाई के लिए हर जिले में आठ टीमें गठित की गई हैं। वर्तमान में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस (एआई) जहां उद्योग, व्यापार, शिक्षा और मनोरंजन सहित विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त दखल रखने लगा है तो इसका उपयोग अब अवैध खनन और इसके परिवहन के खिलाफ अभियान में भी हो रहा है। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 25 जिलों में प्रमुख मार्गों पर 55 मानव रहित एआई एवं आईओटी आधारित चेक गेट स्थापित किये गये हैं। इन चेक गेट पर लगे हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से यहां से होकर गुजरने वाले खनिज वाहनों के परिवहन प्रपत्रों की वैधानिकता की जांच रियल टाइम बेसिस पर हो जा रहा है। ये चेकगेट हॉटस्पॉट लोकेशन पर लगाए गये हैं। यही नहीं सभी चेक गेट विभाग के निदेशालय सहित कमांड सेंटरों के साथ ही जिला स्तर पर बनाए गये कमांड सेंटरों से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा एम चेक ऐप से भी अवैध खनन और उसके परिवहन पर प्रभावी लगाम लगाने में कामयाबी मिली है। एम चेक ऐप एक एंड्रॉयड आधारित मोबाइल अप्लीकेशन है जो खनिज

परिवहन प्रपत्रों की स्कैनिंग करने, वाहन से संबंधित आंकड़े प्राप्त करने, प्रोसेसिंग करने एवं वायरलेस ट्रांसमिशन की सुविधाओं से युक्त है। इसके अलावा प्रदेश के प्रत्येक जिलों के जनपदीय अधिकारियों को आरएफआईडी हैंड हेल्ड रीडर उपलब्ध कराए गये हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2022-23 में एआई के जरिए 9092 मामलों में इन्फोर्समेंट की कार्रवाई हुई, जिसमें 38.48 करोड़ रुपए वसूले गये। इसी प्रकार 2023-24 में 13374 मामलों में कार्रवाई हुई जिससे 53.07 करोड़ रुपए का शमन शुल्क वसूला गया। वहीं इस वित्तीय वर्ष में जून माह तक 1865 मामलों में इन्फोर्समेंट की कार्रवाई की गई है, जिससे 6.51 करोड़ रुपए शमन शुल्क वसूला गया है।

सार संक्षेप

शाहजहांपुर के जाम से लोग हलकान

किठौर। नगर पंचायत शाहजहांपुर में मेरठ-गढ़ रोड पर जाम की स्थिति पूरे दिन बनी रहती है जिसकी वजह से आने जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है घंटो घंटो जाम में फंसे रहने की वजह से इस भीषण गर्मी में जहां यात्री गर्मी से परेशान है वही उनके साथ में छोटे बच्चे बिल बिला जाते हैं। फल मंडी मेरठगढ़ रोड पर होने की वजह से दोनों और सड़क के गाड़ियां खड़ी हो जाती

हैं जिसकी वजह से जाम लग जाता है रही सही कसर मंडी की दुकान चलाने वाले पुरी कर देते हैं आम की पेटिया सड़क तक लगा देते हैं इस बात से पुलिस प्रशासन की चुप्पी सामने आती है अगर प्रशासन का रवैया ढीला ना रहे तो इस जाम से बचा जा सकता है नगर पंचायत कार्यालय के पास जाम की स्थिति देखने लायक होती है वहां से निकलना बड़ा मुश्किल हो जाता है इसके अलावा गढ़ गंगा पर स्नान करने के लिए जाने वाले भक्तों को भी फल मंडी के जाम को झेलना पड़ता है जिसकी वजह से घटो लोग परेशान रहते हैं।

नशा मुक्ति जागरुकता की छात्राओं को दिलाई शपथ

मवाना। आर्य कन्या इंटर कॉलेज मवाना में गुरुवार को नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। शिक्षिका अनीता कुमारी ने प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को नशा नहीं करने की

शपथ दिलाई। प्रभारी प्रधानाचार्या आशा भारती ने छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव के विषय में बताया। छात्राओं को इस बात के लिए प्रेरित किया कि वह अपने परिचितों व आसपास के लोगों को भी नशे से बचाव के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर डॉक्टर संगीता जैन, कविता रस्तोगी, रूबी सैनी, आशा रानी, चंद्रप्रभा पाल, पूजा सिंह ,सीमा शर्मा, विनय कुमारी , मंजू रानी, अंतिमा आदि उपस्थित रहे।

15 जुलाई को होगा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम

मेरठ। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि जनपद मेरठ में 15 जुलाई को गढ़ रोड स्थित भगवती फार्म हाउस में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम होना प्रस्तावित है। उन्होने जनपद मेरठ वासियों को सूचित करते हुये बताया कि ऐसे व्यक्ति जिनकी परिवार की वार्षिक आय रूपये 02 लाख की सीमा तक है एवं कन्या की आयु 18 वर्ष व वर की आयु 21 वर्ष है।

सूचना

मेरा मझला पुत्र निशंक व उसकी पत्नि श्रीमति सोनिया, मेरे व मेरी पत्नि के कहने में नही है। इनके द्वारा किये गये किसी भी कार्य एवं लेन-देन से मेरा व मेरी पत्नि का कोई सम्बन्ध वास्ता नही है। इसलिये मैने अपने मझले पुत्र निशंक को अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। - वेदप्रकाश पुत्र स्व0 श्री जगजीत सिंह निवासी म0नं0 138, गगन विहार, रोहटा रोड, थाना टी0पी0 नगर, मेरठ शहर।

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने जन शिक्षण संस्थान की जोनल कान्फ्रेंस में किया प्रतिभाग

पीएमकेवीवाई योजना से मेरठ के 97 हजार से अधिक लोग लाभान्वित : जयंत चौधरी

मेरठ, 11 जुलाई (देशबन्धु)। गुरुवार को केन्द्रीय राज्यमंत्री कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) एवं राज्यमंत्री शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार जयंत चौधरी ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के

■ **केन्द्रीय राज्यमंत्री द्वारा स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया**

सुभाष चन्द्र बोस ओडिटोरियम में मुख्य अतिथि के रूप में जन शिक्षण संस्थान की जोनल कान्फ्रेंस में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। केन्द्रीय राज्यमंत्री द्वारा स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। केन्द्रीय राज्यमंत्री द्वारा प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया गया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री ने विवि परिसर में पौधारोपण भी किया।

जयंत चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप हम भारत के युवाओं के लिए बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। जेएसएस योजना के तहत हमारा लक्ष्य कम

आय वाले समूहों के बीच क्षमता निर्माण को बढ़ाना और कौशल विकास के अवसरों का विस्तार करना है।

व्यक्तिगत और आर्थिक विकास के लिए कौशल विकास और अपस्किलिंग की प्रक्रियाएं आवश्यक हैं। कहा कि ह्लपीएमकेवीवाई योजना पहले ही मेरठ के 97,000 से अधिक लोगों और पूरे भारत में 1.4 करोड़ लोगों को लाभान्वित कर चुकी है। इसके अलावा, एनएपीएस (नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम कर्मचारियों को लगातार विकसित हो रही उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर राज्यमंत्री ऊर्जा डॉ. सोमेन्द्र तोमर, सांसद बागपत डा. राजकुमार सांगवान, सांसद बिजनौर चंदन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, विधायक मेरठ कैंट अमित अग्रवाल, विधायक सिवालखास गुलाम मौहम्मद, एमएलसी धर्मेन्द्र भारद्वाज, जिलाधिकारी दीपक मीणा, सीडीओ नूपुर गोयल, कुलपति संगीता शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी, जन शिक्षण संस्थान के सदस्य, लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

धूमधाम से राम दरबार की मूर्तियों की हुई स्थापना

मवाना, 11 जुलाई (देशबन्धु)। फलावदा कस्बे के मुख्य बाजार शहीद भगत सिंह चैक स्थित प्राचीन सदा शिव मंदिर समिति के तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। इस दौरान राम दरबार की मूर्तियों की परिक्र मा शोभायात्रा में अनेक महिलाओं ने कलश यात्रा,डीजे, बैंड बाजों के साथ कस्बे के विभिन्न मोहल्लों में निकाल कर प्राचीन सदा शिव मंदिर भगत सिंह चौक परिसर में रविशास्त्री, विकास कुमार ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर श्री राम दरबार मूर्तियों की स्थापना के साथ शनि देव काली माता, बाबा मोहन राम की मूर्तियां भी विराजमान कराई। मुख्य रूप से राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने स्थापित मूर्तियों की पूजा अर्चना की। कार्यक्रम समापन पर भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें महिला पुरुष सहित अनेक लोगों ने शामिल होकर पूजा अर्चना कर परिवार की यश कीर्ति के लिए मन्नतें मांगी। इस दौरान दिपांश रस्तौगी, अश्वनी बिश्नोई, ब्रजमोहन गोयल व शनि शिला की स्थापना सुनील विश्नोई ,व काली मां की मूर्ति की स्थापना मंदिर समिति के अध्यक्ष विपिन रस्तोगी,

■ **मुख्य रूप से राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने स्थापित मूर्तियों की पूजा अर्चना की**

उपाध्यक्ष संजय गोयल, परवीन प्रजापति, हनी रस्तोगी व सदस्य रिंकू रस्तोगी, गुड्डु रस्तोगी, ब्रजमोहन विश्नोई, प्रदीप रस्तोगी, विमल रस्तोगी, तरुण रस्तोगी, सुनील रस्तोगी, भास्कर अग्रवाल, अश्वनी विश्नोई, अजय शर्मा, नरेंद्र खटीक, राकेश शर्मा, रामू पालीवाल, विशाल प्रजापति, कृष्णगोपाल सैनी, योगेंद्र गुर्जर, तंजेब, कमल रस्तोगी, उज्जवल प्रजापति, मनोज जाटव, निशु, अनुज धीमान, सभासद कुसुमलता विश्नोई, शिवानी रस्तोगी, रेशू अग्रवाल, राधिका शर्मा, आदि कस्बे के लोग मौजूद रहे।

कांवड यात्रा के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने की जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक

मेरठ, 11 जुलाई (देशबन्धु)। आगामी कांवड यात्रा के दृष्टिगत आज चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय के बृहस्पति भवन में

■ **जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्र में रहे भ्रमणशील : जिलाधिकारी**

जिलाधिकारी दीपक मीणा द्वारा जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि समस्त अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र का भ्रमण कर लें। समस्त अधिकारी अपने क्षेत्र की सडक, स्ट्रीट लाईट की स्थिति देख लें तथा अपने क्षेत्र के एसडीएम, एसओ, सीओ, इंस्पेक्टर, शिविर संचालक तथा अन्य व्यवस्थाओ से संबंधित अधिकारी के संपर्क में रहे। इस अवसर पर सीडीओ नूपुर गोयल, अपर जिलाधिकारी नगर बृजेश सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अनिल कुमार, एसडीएम सरधना पंकज प्रकाश राठौर, जिला विकास अधिकारी अम्बरीष कुमार, बीएसए आशा चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी व जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

मवाना अनूपशहर गंग नहर के पुराने पुल के पास तैयार खड़ा पुल

मवाना, 11 जुलाई (देशबन्धु)। मेरठ पौड़ी हाईवे पर मवाना के निकट अनूपशहर शाखा गंग नहर पर पुराने पुल के पास लोक निर्माण विभाग ने करीब पांच करोड़ की लागत से पुल तैयार कर दिया। पुल का निर्माण पूरे हुए तीन साल से अधिक समय बीत गया लेकिन लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अफसर तीन साल से एप्रोच रोड की नाप तौल नहीं करा पाये। इस कारण तैयार हुआ पुल जर्जर होने लगा है। एक सप्ताह पहले सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुराने और जर्जर पुलों पर वाहन

■ **मुख्यमंत्री के आदेश पर गंभीरता नहीं दिखा रहे अफसर**

गुजारने के लिए मनाही कर दी थी लेकिन विभाग के अफसरों ने मुख्यमंत्री के आदेश पर गंभीरता नहीं दिखाई। पुराने पुल से ही भारी वाहन गुजर रहे हैं। मवाना नगर से एक किमी दूरी पर अनूपशहर शाखा गंगनहर पुल बना हुआ है। सिंचाई विभाग के अनुसार यह पुल ब्रिटिश शासनकाल में वर्ष 1854 में बनाया गया था। वर्तमान समय में इस पुल की हालत अच्छी नहीं थी। अक्टूबर 2014 से दिसंबर 2014 तक गंग नहर पर बने पुल का एक पिलर टूट गया था, जिस कारण लोक निर्माण विभाग ने तीन माह के लिए इस पुल से भारी यातायात व बसों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया था। पांच अक्टूबर 2019 से पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था, लेकिन लॉकडाउन के चलते 22 मार्च से मजदूरों के पलायन से पुल निर्माण का कार्य थम गया। अगस्त 2020 से गंग नहर पर पुल बनाने का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। विभाग के अनुसार गंग नहर पर निर्माणाधीन पुल का पूरा निर्माण दिसम्बर 2021 में पूरा हो गया था। लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता सतेन्द्र सिंह कहते है कि इस पुल के एप्रोच रोड के लिए इस्टीमेट पहले ही स्वीकृत हो चुका है। एप्रोच रोड की नाप-तौल का काम अधूरा है। इसकी नाप-तौप के लिए कई बार एसडीएम कार्यालय जा चुके है लेकिन एप्रोच रोड की नापतौल पूरी नहीं होने के कारण पांच करोड़ से तैयार पुल वाहनों के लिए खोला नहीं जा रहा है।

वैंकटेश्वरा का केरेबियन देश लिसिथो के साथ शैक्षणिक करार

मेरठ, 11 जुलाई (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय का केरेबियन देश लिसिथों के साथ 'साझा शैक्षणिक प्रोग्राम' पर सहमति बन गई। इस करार के तहत दोनों देशों के स्टूडेंट्स एवं शिक्षक एक दूसरे के देश के विश्वविद्यालयों में रिसर्च, अनुसंधान एवं उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त रूप से काम करेंगे। यह जानकारी आज रिपब्लिक ऑफ लिसिथों के दूतावास में हुए शैक्षणिक समझौते के बाद विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी एवं लिसिथों की उच्चायुक्त एम्बेसडर मिसेज लिबोहंग वेलेनटाईन ने संयुक्त रूप से दी। प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी ने बताया कि लिसिथों की हाई कमिश्नर/राजदूत मिसेज लिबोहंग वेलेनटाईन आगामी 22 जुलाई को विश्वविद्यालय की विजिट भी करेंगी। इस शानदार

'शैक्षणिक अनुबंध' की सहमति पर जानकारी देते हुए लिसिथों की उच्चायुक्त/गवर्नर मिसेज लिबोहंग वेलेनटाईन ने बताया कि हमें खुशी है कि हम उत्तर भारत के बड़े शैक्षणिक ब्रांड वैंकटेश्वरा समूह के साथ मिलकर काम करेंगे। हमारे देश में उच्च शिक्षा विशेष रूप से एग्रीकल्चर सेक्टर में आर्गेनिक फार्मिंग व फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में असीम संभावनाएं है। इस ऐतिहासिक शैक्षणिक अनुबंध सहमति पर समूह अध्यक्ष डा. सुधीर गिरि को शैक्षणिक जगत से जुड़े लोगों ने बधाइयां प्रेषित की है। उनकों बधाइयां देने वालों में अध्ययन समूह के

हमें खुशी है कि हम उत्तर भारत के बड़े शैक्षणिक ब्रांड वैंकटेश्वरा समूह के साथ मिलकर काम करेंगे : मिसेज लिबोहंग वेलेनटाईन

चेयरमैन संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षाविद डा. ललित भारद्वाज, डॉ. सुनील जिंदल, डा. नीरज काम्बोज, प्रधान सलाहकार प्रो. वी.पी.एस.अरोड़ा, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलपति प्रो. (डा.) कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव डा. पीयूष पांडेय, डीन रिसर्च डा. राजेश सिंह, डा. दिव्या गिरधर, डॉ. आशुतोष सिंह, प्रो. टी.पी.सिंह, डॉ. रामनाथन झा, डॉ. अतुल वर्मा एवं मेरठ परिसर से निदेशक डा. प्रताप मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोगो ने बधाइयाँ दी है।

सुभारती एनएसएस सेल को अंतरराष्ट्रीय संस्था ने किया सम्मानित

मेरठ, 11 जुलाई (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ को अंतरराष्ट्रीय संस्था वीगन आउटरीच द्वारा प्रशंसा प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया है। एनएसएस सेल को फूड-प्लानेट-हेल्थ के अंतर्गत हमारे भोजन के विकल्प हमारे पर्यावरण और जानवरों को कैसे प्रभावित करते हैं विषय पर जागरूकता गतिविधियों के संचालन के लिए यह प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया गया। विदित है कि वीगन आउटरीच एक वैश्विक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है, जो अपनी विविध गतिविधियों द्वारा छात्र समुदाय को जानवरों और पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करता है और शाकाहार को प्रोत्साहित करता है। विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी.के. थपलियाल, एसएम (से.नि.) ने एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक प्रो. डॉ. एस. सी. थलेडी को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एनएसएस सेल द्वारा की जा रही गतिविधियों

की सराहना की। कुलपति ने इस अवसर पर युवा और छात्र केंद्रित गतिविधियों के अधिक-से-अधिक आयोजन पर भी जोर दिया। बता दें कि इससे पूर्व भी स्वच्छता गतिविधियों के लिए एनएसएस सेल को आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फिट इंडिया रन-2023 आदि कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए भी प्रशंसा प्रमाण-पत्र दिए जा चुके हैं।

हरियाणा सरकार

"गांवों के विकास से जुड़े हर कार्य में पंचायत की अहम भूमिका होती है। सशक्त पंचायतें हमारे समृद्ध गांवों की पहचान हैं। हमारा ध्येय इनके अधिकारों में वृद्धि करके इन्हें और सक्षम बनाना है।"

- नायब सिंह

"हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत बनाने और लोगों के सपनों को पंख देने के लिए काम करती रहेगी।"

- नरेन्द्र मोदी

ग्रामीण विकास में सशक्त पंचायतें बन रही आधार

राज्य स्तरीय पंचायत सम्मेलन

दिनांक - 12 जुलाई, 2024 । समय - दोपहर 2:00 बजे

स्थान - इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, सेक्टर-5, पंचकूला

मुख्य अतिथि

श्री नायब सिंह

मुख्यमंत्री, हरियाणा

अध्यक्षता

श्री महिपाल ढांडा

राज्य मंत्री, विकास एवं पंचायत (स्व.प्र.), हरियाणा

कार्यक्रम से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें

विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा

देशबन्धु

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एशियन पेंट	3.10 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.53 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.22 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	0.82 प्रतिशत
अडाणी पोर्ट्स	0.71 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	6.62 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.21 प्रतिशत
टीसीएस	2.05 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.58 प्रतिशत
एसबीआई	1.38 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

एनपीसीआई इंटरनेशनल की कतर में यूपीआई भुगतान शुरू करने की तैयारी

- यूपीआई भुगतान सेवा शुरू करने के लिए क्यूएनबी के साथ किया करार
- देश में आने व वहां से गुजरने वाले भारतीय यात्रियों को होगा लाभ

UPI payments introduced in France by NPCI International and Lyra

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर में क्यू आर कोड आधरित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान सेवा शुरू करने के लिए क्यूएनबी के साथ करार किया है।

एनपीसीआई ने कहा कि मध्य पूर्व और अफ्रीका के सबसे बड़े वित्तीय संस्थान क्यूएनबी के साथ देश भर में क्यूआर कोड-आधारित यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान शुरू करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल क्यूएनबी मर्चेंट नेटवर्क के माध्यम से कतर में यूपीआई भुगतान स्वीकृति को सक्षम करके एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिससे देश में आने और वहां से गुजरने वाले भारतीय यात्रियों को बहुत लाभ होगा। यह साझेदारी भारतीय पर्यटकों को खुदरा स्टोर, पर्यटक आकर्षण, अवकाश स्थलों, शुल्क-मुक्त दुकानों और होटलों में अपनी पसंदीदा भुगतान विधि का उपयोग करने का विकल्प प्रदान करेगी। यह घोषणा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय कतर में अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के दूसरे सबसे बड़े समूह के रूप में रैंक करते हैं।

यूपीआई भुगतान को अपनाकर, कतर के व्यापारी भी तेज़ और अधिक सुविधाजनक भुगतान और चेकआउट प्रक्रिया प्रदान करने में सक्षम होंगे, जिससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ेगी और देश भर में व्यवसायों के लिए कई अवसर खुलेंगे। यह साझेदारी दुनिया भर में यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए वास्तव में अंतर-संचालन योग्य डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग करने के लिए एनआईपीएल के समर्पण को रेखांकित करती है।

बैंक ऑफ इंडिया ने दिया 935.44 करोड़ का लाभांश

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया ने सरकार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 935.44 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। बैंक ने जारी बयान में कहा कि उसके प्रबंध निदेशक और सीईओ रजनीश कर्नाटक और सभी चार कार्यकारी निदेशकों द्वारा बैंक ऑफ इंडिया के सरकारी मनोनित निदेशक भूषण कुमार सिन्हा की उपस्थिति में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश कल लाभांश का चेक प्रदान किया गया। बैंक ऑफ इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2.80 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (28 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया था। पूरे वर्ष 2023-24 के लिए, बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 57 प्रतिशत बढ़ा, जो वित्त वर्ष 23 में 4,023 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 6,318 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने कहा कि सरकार को सफलतापूर्वक लाभांश का भुगतान करके उसने अपने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और अपने शेयरधारकों के लिए मूल्य सृजन के प्रति समर्पण की पुष्टि की है। यह उपलब्धि बैंक की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता और लगातार रिटर्न उत्पन्न करने की उसकी क्षमता का प्रमाण है।

भारत की गोल्ड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री पैदा करेगी 25 हजार रोजगार के नए अवसर : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की गोल्ड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री 2030 तक 25,000 रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी। इस दौरान 15,000 करोड़ रुपए का निवेश इंडस्ट्री में देखने को मिल सकता है। एक रिपोर्ट में गुरुवार को यह जानकारी दी गई।

इंडस्ट्री बॉडी पीएचडीसीसीआई (पीएचडी चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) की ओर से कहा गया कि पुराने और नए खिलाड़ियों का घरेलू स्तर पर गोल्ड का उत्पादन 2030 तक बढ़कर 100 टन तक पहुंच सकता है। इसे विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा होगा। इसके साथ ही व्यापार संतुलन में सुधार होगा और जीडीपी में योगदान बढ़ेगा।

पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष संजीव अग्रवाल ने कहा कि भारतीय गोल्ड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री तेज ग्रोथ और बदलाव के लिए तैयार है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को फायदा होगा और 2047 तक हम विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा कर पाएंगे। आगे कहा कि भारत की गोल्ड इंडस्ट्री में 2030 तक 15,000 करोड़ रुपए का निवेश हो सकता है। 2023 में यह आंकड़ा 1,000 करोड़ रुपए पर था।

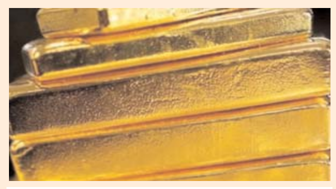

- भारत से आता है दुनिया में गोल्ड की कुल मांग का 17 प्रतिशत हिस्सा

भारत गोल्ड के बड़े बाजारों में से एक है। दुनिया में गोल्ड की कुल मांग का 17 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता है। इसे ज्यादातर आयात के जरिए पूरा किया जाता है। अग्रवाल ने आगे कहा कि मौजूदा समय में भारत में गोल्ड का उत्पादन 16 टन है, जो कि 2030 में 100 टन हो जाएगा। इससे आयात में काफी कमी देखने को मिल सकती है।

गोल्ड की आपूर्ति सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत की दर से बढ़कर 2030 तक 1,000 टन होने की उम्मीद है, जो कि फिलहाल 857 टन है। अग्रवाल ने आगे कहा कि घरेलू गोल्ड उत्पादन बढ़ने से अर्थव्यवस्था अधिक आत्मनिर्भर बनेगी। 2030 तक गोल्ड उत्पादन की जीडीपी में हिस्सेदारी 0.10 प्रतिशत की हो सकती है।

छोटे शहरों में 65 प्रतिशत पहुंचा डिजिटल लेनदेन का आंकड़ा

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के छोटे शहरों और कस्बों में ग्राहकों की ओर से होने वाले कुल लेनदेन में डिजिटल ट्रांजैक्शन का आंकड़ा 65 प्रतिशत को छू गया है, जो कि बड़े शहरों में 75 प्रतिशत है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। किर्नी इंडिया और अमेजन पे इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में डिजिटल भुगतान क्रांति का नेतृत्व मिलेनियल्स (25 से 43 वर्ष) और जेन एक्स (44 से 59 वर्ष) के लोग कर रहे हैं। बूमर्स (जिनकी आयु 60 वर्ष से अधिक है) में भी कार्ड और वॉलेट का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

- यूपीआई बना पहली पसंद

किर्नी इंडिया में फाइनेंशियल सर्विसेज लीड और पार्टनर, शाश्वत शर्मा ने कहा कि ऑनलाइन और ऑफलाइन लेनदेन दोनों में डिजिटल भुगतान का तरीका तेजी से जोर पकड़ रहा है। इसके साथ ही बीएनपीएल (बाय नाउ पे लेटर) जैसे तरीके भी उभर रहे हैं।

इस रिपोर्ट से पता चलता है कि कैसे भारत में लेनदेन करने की तरीके में बदलाव आ रहा है। यह रिपोर्ट 120 से ज्यादा शहरों के सर्वे के आधार पर तैयार की गई है।

भारत में वित्त वर्ष 14 से 23 के बीच पैदा हुए 12.5 करोड़ नए रोजगार : रिपोर्ट

मुंबई, जुलाई 11 (एजेंसियां)। भारत में वित्त वर्ष 14 से लेकर वित्त वर्ष 23 के बीच 12.5 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, जो कि वित्त वर्ष 4 से वित्त वर्ष 14 के मुकाबले 4.3 गुना ज्यादा है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दशकीय नियुक्तियों के आंकड़े को देखा जाए तो वित्त वर्ष 14 से 23 के बीच 12.5 करोड़ नौकरियां पैदा हुईं, जबकि वित्त वर्ष 4 से लेकर वित्त वर्ष 14 के बीच यह आंकड़ा 2.9 करोड़ पर था। अगर कृषि से जुड़े रोजगार को अलग कर दिया जाए तो वित्त वर्ष 14 से वित्त वर्ष 23 के बीच मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में 8.9 करोड़ रोजगार पैदा हुए।

- वित्त वर्ष 4 से 14 के बीच 6.6 करोड़ नए रोजगार पैदा हुए

वहीं, वित्त वर्ष 4 से वित्त वर्ष 14 के बीच 6.6 करोड़ नए रोजगार के अवसर पैदा हुए। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एमएसएमई मंत्रालय के पास पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम एंटरप्राइजेज (एमएसएमई) में रोजगार का आंकड़ा 20 करोड़ को पार कर गया है। एमएसएमई मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर 4 जुलाई तक के आंकड़े के अनुसार, 4.68 करोड़ पंजीकृत एमएसएमई में 20.20 करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है। इसमें से 2.3 करोड़ नौकरियां जीएसटी (गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स) से छूट वाले अनौपचारिक सूक्ष्म इकाइयों में मिल रहा है। एमएसएमई में पिछले साल जुलाई के मुकाबले नौकरियों में 66 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। एसबीआई के मुख्य आर्थिक सलाहकार, सौम्य कांति घोष ने कहा कि ईपीएफओ और आरबीआई के केएलईएमएस (कैपिटल/के, लेबर/एल, एनर्जी/ई, मटेरियल/एम और सर्विसेज/एस) डेटा की तुलना करने पर एक काफी अच्छा ट्रेंड निकल कर आ रहा है।

सार संक्षेप

वित्त वर्ष 25 में ग्रामीण मांग बढ़ने से बढ़ेगी निजी खपत

नई दिल्ली। ग्रामीण मांग में रिकवरी, सामान्य मानसून और कम होती महंगाई के कारण भारत में चालू वित्त वर्ष में निजी खपत बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इंडिया रेटिंग्स और रिसर्च की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि निजी खपत में बढ़ोतरी होने से बैलेंस्ड ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा और प्रीमियम एवं वैल्यू सेगमेंट में अंतर कम होगा। रिपोर्ट में कहा गया कि शहरी मांग में बढ़त जारी रहेगी, लेकिन इसकी गति धीमी होगी। इंडिया रेटिंग्स ने रिपोर्ट में आगे कहा कि वित्त वर्ष 25 में विकास में असमानता कम होगी। इसके कारण व्यापक स्तर पर विकास दिखेगा। पिछले कुछ वर्षों में ग्रामीण खपत में लगातार इजाफा देखा गया है। ग्रामीण मांग में तेजी लौटने से और शहरी क्षेत्रों में निरंतर वृद्धि जारी रहने के कारण फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर की आय में ग्रोथ 7 से 9 प्रतिशत की रह सकती है।

1200 शहरों में एयरटेल हाई स्पीड वाई फाई उपलब्ध : विट्टल

नई दिल्ली। दूरसंचार सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी भारती एयरटेल का देश के 1200 से अधिक शहरों में हाई स्पीड वाई फाई उपलब्ध हो गया है। कंपनी के सीइओ गोपाल विट्ठल ने आज अपने ग्राहकों को लिखे एक पत्र में कहा कि आजकल, वाई-फाई हर किसी की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। ये हमारे घरों में काम करने, सीखने और मनोरंजन करने के तरीके को बदल रहा है। अब घर पर स्मार्ट डिवाइस, पढ़ाई और ऑफिस के काम के लिए हमें हाई स्पीड इंटरनेट की जरूरत है। पहले एयरटेल वाई-फाई सिर्फ कुछ ही जगहों पर मिल पाता था, लेकिन इस परेशानी को दूर करने के लिए एयरटेल ने लगातार प्रयास किया है और अब 1200 से ज्यादा शहरों में हाई स्पीड वाई-फाई उपलब्ध करा दिया है। इसका मतलब है कि अब आप भी हाई-स्पीड इंटरनेट का आनंद ले सकते हैं।

गुरिंदर सिंह सहम्बे किसानधन का सीईओ नियुक्त

नई दिल्ली। सोहन लाल कमोडिटी मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एसएलसीएम) की पूर्ण स्वामित्व वाली ईकाई किसानधन एग्री फाइनेंशियल सर्विसेज ने गुरिंदर सिंह सहम्बे को अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। कंपनी ने कहा कि लगभग 30 सालों के अपने कॅरियर और ग्रामीण विपणन लीडर के रूप में सम्मानित श्री सहम्बे एक दूरदर्शी नेतृत्व के मार्गदर्शक के रूप में सामने आए हैं। उनके पास एनबीएफसी तथा इससे जुड़े क्षेत्रों में सांस्कृतिक तथा आर्थिक मामलों में व्यावहारिक अनुभव के साथ व्यापारिक विकास में अच्छी-खासी विशेषज्ञता तथा रणनीतिक समझ है। इससे पहले उन्होंने एसवी क्रेडिटलाइन, पूनावाना फिनकॉर्प, एग्रीवाइज फिनसर्व, 11 रेलिगेयर फिनवेस्ट लिमिटेड और मैग्मा फिनकॉर्प जैसी बड़ी कंपनियों में प्रबंधन के शीर्ष पदों पर काम किया है।

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से बाजार में गिरावट

- सेंसेक्स 27.43 अंक फिसलकर 79,897.34 पर रहा
- निफ्टी 8.50 अंक की गिरावट के साथ 24,315.95 पर बंद

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व बाजार में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर बजाज फाइनेंस, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी और आईसीआईसीआई बैंक समेत पंद्रह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट रही। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 27.43 अंक फिसलकर 79,897.34 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 8.50 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,315.95 अंक पर बंद हुआ। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में हुई लिवाली ने बाजार को अधिक गिरने से बचाया। इससे मिडकैप 0.34 प्रतिशत चढ़कर 47,614.19 अंक और स्मॉलकैप 0.57 प्रतिशत की छलांग लगाकर 54,085.99 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4023 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2172 में लिवाली जबकि 1739 में बिकवाली हुई वहीं 112 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 28 कंपनियों में तेजी जबकि 21 में गिरावट रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। बीएसई में हेल्थकेयर, यूटिलिटीज, ऑटो, पावर और रियल्टी की 1.41 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 15 समूहों में तेजी का रुख रहा। इससे ऊर्जा 1.20, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.78, तेल एवं गैस 1.68 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.13 प्रतिशत चढ़ गए। अमेरिका में महंगाई घटने की उम्मीद में इस वर्ष सितंबर से फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती शुरू करने की संभावना से विश्व बाजार के रुझान सकारात्मक रहे। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.38, जर्मनी का डैक्स 0.23, जापान का निक्केई 0.94, हांगकांग का हैंगसेंग 2.06 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 1.06 प्रतिशत मजबूत रहा।

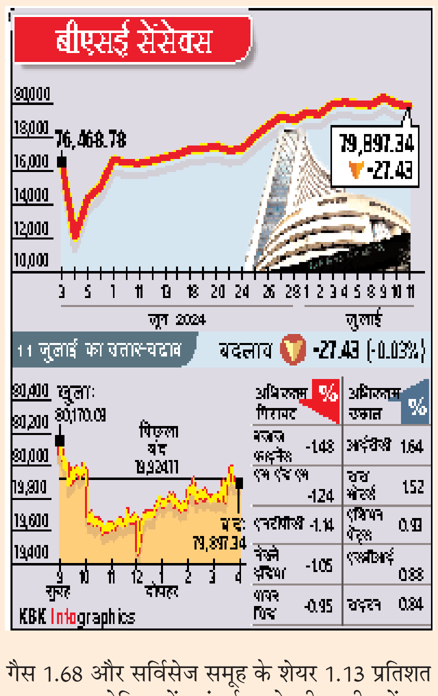

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 245 अंक की तेजी के साथ 80,170.09 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,324.45 अंक की तुलना में 0.03 प्रतिशत गिरकर 24,315.95 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान नुकसान उठाने वाली कंपनियों में बजाज फाइनेंस 1.48, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.24, एनटीपीसी 1.14, नेस्ले इंडिया 1.05, पावरग्रिड 0.95, सन फार्मा 0.89, एलटी 0.76, अल्ट्रासिमको 0.64, भारती एयरटेल 0.39, मारुति 0.37, आईसीआईसीआई बैंक 0.29, एचडीएफसी बैंक 0.28, अदाणी पोर्ट्स 0.19, रिलायंस 0.11 और हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.02 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, आईटीसी 1.64, टाटा मोटर्स 1.52, एशियन पेंट 0.93, एसबीआई 0.88, टाइटन 0.84, टाटा स्टील 0.60, इंडसइंड बैंक 0.51, कोटक बैंक 0.41, एक्सिस बैंक 0.36, बजाज फिन सर्व 0.34, टीसीएस 0.33, इंफ़ोसिस 0.32, टेक महिंद्रा 0.22, एचसीएल टेक 0.13 और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों ने 0.01 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई चार महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, जुलाई 11 (एजेंसियां)। औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर (सीपीआई-आईडब्ल्यू) मई में गिरकर 4 महीने के निचले स्तर 3.86 प्रतिशत पर आ गई है, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 4.42 प्रतिशत पर था। श्रम मंत्रालय की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। औद्योगिक श्रमिकों के लिए कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई-आईडब्ल्यू) में इस वर्ष फरवरी से लगातार गिरावट आ रही है। अप्रैल में यह आंकड़ा 3.87 प्रतिशत पर था।ऑल-इंडिया सीपीआई-आईडब्ल्यू मई 2024 में 0.5 अंक बढ़कर 139.9 अंक हो गया है। अप्रैल 2024 में यह 139.4 अंक पर था। ईंधन और ऊर्जा सेगमेंट में कमी आई है और मई 2024 में यह गिरकर 149.5 अंक रह गया है, जो कि अप्रैल 2024 में 152.8 अंक पर था। फूड और बेवरेज ग्रुप में ऑल-इंडिया सीपीआई-आईडब्ल्यू मई 2024 में बढ़कर 145.2 अंक हो गया है, जो कि अप्रैल 2024 में 143.4 अंक पर था। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले श्रम ब्यूरो की ओर से औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर के आंकड़े को हर महीने संकलित किया जाता है। इसमें 88 महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल सेंटर्स के 317 मार्केट्स से डेटा एकत्रित किया जाता है।

- सीपीआई-आईडब्ल्यू में इस वर्ष फरवरी से लगातार आ रही गिरावट

श्रम ब्यूरो की वेबसाइट के मुताबिक, सीपीआई-आईडब्ल्यू का इस्तेमाल केंद्र सरकार, राज्य सरकार, पब्लिक और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते और वेतन तय करने के लिए किया जाता है। यह देश में खुदरा बाजार की स्थिति बताने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे मासिक आधार पर संकलित किया जाता है।

खाद्य तेलों में टिकाव, उड़द व अरहर दाल महंगी

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां) विदेशी बाजारों में तेजी लौटने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव की तुलना में आवक बढ़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि उड़द दाल और अरहर दाल महंगी हो गई वहीं अन्य जिंस पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 11 रिंगिट बढ़कर 4009 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.54 सेंट की बढ़त लेकर 46.12 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में उड़द दाल और अरहर दाल में 200-200 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मूंग दाल और मसूर दाल में कोई बदलाव **नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।**

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

मुंबई में पहली छमाही में बिके 12300 करोड़ रु. के लक्जरी मकान : रिपोर्ट

मुंबई, 11 जुलाई (एजेंसियां)। इंडिया सोथबी इंटरनेशनल रियल्टी और सीआरई मैट्रिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई में वर्ष 2024 की पहली छमाही में 10 करोड़ रुपये और उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी मकानों की बिक्री में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई।

गुरुवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कलेंडर वर्ष 2024 की महानगर में ऐसे मकानों की बिक्री 12,300 करोड़ रुपए के स्तर पर रही। यह इसका अब तक का उच्चतम छमाही स्तर है। पिछले वर्ष यह आंकड़ा 11,400 करोड़ रुपए का था।

इंडिया सोथबी इंटरनेशनल रियल्टी और सीआरई मैट्रिक्स द्वारा प्रस्तुत 'मुंबई लक्जरी हाउसिंग'प्रथम छमाही, 2024 में कहा गया है कि बिक्री के एक अभूतपूर्व आंकड़े शहर के रियल एस्टेट क्षेत्र में मजबूत वृद्धि और बढ़े हुए आत्मविश्वास का संकेत देते हैं। रिपोर्ट के अनुसार बाजार में उच्चतम स्तर की सम्पत्तियों की बिक्री में यह महत्वपूर्ण उछाल समग्र रूप से आवासीय संपत्ति की बिक्री में चल रही तेजी की प्रवृत्ति के अनुरूप है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्साह और विश्वास को दर्शाता है। इंडिया सोथबी इंटरनेशनल रियल्टी के कार्यकारी निदेशक सुदर्शन शर्मा ने कहा कि मुंबई का लक्जरी हाउसिंग मार्केट बढ़ रहा है। विश्व में धनी व्यक्तियों की हुरुन ग्लोबल की ताजा सूची में भारतीय अरबपतियों की संख्या में में 51 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाया गया है। इस सूची में भारत के 271 अरबपतियों के नाम हैं, जिनमें से अधिकांश का मुंबई के हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि देश की बढ़ती संपत्ति और शानदार जीवन जीने की आकांक्षाएं इस सेगमेंट को उछाल देती रहेंगी।

- 11,400 करोड़ रुपए का था पिछले वर्ष यह आंकड़ा

भारतलोन की 2 करोड़ ग्राहकों तक पहुंचने की योजना

नई दिल्ली। डिजिटल लेंडर, भारतलोन ने आज घोषणा की कि उसने 2026 तक अपने कस्टमर बेस को 20 लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ से अधिक ले जाने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई, जिसके साथ ही वह 90 प्रतिशत ग्राहक रिटेंशन रेट बनाए रखना चाहता है। कंपनी ने कहा कि भारतलोन ने खुद को भारत के वित्तीय परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी ताकत के रूप में स्थापित किया है। कंपनी के 100प्रतिशत डिजिटल लोन अनुभव के कारण, भारतलोन पहले ही 10 लाख से अधिक ऐप डाउनलोड का महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल कर चुका है, जिससे यह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाला सबसे तेज़ एनबीएफसी बन गया है। इतनी तीव्रता से इसे अपनाया जाना इस बात की गवाही देता है कि बाजार में सुलभ, नवीन वित्तीय समाधानों की सख्त ज़रूरत है।

खेल जगत

गुजरात छोड़कर दोबारा उत्तर प्रदेश के लिए खेलेंगे पीयूष चावला

नई दिल्ली। सीनियर लेग स्पिनर पीयूष चावला दोबारा उत्तर प्रदेश लौट आए हैं और वह आने वाले घरेलू सीज़न के साथ ही अगस्त में लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में होने वाली उत्तर प्रदेश टी-20 लीग में भी खेलते दिखेंगे। दो बार के विश्व चैंपियन लेग स्पिन ऑलराउंडर 2016 में उत्तर प्रदेश छोड़कर गुजरात चले गए थे। उन्होंने सात साल तक गुजरात के लिए घरेलू क्रिकेट खेला और अब वह फिर से उत्तर प्रदेश वापसी के लिए तैयार हैं। वह फ़िलहाल उत्तर प्रदेश के लिए सफ़ेद गेंद की क्रिकेट खेलते हुए नज़र आएंगे। हालांकि उन्होंने रणजी ट्रॉफ़ी खेलने की संभावना से पूर्ण इनकार नहीं किया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए चावला ने बताया कि वह सफ़ेद गेंद से उत्तर प्रदेश के लिए इस सीज़न खेलेंगे लेकिन लाल गेंद यानी रणजी ट्रॉफ़ी खेलने पर भी विचार करेंगे।

26 जुलाई से भारत-श्रीलंका के बीच खेला जाएगा पहला टी-20

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच इस महीने के अंत में होने वाली टी 20 और एकदिवसीय श्रृंखला का

■ **गौतम गंभीर के लिए यह बतौर भारतीय कोच पहला दौरा भी होगा**

कार्यक्रम घोषित हो गया है। श्रीलंका दौरे का आगाज़ टी 20 श्रृंखला के साथ होगा जबकि एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत 1 अगस्त से होगी। श्रीलंका दौरे पर भारत को तीन तीन मैचों की टी 20 और एकदिवसीय श्रृंखला खेलनी है। भारत 26 और 27 जुलाई को लगातार दो दिन श्रीलंका के खिलाफ टी20 मैच खेलेगा जबकि इस श्रृंखला का अंतिम मैच 29 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं एकदिवसीय श्रृंखला के अन्य दो मैच 4 और 7 अगस्त को खेले जाएंगे। टी20 श्रृंखला के तीनों मैच पल्लेकेले और तीनों एकदिवसीय मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। गौतम गंभीर के लिए यह बतौर भारतीय कोच पहला दौरा भी होगा। मंगलवार शाम को भारतीय टीम के नए मुख्य कोच के पद के लिए गंभीर के नाम का ऐलान

हुआ था।

राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से ही गंभीर का नाम अगले मुख्य कोच की दौड़ में सबसे आगे चल रहा था। गंभीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग का अनुभव नहीं है लेकिन आईपीएल में उनके मेंटॉर रहते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने लगातार दो बार अंतिम चार में प्रवेश किया जबकि बीते सीज़न ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने आईपीएल इतिहास की तीसरी ट्रॉफ़ी अपने नाम की। भारत ने इससे पहले सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका का दौरा जुलाई 2021 में किया था।

उस दौरे पर शिखर धवन भारतीय टीम के कप्तान थे जबकि राहुल द्रविड़ कार्यवायक कोच के रूप में उस दौरे पर गए थे। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद यह भारतीय टीम का दूसरा दौरा होगा। इस समय टीम इंडिया ज़िम्बाब्वे में पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेल रही है। श्रीलंका की टीम टी 20 वर्ल्ड कप 2024 में लीग स्टेज से बाहर हो गई थी। इस समय उसके खिलाड़ी लंका प्रीमियर लीग में अपने हाथ आज़मा रहे हैं।

3 भारतीय क्रिकेट कोच जिनका अंतरराष्ट्रीय करियर गंभीर से भी शानदार रहा

नई दिल्ली। गौतम गंभीर ने भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ को रिप्लेस किया है। गंभीर भारत के शानदार बल्लेबाज रह चुके हैं जिन्होंने 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। गंभीर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 10,000 हजार से ज्यादा रन बनाए, जिसमें 20 शतक भी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के पास हेड कोच के तौर पर ऐसे नाम भी रहे हैं जिनका टीम इंडिया करियर गंभीर से बेहतरीन रहा है। इसमें अनिल कुंबले का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है जो 132 टेस्ट मैचों में 619 विकेट लेकर आज भी भारत के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। कुंबले ने 2016-17 में भारतीय क्रिकेट टीम

के हेड कोच के पद पर कार्य किया था। कुंबले के नाम 271 वनडे मैचों में 337 विकेट भी हैं। भारत के महानतम ऑलराउंडर और 1983 के विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने अक्टूबर 1999 से अगस्त 2000 तक 10 महीनों के लिए भारतीय टीम के हेड कोच की भूमिका निभाई थी। कपिल देव भारत के सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज हैं, जिनके नाम 434 विकेट हैं। उन्होंने वनडे में भी 235 विकेट हासिल किए हैं। गेंदबाजी के अलावा कपिल ने बल्लेबाजी में भी कमाल किया है और टेस्ट मैचों में 5,248 रन बनाने के अलावा वनडे में भी 3,500 रन बनाए हैं। गौतम गंभीर से पहले भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ थे और वे भारत के सर्वकालिक महानतम बल्लेबाजों में शुमार हैं। द्रविड़ ने 164 टेस्ट मैचों में 52.31 के शानदार औसत के साथ 13,288 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने 36 शतक और पांच दोहरे शतक लगाए हैं। राहुल द्रविड़ ने 344 वनडे मैच भी खेले हैं, जिसमें 83 अर्द्धशतकों के अलावा 12 शतक लगाकर 10,889 रन बनाए हैं।

कोच बनने के बाद एक्शन में गंभीर, बीसीसीआई के सामने रखी ये मांग

नई दिल्ली। टीम इंडिया को गौतम गंभीर के रूप में एक नया मुख्य कोच मिला है, लेकिन उनके सपोर्टिंग स्टाफ का चयन अभी बाकी है। इस बीच गंभीर ने बीसीसीआई के सामने एक मांग रखी है। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गौतम गंभीर टीम के सपोर्टिंग स्टाफ के रूप में नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर रियान टेन डोइशे को शामिल करना चाहते हैं। गंभीर और यह डच खिलाड़ी पहले एक साथ केकेआर के लिए काम कर चुके हैं। केकेआर के साथ अपनी भूमिका के अलावा, टेन डोइशे फ्रेंचाइज़ी की सहायक कंपनियों में कई पदों पर हैं, जिनमें कैरेबियन प्रीमियर लीग, मेजर लीग क्रिकेट और आईएलटी20 शामिल हैं। गंभीर, जिन्होंने टीम के प्रबंधन में फ्री हैंड की डिमांड पहले ही कर दी थी, 44 वर्षीय डच को अपने प्रमुख सहयोगी के रूप में चाहते हैं। हालांकि, अंतिम निर्णय बीसीसीआई के पास है जिसने हाल ही में कोचिंग भूमिकाओं के लिए केवल भारतीय को नियुक्त करने का पक्ष लिया है। इससे पहले, रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत के पूर्व ऑलराउंडर और केकेआर बैकरूम टीम का अभिन्न हिस्सा अभिषेक नायर, सहायक कोच के तौर पर गंभीर की टीम से जुड़ सकते हैं।

मनप्रीत अपने चौथे ओलंपिक के लिए तैयार

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 11 जुलाई (देशबन्धु)। पूर्व कप्तान आक्रामक सेंटर हाफ मनप्रीत सिंह के साथ अनुभवी सदाबहार गोलरक्षक पीआर श्रीजेश के साथ इसी महीने के आखिर में शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के रूप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिए खेलने उतरने के साथ लगातार चौथे ओलंपिक में शिरकत करने

■ **मैं पेरिस ओलंपिक में शिद्दत से अपना सब कुछ देने को ले रोमांचित हूं**

■ **हमारी टीम दुनिया को भारतीय हॉकी की ताकत और जज्बे को दिखाने को तैयार**

वाले लेसली क्लाउडियस, सरदार उधम सिंह, धनराज पिल्लै और हॉकी इंडिया के मौजूदा अध्यक्ष दिलीप टिर्की खिलाड़यों की फेहरिस्त में अपना नाम लिखा लेंगे। आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत को टोक्यो में चार दशक के बाद कांसे के रूप में मनप्रीत सिंह ने अपनी कप्तानी में ओलंपिक में पहला पदक जिताया था। 2011 में भारतीय सीनियर हॉकी टीम के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करने वाले चतुर मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने देश के लिए अब तक 370 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल कर 27 गोल किए हैं और वह टीम के आक्रमण और रक्षण

की अहम और मजबूत कड़ी साबित हुए हैं। मनप्रीत इससे पहले 2012 में लंदन ओलंपिक , 2016 में रियो ओलंपिक और 2020 में टोक्यो ओलंपिक में शिरकत कर चुके हैं और पेरिस ओलंपिक उनका भारत के लिए लगातार चौथा ओलंपिक होगा। मनप्रीत सिंह ने कहा, मैं बेहद रोमांचित और गौरवान्वित हूं की मैं भारतीय हॉकी टीम के लिए पेरिस में अपना लगातार ओलंपिक खेलने जा रहा हूं। मेरे लिए अपना चौथा ओलंपिक खेलना एक सपने के सच होने जैसा है और मील का पत्थर है, जो मुझे बेहद गर्व से भर देता है। यह बरसों की मेहनत, समर्पण , मेरे परिवार , कोचों और टीम के साथियों के साथियों के अटूट समर्पण का प्रमाण है। भारत के महान हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै के पदचिन्हों पर चलना, जो मेरे सहित भारत के अनगिनत हॉकी खिलाड़ियों की प्रेरणा रहे, एक ऐसा सम्मान है, जिन्हें शब्दों में बयां करना बेहद कठिन है। मैं पेरिस ओलंपिक में शिद्दत से अपना सब कुछ देने को ले रोमांचित हूं। मैं पेरिस ओलंपिक में केवल भारतीय टीम नहीं, भारत के लाखों हॉकी प्रेमियों की उम्मीदों की भी नुमाइंदगी करुंगा। हमारी टीम दुनिया को भारतीय हॉकी की ताकत और जज्बे को दिखाने को तैयार है। हमने खूब पसीना बहाया है और जमकर पेरिस ओलंपिक के लिए तैयारी की है और हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश और देशवासियों को गौरवान्वित करने को तैयार हैं। जब मनप्रीत सिंह से भारतीय टीम की सोच और उससे पेरिस ओलंपिक में उम्मीदों और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतने के प्रदर्शन को दोहराने के दबाव की बाबत पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम पर कोई दबाव नहीं है बल्कि हमारी निगाहें टोक्यो ओलंपिक में अपने हर मैच का लुत्फ उठाने पर लगी हैं। हमारे लिए जरूरी है कि किसी भी टीम की रैंकिंग कुछ भी हो हम ओलंपिक में किसी भी टीम को कम न आंके। हर टीम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी और हम भी। हमारा फोकस अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के साथ एक इकाई के रूप में एक दूसरे के साथ कदमताल करने पर है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया नहीं जाएगी पाकिस्तान : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। जानकारी के अनुसार, टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं जाएगी

■ **चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी दुबई या श्रीलंका को सौंपी जा सकती है**

और बीसीसीआई टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत कराने की पेशकश आईसीसी के सामने रखेगा। सूत्रों के अनुसार, चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी दुबई या श्रीलंका को सौंपी जा सकती है। पाकिस्तान ने आईसीसी को जो ड्राफ्ट शेड्यूल सौंपा है, जिसमें भारत के सभी मैच लाहौर में रखे गए हैं। आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 8 टीमों के बोर्ड से सहमति लेने के बाद ही इस शेड्यूल को स्वीकार करेगा। हालांकि, टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई ने अब तक खुलकर बात नहीं की है। लेकिन बीसीसीआई ने पहले भी खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देते हुए पाकिस्तान में कोई भी मैच खेलने से साफ इनकार किया था। बीसीसीआई की ओर से भारत की यात्रा के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई

है। इस पूरे मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि ऐसी स्थिति में हाइब्रिड मॉडल पर काम किया जा रहा है और जल्द इस बात का हल निकाला जाएगा, लेकिन एक बात तय है कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। भारत एशिया कप की तरह यूएई या श्रीलंका में अपने मैच खेल सकता है, हालांकि आईसीसी का अंतिम फैसला आना अभी बाकी है। भारत और पाकिस्तान के बीच 2012 के बाद से कोई द्विपक्षीय क्रिकेट दौरा नहीं हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान की टीम 2023 एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत आई थी।

इंग्लैंड ने नीदरलैंड को चौंकाया, यूरो फाइनल में स्पेन से भिड़ंत

बर्लिन, 11 जुलाई (एजेंसियां) सब्स्टीट्यूट ओली वॉटकिंस ने सेमीफाइनल में मजबूत नीदरलैंड्स पर 2-1 की जीत के साथ इंग्लैंड को लगातार दूसरे यूरो फाइनल में पहुंचा दिया जहां उसका 14 जुलाई को स्पेन से मुकाबला होगा। रोनाल्ड कोमैन की टीम ने बेहतरीन शुरुआत की, जब ज़ावी सिमंस ने इंग्लैंड की रक्षापंक्ति को भेदते हुए दाएं पैर से गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाकर केवल सात मिनट के बाद गतिरोध तोड़ दिया। नीदरलैंड की बढ़त ज्यादा देर तक कायम नहीं रही, क्योंकि हैरी केन ने वीएआर समीक्षा के बाद 18वें मिनट में निचले दाएं कोने में एक अच्छे शॉट के साथ फाउल-प्ले पेनल्टी को गोल में बदल

■ **रोनाल्ड कोमैन की टीम ने बेहतरीन शुरुआत की**

दिया। श्री लायंस ने गति पकड़ी और 23वें मिनट में अपनी बढ़त लगभग दोगुनी कर दी जब डेन्ज़ेल डमफ्रीज ने फिल फोडेन के शॉट को लाइन से बाहर कर दिया। आधे घंटे के निशान पर एक आशाजनक स्थिति से डमफ्रीज़ ने हैडर पोस्ट पर मार दिया। गैरेथ साउथगेट के खिलाड़ियों ने गेंद पर कब्ज़ा जमाया लेकिन आधे समय की सीटी बजने से पहले अपने मौके को भुना नहीं सके। दूसरे हाफ में दोनों तरफ से धीमी शुरुआत के बाद, डच ने धीरे-धीरे बढ़त हासिल कर ली, लेकिन 65वें मिनट तक ऐसा नहीं हुआ कि पिकफोर्ड को वर्जिल वैन डिज्क के हैडर को बचाने के लिए कार्रवाई में बुलाया गया। इंग्लैंड ने हमले करना जारी रखा और सोचा कि उन्होंने फिर से बढ़त हासिल कर ली है, लेकिन 79वें मिनट में बुकायो साका के गोल को ऑफसाइड के कारण खारिज कर दिया गया। श्री लायंस ने 91वें मिनट में ओरांजे को चौंका दिया जब वॉटकिंस ने दाहिने कोने में कर्लिंग शॉट के साथ हमले को समाप्त कर दिया।

गांगुली ने इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता रॉयल टाइगर्स टीम खरीदी

नई दिल्ल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में अपने तीसरे सीजन की तैयारी कर रहे मोटरस्पोर्ट इवेंट इंडियन रेसिंग फेस्टिवल को पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के 2024 सीजन से पहले कोलकाता रॉयल टाइगर्स रेसिंग टीम का मालिक बनने से बढ़ावा मिला है। आठ शहर आधारित टीमें-कोलकाता, हैदराबाद, बैंगलोर, चेन्नई, दिल्ली, गोवा, कोच्चि और अहमदाबाद-इस साल अगस्त से नवंबर तक प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। प्रतियोगिता में उत्साह की एक अतिरिक्त परत जोड़ते हुए, कोलकाता पहली बार भाग लेने के लिए तैयार है। एसोसिएशन के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, गांगुली ने कहा कि मैं इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता टीम के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मोटरस्पोर्ट्स हमेशा से मेरा

मैं इंडियन रेसिंग फेस्टिवल में कोलकाता टीम के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं : सौरव गांगुली

जुनून रहा है, जबकि यह अवसर न केवल मुझे इसके विकास में योगदान करने की अनुमति देता है बल्कि कोलकाता में मोटरस्पोर्ट तथा उत्कृष्टता और खेल कौशल की संस्कृति को बढ़ावा देने में मेरे विश्वास के साथ भी मेल खाता है। कोलकाता रॉयल टाइगर्स के साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य भारतीय रेसिंग फेस्टिवल में एक मजबूत विरासत बनाना और मोटरस्पोर्ट प्रेमियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करना है, जिससे कोलकाता रॉयल टाइगर्स फेस्टिवल में एक जबरदस्त ताकत बन सके। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल की संकल्पना रेसिंग प्रमोशन्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की गई है। यह एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया मोटरस्पोर्ट इवेंट है जिसे भारत में बढ़ते मोटरस्पोर्ट प्रशंसक आधार को लुभाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस महोत्सव में दो मुख्य चैंपियनशिप शामिल हैं: इंडियन रेसिंग लीग और फॉर्मूला 4 इंडियन चैंपियनशिप (एफ4आईसी)। हम कोलकाता फ्रेंचाइजी के मालिक के रूप में सौरव गांगुली की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं।

पेरिस ओलंपिक : नीरज चोपड़ा समेत भारत के टॉप-5 दावेदार

भारतीय दल से 2020 टोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली, 11 जुलाई (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक 2024 के शुरू होने में अब सिर्फ दो हफ्ते बचे हैं। भारत के शीर्ष एथलीटों में उत्साह बढ़ता जा रहा है, जो फ्रांस की राजधानी में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। इस बार ओलंपिक में भारतीय एथलीट्स के पास पुराने सारे रिकॉर्ड्स ध्वस्त करने का सुनहरा मौका रहेगा, क्योंकि भारतीय दल में दुनिया के कई बेहतरीन एथलीट शामिल हैं। ओलंपिक इस साल का सबसे बड़ा इवेंट है, जिसका आयोजन फ्रांस की राजधानी पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होगा। भारत का प्रतिनिधित्व अगल-अलग खेलों में लगभग 120 खिलाड़ियों का दल करेगा। इस समूह में पहली बार ओलंपिक खेलने जा रहे और अनुभवी दिग्गज दोनों शामिल हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों की ओर से ऐतिहासिक प्रदर्शन देखने को मिला था। इस बार भारतीय दल से और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। 2020 टोक्यो ओलंपिक में पिछली बार भारत के नाम कुल 7 मेडल रहे थे। अब तक ओलंपिक खेलों में यह भारतीय खिलाड़ियों को बेस्ट प्रदर्शन था और उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक का रिकॉर्ड तोड़ा था। 2012 लंदन ओलंपिक में भारत ने 6 मेडल जीते थे।

नीरज चोपड़ा (जैवलिन थ्रो): 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था। उन्होंने एथलेटिक्स में भारत का पहला ओलंपिक पदक सुनिश्चित किया और लंबे समय का अपना सपना पूरा किया। पेरिस में होने वाले आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों के करीब आते ही, हरियाणा का यह एथलीट एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार है। फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर के प्रभावशाली थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतने के बाद, चोपड़ा अब लगातार ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट के रूप में इतिहास रचने का लक्ष्य बना रहे हैं, ताकि वे न केवल पदक के लिए बल्कि स्वर्ण के लिए देश के सबसे मजबूत दावेदार के रूप में उभरें।

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी (बैडमिंटन) : विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर काबिज भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी पदक की प्रमुख दावेदार हैं। टोक्यो खेलों में शुरुआती दौर में बाहर होने के बावजूद, उनके प्रदर्शन में तब से उछाल आया है।

2022 में, उन्होंने भारत की थॉमस कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसके बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण और बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। 2023 में दोनों ने स्विस ओपन, बैडमिंटन एशियाई चैम्पियनशिप और इंडोनेशियाई ओपन में जीत के साथ अपनी विजय का सिलसिला जारी रखा।

निखत जरीन (बॉक्सिंग) : ओलंपिक में डेब्यू की तैयारी कर रही दो बार की विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन पोडियम पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश करने के लिए तैयार हैं। 51 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली निखत के नाम कई सफलताएं हैं, जिसमें 2019 में बुल्गारिया में प्रतिष्ठित स्ट्रैंड्जा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण और फरवरी 2024 में इसके 75वें संस्करण में रजत पदक शामिल है।

मई में एलोर्डा कप में उनकी हालिया जीत ने उनकी प्रतिस्पर्धी बढ़त को और भी बढ़ा दिया है। वर्तमान में जर्मनी में अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ प्रशिक्षण ले रही 28 वर्षीय निखत पेरिस ओलंपिक में सफलता की एक बड़ी दावेदार के रूप में उभरी हैं।

मीराबाई चानू (वेटलिफ्टिंग): 2023 में चोटों से जूझने के बावजूद, टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक में मजबूत वापसी के लिए तैयार हैं। मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक के पहले दिन ही भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में सिल्वर मेडल अपने नाम कर लिया था। ये पहला मौका था जब ओलंपिक के इतिहास में भारत पहले ही दिन मेडल जीतने में कामयाब रहा था।

मनु भाकर (निशानेबाजी): अपने दूसरे ओलंपिक की ओर बढ़ रही मनु भाकर अनुभव और हाल ही में शानदार प्रदर्शन से प्राप्त आत्मविश्वास के साथ पेरिस ओलंपिक का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। टोक्यो में क्वालीफिकेशन राउंड में अपने लक्ष्य से चूकने के बाद 22 वर्षीय भाकर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है, खासकर एशियाई खेलों में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल करना उनकी काबिलियत को दर्शाता है। उन्होंने अक्टूबर में चांगवोन में एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप 2023 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 5वां स्थान हासिल करके भारत के लिए ओलंपिक कोटा भी हासिल किया।

भारतीय हॉकी टीम : 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीतकर खेल में पदक के लिए 41 साल का इंतजार खत्म किया।

इस साल, हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई और अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश की मदद से टीम 2022 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक की लय के साथ मैदान में उतरेगी, जिसका लक्ष्य 44 साल का सूखा खत्म करके ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना है।

सार संक्षेप

कोलंबिया उरुग्वे को हराकर कोपा अमेरिका के फाइनल में

चार्लोट (अमेरिका)। कोलंबिया ने उरुग्वे को 1-0 से हराकर अपने 28 मैचों के अजेय क्रम को आगे बढ़ाया और कोपा अमेरिका के फाइनल में जगह बना ली। कोलंबिया रविवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में ग्रैंड फ़ाइनल में अर्जेंटीना से खेलने के लिए मियामी गार्डन जा रहा है, जबकि उरुग्वे तीसरे स्थान का निर्धारण करने के लिए शनिवार को बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम में कनाडा से खेलने के लिए चार्लोट में रहेगा। पहले 10 मिनट में दो बाजीगरों ने सावधानीपूर्वक एक-दूसरे का परीक्षण किया, जिसके परिणामस्वरूप केवल एक ही शॉट लगा। ऐसा लग रहा था कि कोलंबिया पहला बड़ा मौका बना सकता है, लेकिन वह उरुग्वे के डार्विन नुनेज़ थे जो करीब आये। नुनेज़ ने पेनल्टी क्षेत्र में कई कोलंबियाई रक्षकों को छकाया और निचले बाएँ कोने पर एक शक्तिशाली शॉट लगाया, जो बाल-बाल बच गया। कई मौकों के बावजूद उरुग्वे का स्ट्राइकर गोल नहीं कर सका। ब्राजील के खिलाफ चोट के कारण सेंटर बैक रोनाल्ड अराउजो को खोने के बाद, उरुग्वे को एक और झटका लगा जब रोड्रिगो बेंटनकुर 35वें मिनट में घायल होकर बाहर चले गए और उनकी जगह गिलर्मो वरेला आए।

विंबलडन सेमीफाइनल में जोकोविच से भिड़ेंगे इटली के मुसेटी

लंदन। वर्ष के तीसरे ग्रैंड स्लैम विंबलडन में इटली में सभी की निगाहें जानिक सिनर पर थीं, लेकिन यह लोरेंजो मुसेटी हैं जिन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचकर और 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच के साथ मुकाबला करने की देश की उम्मीदों को जिंदा रखा है। ऑस्ट्रेलियाई एलेक्स डी मिनौर के चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद जोकोविच सेमीफ़ाइनल में पहुंचे हैं। मुसेटी ने अपने करियर का अब तक का संभवतः सर्वश्रेष्ठ ग्रैंड स्लैम प्रदर्शन करते हुए टेलर फ्रिट्ज़ को 3-6, 7-6(5), 6-2, 3-6, 6-1 से हरा दिया। ऐसा करने पर, 22 वर्षीय खिलाड़ी इवेंट के इतिहास में केवल चौथा इतालवी पुरुष एकल सेमीफाइनलिस्ट बन गया। मंगलवार को वर्ल्ड नंबर 1 सिनर के दानिल मेदवेदेव से हारने के बाद भी, मुसेटी ने अपने पहले प्रमुख क्वार्टरफाइनल में उत्कृष्ट और संयमित प्रदर्शन के साथ इतालवी टेनिस की ताकत की तुरंत याद दिला दी।

वानिंदु हसरंगा ने श्रीलंका की टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी

कोलंबा। श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा ने टी-20 टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। हसरंगा ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) को लिखा, एक खिलाड़ी के रूप में वह हमेशा श्रीलंका की टीम सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे तथा अपनी टीम और नेतृत्व का समर्थन करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की ओर जारी एक बयान में हसरंगा के टीम में बने रहने की पुष्टि की गई। बयान के अनुसार हसरंगा ने अपने त्यागपत्र में कहा कि यह टीम के हित में है कि उन्होंने कप्तानी कर्तव्यों से मुक्त होकर एक खिलाड़ी के रूप में टीम में बने रहने का फैसला किया है। उल्लेखनीय है कि श्रीलंकाई स्पिनर हसरंगा को पिछले वर्ष ही टी-20 कप्तान नियुक्त किया गया था। उन्होंने 10 मैचों में टीम का नेतृत्व किया।